6 to 8

Teacher's Manual

Book-6 ...02
Book-7 ...44
Book-8 ...89

FLYING BOOKS

हिंदी दिवस

डॉ॰ उमा शर्मा

DIGITAL BOOK

- बहुविकल्पीय प्रश्न
- व्याकरण ज्ञान
- प्रोजेक्ट एवं क्रियाकलाप
- स्किल टेस्ट

1 इतने ऊँचे उठो

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

उत्तर– (क) iii. गगन के (ख) iii. स्वर्ग-सा (ग) ii. नूतन (घ) ii. कुरूप को

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) कवि समाज से जाति, धर्म के भेद-भाव तथा द्वेष भावना को दूर कर समानता की भावना को बढ़ाना चाहता है। वह रूढ़िवादिता को समाप्त कर नए युग का निर्माण करना चाहता है।

(ख) कवि नई सोच-समझ और नए विचारों के आगे बढ़ने की गति पर लगे रूढ़िवादी बंधनों को तोड़ देना चाहता है।

(ग) हमारे समाज में जाति, धर्म का भेद भाव तथा काले गोरे का द्वेष व्याप्त है।

(घ) कवि पूरे संसार में एकता और समानता का भाव उत्पन्न करना चाहता है।

(ङ) मलय पर्वत की ओर से आने वाली शीतल और सुगन्धित हवा मलय पवन है।

(च) कवि के अनुसार हमें नए युग की नई मूर्ति बनानी है।

(छ) हम जाति-पाँति के बंधन को तोड़कर द्वेष भावना को समाप्त कर समानता और भाई चोरे की भावना को उत्पन्न कर इस धरती को स्वर्ग बना सकते हैं।

(ज) कवि ने मलय पवन जैसा शीतल, नए निर्माण जैसा मौलिक, परिवर्तन जैसा गतिमय आकर्षण जितना सुन्दर बनने के लिए कहा है।

3. कविता की रिक्त पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

(क) इतने ऊँचे उठो कि जितना उठा गगन है।
देखो इस सारी दुनिया को एक दृष्टि से,
सिंचित करो धरा, समता की भाववृष्टि से,

(ख) सूरज, चाँद, चाँदनी, तारे,
सब हैं प्रतिपल साथ हमारे।
दो कुरूप को रूप सलोना,
इतने सुंदर बनो कि जितना आकर्षण है।।

4. जोड़ों के उचित मिलान से वाक्य पूर्ण कीजिए-

(क)	देखो इस सारी दुनिया को	(i)	समता की भाववृष्टि से
(ख)	इतने मौलिक बनो कि	(ii)	जितना पोषक है।
(ग)	इतने सुंदर बनो कि	(iii)	जितना मलय पवन है।
(घ)	सिंचित करो धरा	(iv)	जितना उठा गगन है।
(ङ)	इतने गतिमय बनो कि	(v)	जितना स्वयं सृजन है।
(च)	लो अतीत से उतना ही	(vi)	जितना आकर्षण है।
(छ)	इतने शीतल बहो कि	(vii)	एक दृष्टि से
(ज)	इतने ऊँचे उठो कि	(viii)	जितना परिवर्तन है।

भाषा बोध

1. नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

ऊँचे	=	**नीचे**	उठना	=	**गिरना**
गगन	=	**धरा**	धर्म	=	**अधर्म**
द्वेष	=	**प्रेम**	शीतल	=	**उर्ष्ण**
वर्तमान	=	**अतीत**	नूतन	=	**प्रचीन**
अतीत	=	**वर्तमान**	मृत्यु	=	**जन्म**

2. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

गगन	=	**अम्बर, व्योम**	पवन	=	**हवा, वायु**
हरि	=	**विष्णु, ईश्वर**	हाथ	=	**कर, हस्त**
चंद्रमा	=	**इन्दु, भूषण**	सूर्य	=	**रवि, भानु**

3. निम्नलिखित पंक्तियों में शब्दों पर ध्यान दीजिए-

इन सभी में 'लय' या 'तुक' है। 'लय' एवं 'तुक' को कविता का प्रथम गुण माना जाता है। कविता में से तुकांत शब्द छाँटिए तथा नीचे लिखिए-

दृष्टि	**वृष्टि**
वेश	**द्वेष**
पोषक	**द्योतक**

4. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

सिंचित	=	माली ने गुलाब के पौधे को **सिंचित** कर दिया था।
दुनिया	=	**दुनिया** बहुत बड़ी है।
रंग	=	**रंग** बिरंगे गुब्बारे बहुत सुंदर लग रहे हैं।
पवन	=	मलय **पवन शीतल** और सुगन्धित होती है।
नूतन	=	चित्रकार ने प्रातः काल की **नूतन** चित्राकृर्ति बनाई।
भाषा	=	हमारी मातृ **भाषा** हिन्दी है।
सत्य	=	सदा **सत्य** बोलना चाहिए।
स्वर्ग	=	कशमीर को पृथ्वी का **स्वर्ग** माना जाता है।

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें

2 सदाचार का तावीज

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए–

(क) iii. भ्रष्टाचार का पता लगाने के लिए

(ख) iii. घूस के रूप में

(ग) ii. भुजा पर बाँधने से व्यक्ति सदाचारी हो जाता था।

(घ) i. राज्य के एक कर्मचारी को

(ङ) iii. पाँच करोड़ रुपये

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) राज्य में प्रजा ने हल्ला मचा रखा था कि सब जगह भ्रष्टाचार फैला हुआ है।

(ख) राजा भ्रष्टाचार देखने की बात कर रहे थे। उन्होंने दरबारियों से पूछा, "प्रजा बहुत हल्ला मचा रही है कि सब जगह भ्रष्टाचार फैला हुआ है। हमें तो आज तक कहीं नहीं दिखा। तुम लोगों को कहीं दिखा हो तो बताओ।"

(ग) दरबारियों ने राजा के सामने एक साधु को पेश किया और कहा, "महाराज, एक कंदरा में तपस्या करते हुए इन महान साधक को हम ले आए हैं। इन्होंने सदाचार का तावीज बनाया है। वह मंत्रों से सिद्ध है और उसके बाँधने से आदमी एकदम सदाचारी हो जाता है।"

(घ) बारीक चीजे देखने के लिए विशेषज्ञों को बुलाया गया।

(ङ) विशेषज्ञों ने भ्रष्टाचार खत्म करने के विषय में राजा को बताया-"महाराज, हमने उसकी योजना तैयार कर ली है।"

(च) साधु को तावीज बनाने का ठेका दिया गया।

(छ) साधु को तावीज बनाने के लिए पाँच करोड़ रुपए पेशगी में दिए गए।

(ज) इस पंक्ति से यह पता चलता है कि सीमित कमाई वाले व्यक्ति का महीने के आखिरी दिनों में हाथ तंग हो जाता है और आवश्यकता पड़ने पर ईमानदार व्यक्ति भी बेईमान बन जाता है।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) राज्य में हल्ला मचा था कि **भ्रष्टाचार** बहुत फैल गया है।

(ख) राजा बहुत **चिंतित** हो गया।

(ग) हमें **बारीक** चीज दिखती ही नहीं।

(घ) **भ्रष्टाचार** दिखा भी तो उसमें हमें आपकी ही छवि दिखेगी।

(ङ) राजा ने **विशेषज्ञ** जाति के **पाँच** आदमी बुलाए।

(च) विशेषज्ञों ने उसी दिन से **छान-बीन** शुरू कर दी।

4. कहानी की घटनाओं को क्रम से लिखिए-

एक राज्य में हल्ला मचा था कि भ्रष्टाचार बहुत फैल गया है।
विशेषज्ञों ने उसी दिन से छानबीन शुरू कर दी।
वह सर्वत्र व्याप्त है, इस भवन में भी है।
महाराज, यह योजना क्या है, एक मुसीबत है।
सारी व्यवस्था उलट-पलट हो जाएगी।
मैं तुम्हारा राजा हूँ। क्या तुम आज सदाचार का तावीज बाँधकर नहीं आए?

5. किसने, किससे कहा?

उत्तर- (क) **दरबारियों** ने **राजा** से

(ख) **राजा** ने **दरबारियों** से

(ग) राजा ने **दरबारियों** से

(घ) **विशेषज्ञों** ने **राजा** से

(ङ) **मंत्री** ने **राजा** से

(च) **कर्मचारी** ने **राजा** से

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

स्थूल	=	**सूक्ष्म**	ईमानदार	=	**बेईमान**
चिंतित	=	**अचिंतित**	विशेष	=	**सामान्य**
विराट	=	**लघु**	एक	=	**अनेक**
गोचर	=	**अगोचर**	व्यवस्था	=	**अव्यवस्था**
पास	=	**दूर**	राजा	=	**रंक**
बढ़िया	=	**घटिया**	सदाचारी	=	**दुराचारी**
पाप	=	**पुण्य**	पसंद	=	**नापसंद**
सरल	=	**कठिन**	दिन	=	**रात**
खुश	=	**शोक**	आज	=	**कल**

2. निम्नलिखित वाक्यों में विराम-चिह्नों को पहचानकर उनके नाम लिखिए-

(क) पूर्ण-विराम
(ख) प्रश्नवाचक चिह्न
(ग) विस्मयादिबोधक चिह्न
(घ) पूर्ण-विराम चिह्न
(ङ) प्रश्नवाचक चिह्न
(च) उद्धारण चिह्न

3. दिए गए उदाहरण के अनुसार लिखिए-

पाठशाला	**पढ़ने के लिए शाला**
राज्यवासी	**राज्य में रहने वाले**
राज सिंहासन	**राजा का आसन**
पृथ्वीवासी	**पृथ्वी पर रहने वाले**

4. दिए गए शब्दों की तरह 'र' के विभिन्न रूपों में तीन-तीन शब्द और लिखिए-

र	दरबार, विराटता	**सरकार**	**महाराज**	**पराग**
र्‍ (रेफ)	सर्वव्यापी, सुदर्शन	**धर्म**	**सर्वदा**	**सर्वनाम**
्र	प्रजा, भ्रष्टाचार	**अभिप्राय**	**प्रकार**	**प्रकाश**
्र (ट्र)	राष्ट्र, ट्रक	**मैट्रो**	**ट्रांसपोर्ट**	**ट्रॉली**

5. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-

हलका	=	**कम**	राजा	=	**नरेश**
दिन	=	**वासर**	जगह	=	**स्थान**
सारा	=	**सभी**	बारीक	=	**सूक्ष्म**
छवि	=	**शोभा/स्वरूप**	आँख	=	**नेत्र**
आदमी	=	**नर**	अंजन	=	**काजल**
निवेदन	=	**प्रार्थना**	शुरू	=	**प्रारम्भ**
ईश्वर	=	**भगवान**	सर्वत्र	=	**सभी जगह**
हाथ	=	**हस्त**			

6. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

राजा	=	**नृप**	**नरेश**
आँख	=	**नेत्र**	**लोचन**
हाथ	=	**हस्त**	**कर**
ईश्वर	=	**प्रभु**	**भगवान**
भवन	=	**घर**	**गृह**
रुपया	=	**धन**	**दौलत**
आदमी	=	**नर**	**मानव**

7. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

संकट = **संकट** के समय सभी को भगवान और माँ की याद आती है।
भ्रष्टाचार = संसार में सर्वत्र **भ्रष्टाचार** फैला हुआ है।
तपस्या = हिमालय की गुफाओं में संत महात्मा **तपस्या** कर रहे हैं।
सदाचारी = **सदाचारी** मानव दुराचारी से नहीं डरते।
राज्य = **राज्य** में भ्रष्टाचार फैला हुआ है।
कर्मचारी = रविवार के दिन **कर्मचारी** काम पर नहीं आए थे।
ईमानदार = सदाचारी हमेशा **ईमानदार** होते हैं।

8. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए-

अग्रिम	=	**आगे का**	आदेश	=	**हुक्म**
कंदरा	=	**गुफा**	रिश्वत	=	**घूस**
सदाचार	=	**अच्छा आचरण**	विनती	=	**प्रार्थना**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें

3 मधुर भाषण

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) ii. पंच-महाभूत को (ख) i. मान (ग) ii. सज्जनोचित व्यवहार

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) भाषा के कारण ही मनुष्य अन्य जीवों की अपेक्षा उत्तरोत्तर उन्नति करता चला जा रहा है वह अपनी बुद्धि और भाषा के सहारे ही अधिक सबल बन गया है। उसने पंच-महाभूत को अपने वश में कर लिया है यह सब भाषा द्वारा सहकारिता के बल पर ही हो सका है। भाषा द्वारा हमारे ज्ञान और अनुभव की रक्षा होती है। भाषा के द्वारा ही मनुष्य की सामाजिकता कायम है अतः भाषा का मनुष्य के जीवन में बहुत महत्त्व है।

(ख) एक ही बात को हम कर्णकटु और मधुर दोनों ही रूपों में कह सकते हैं।

(ग) वचनों का माधुर्य हृदय-द्वार खोलने की कुंजी है।

(घ) भाव को प्रभावशाली भाषा में व्यक्त कर देना ही साहित्य है।

(ङ) जो मनुष्य किसी गलतफहमी को दूर कर रूठे हुए मित्र को मना लेता है वही सच्चा साहित्यिक है।

(च) किसी मनुष्य को समाज में सफल बनने के लिए वार्तालाप की शिष्टता की सबसे अधिक आवश्यकता होती है।

(छ) किसी बात या काम के लिए इनकार करते समय शिष्टता पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, इनकार करने में अधिकार और अभिमान की गंध नहीं आनी चाहिए परायेपन का भाव नहीं आने देना चाहिए, इनकार करते समय खेद प्रकट करना शिष्टाचार की माँग है। अतः इनकार करते समय खेद अवश्य ही प्रकट करना चाहिए।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) **भाषा** मनुष्य का विशेष अधिकार है।

(ख) वचनों का माधुर्य **हृदय-द्वार** खोलने की कुंजी है।

(ग) वार्तालाप की **शिष्टता** मनुष्य को **आदर** का पात्र बनाती है।

(घ) शिष्टाचार **वाणी** का भी होता है और **व्यवहार** का भी।

4. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) **वचनों का माधुर्य हृदय-द्वार खोलने की कुंजी है।**

वचनों की मधुरता ही हमारे वचनों को दूसरों के हृदय तक पहुँचाती है कटु वचन को सुनकर भी कोई सुनना पसंद नहीं करता परंतु मधुर वचन किसी के भी हृदय में अपना स्थान बना लेते हैं।

(ख) **भाव को प्रभावशाली भाषा में व्यक्त कर देना ही साहित्य है।**

अपनी भावना को दूसरों को प्रभावित कर देने वाली भाषा में लिखना या व्यक्त करना ही साहित्य है जिसे पढ़कर पाठक लिखने वाले की भावना को समझ लेता है। वही सच्चा साहित्य होता है।

(ग) **वार्तालाप की शिष्टता मनुष्य को आदर का पात्र बनाती है।**

यदि किसी भी मनुष्य के वचनों में शिष्टता और मधुरता होगी तो वह समाज में आदर का पात्र स्वयं ही बन जाता वह दूसरों से अपनी शिष्टता के कारण समाज में आदर, सम्मान प्राप्त करता है।

(घ) **शब्दों का जादू बड़ा जबर्दस्त होता है।**

कहा जाता है कि शब्दों का जादू बड़ा जबर्दस्त होता है यह वाक्य सत्य भी है क्योंकि बातों से ही हम सबके मित्र बन जाते है और बातों से ही हम बड़े से बड़ा शत्रु भी बन जाते हैं। एक ही शब्द यदि कटु वाणी में बोला जाए तो वह अप्रिय बना देता है, और वही शब्द यदि मधुर वाणी में बोला जाए तो सभी का प्रिय बना देता है।

5. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए-

कोयल ..... लेत।।

भाव– प्रस्तुत पंक्तियों में तुलसीदास कहते हैं कि कोयल किसी को कुछ भी नहीं देती है और कौआ भी किसी से कुछ भी नहीं लेता है परंतु कोयल अपनी मीठी वाणी से सभी का अपनी ओर आकर्षित कर लेती है। जबकि कौए की कटु वाणी को कोई भी सुनना पसंद नही करता है।

भाषा बोध

1. **निम्न तालिका को प्रत्ययों तथा उपसर्गों द्वारा पूर्ण कीजिए-**

उदारता	-	**उदार**	**ता**
मलिनता	-	**मलिन**	**ता**
आत्मीय	-	**आत्म**	**ईय**
द्रवित	-	**द्रव**	**इत**
अभिमान		**अभि**	**मान**
सबल	-	**स**	**बल**
मधुरता	-	**मधुर**	**ता**
शिष्टता	-	**शिष्ट**	**ता**

2. **निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तित कीजिए-**

(क) शब्दों में जादू नहीं होता। **(विधानवाचक वाक्य)**
शब्दों में जादू होता है।

(ख) रवि पुस्तक पढ़ता है। **(आज्ञावाचक वाक्य)**
रवि पुस्तक पढ़ो।

(ग) शिष्टता मनुष्य को आदर का पात्र बनाती है। **(प्रश्नवाचक वाक्य)**
क्या शिष्टता मनुष्य को आदर का पात्र बनाती?

3. **निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए–**

सूर्योदय	=	**सूर्य**	+	**उदय**
भाग्योदय	=	**भाग्य**	+	**उदय**
सज्जनोचित	=	**सज्जन**	+	**उचित**
सिंहासन	=	**सिंह**	+	**आसन**
पर्वतारोहण	=	**पर्वत**	+	**आरोहण**
वार्तालाप	=	**वार्ता**	+	**अलाप**

4. **निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–**

उन्नति	=	**अवनति**	भौतिक	=	**अभौतिक**
न्यून	=	**अधिक**	सबल	=	**निर्बल**
बली	=	**निर्बल**	दुरुपयोग	=	**सदुपयोग**
मधुर	=	**कटु**	गुण	=	**अवगुण**
साधारण	=	**असाधारण**	सूखा	=	**गीला**
शिष्टता	=	**दुर्जनता**	मित्र	=	**शत्रु**
मान	=	**अपमान**	विष	=	**अमृत**
सफलता	=	**असफलता**			

5. **निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए–**

कटु	=	कोयल की वाणी मधुर और कौए की **कटु** है।
न्यून	=	80° अंश का कोण **न्यून** कोण है।
चित्त	=	**चित्त** का माधुर्य वाणी में दिखाई देता है।
कुंजी	=	वचनों का माधुर्य हृदय द्वारा खोलने की **कुंजी** है।
मधुर	=	**मधुर** वचन सभी के मन को आकर्षित करते हैं।

एक **वृक्ष** दस पुत्रों के समान होता है।
परिश्रम **सफलता** की कुंजी है।
निरंतर **अभ्यास** ही सफलता का मार्ग दिखाता है।

6. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

उन्नति	=	**विकास**	**प्रगति**
मनुष्य	=	**जन**	**नर**
सबल	=	**बलवान**	**शक्तिशाली**
मित्र	=	**सखा**	**दोस्त**
काम	=	**कर्म**	**कार्य**

7. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए-

वांछनीय	=	**चाहने योग्य**	वार्तालाप	=	**बातचीत**
न्यून	=	**कम**	कुंजी	=	**चाबी**
आत्मीयता	=	**अपनापन**	रूह	=	**आत्मा**
साम्य	=	**समानता**	भौतिक	=	**लौकिक**
शिष्टाचार	=	**अच्छा आचरण**	वैमनस्य	=	**बैर-भाव**

8. निम्नलिखित वाक्यों में से समुच्चयबोधक शब्द छाँटकर लिखिए-

(क) और (ख) किंतु (ग) या (घ) क्योंकि

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें

4 हमारी सभ्यता और संस्कृति

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) ii. सभ्यता (ख) iii. छह (ग) i. व्यक्ति के दोष कम करना

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) असभ्यता की हालत में मानव को घर बनाना नहीं आता था; वह पेड़ की छाया या पहाड़ की खोह में वास करता था; उसे खेती करना भी नहीं आता था और वह कंद-मूल या जंगली जीवों का गोश्त खाकर गुजारा करता था; उसे कपड़ा बुनना भी नहीं आता था; वह या तो नंगा रहता था या पेड़ों की छाल या जानवरों की खाल पहनकर अपनी लाज छिपाता था।

(ख) सभ्यता मनुष्य का वह गुण है जिससे वह अपनी बाहरी तरक्की करता है। संस्कृति मनुष्य का वह गुण है जिससे वह अपनी भीतरी उन्नति करता है।

(ग) आदमी के भीतर काम, क्रोध, लोभ, मद, मोह और मत्सर ईर्ष्या ये छह विकार बताए गए हैं।

(घ) मानव ज्यों-ज्यों आगे बढ़ा त्यों-त्यों वह सभ्य होता गया। जब मानव खेती करके अनाज उपजाने लगा, घर बनाकर रहने और कपड़े बुनकर उन्हें पहनने लगा, तब वह असभ्यता से निकलकर सभ्यता में आने लगा। आज रेलगाड़ी, मोटर और हवाई जहाज, लंबी-चौड़ी सड़कें और बड़े-बड़े मकान, अच्छा भोजन

और अच्छी पोशाक, दिखाई देती हैं यही हमारी सभ्यता की पहचान हैं।

(ङ) संस्कृति वह गुण है जो हममें छिपा हुआ है। संस्कृति का काम मानव के दोषों को कम करना है और उसके गुणों को बढ़ाना हैं संस्कृति बहुत ही सूक्ष्म और महीन है जो हमारी प्रत्येक पसंद और आदत में छिपी हुई है। प्रत्येक सभ्य मानव सुसंस्कृत कहलाता है। संस्कृति धन नहीं गुण है संस्कृति कोई ठाट-बाट नहीं है। वह तो विनय और विनम्रता है। हमारे रहन सहन की कला ही हमारी संस्कृति है।

(च) आदमी के अंदर छिपे विकार प्रकृति ने दिए हैं। ये विकार अगर बेरोक छोड़ दिए जाएँ तो आदमी इतना गिर जाएगा कि उसमें और जानवर में कोई भेद नहीं रह जाएगा। इसलिए आदमी इन विकारों पर रोक लगाता है और कोशिश करता है कि उसमें विकारों को बढ़ना नहीं, घटना चाहिए।

(छ) संस्कृति का स्वभाव है कि वह आदान-प्रदान से बढ़ती है। जब दो देशों या जातियों के लोग आपस में मिलते हैं तब उन दोनों की संस्कृतियाँ एक-दूसरे को प्रभावित करती हैं। एक जाति का धार्मिक रिवाज दूसरी जाति का रिवाज बन जाता है और एक देश की आदत दूसरे देश के लोगों की आदत में समा जाती है।

(ज) भारतीय संस्कृति का जब-जब किसी विदेशी संस्कृति से मिलन हुआ, तब-तब हमारी संस्कृति में एक नई ताजगी आ गई।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) **संस्कृति** और **सभ्यता** ये दोनों दो शब्द हैं और इनके मायने भी अलग-अलग हैं।

(ख) इस हालत को मनुष्य की **असभ्यता** की हालत कहते हैं।

(ग) **संस्कृति** वह गुण है जो हममें छिपा हुआ है।

(घ) संस्कृति का काम आदमी के **दोष** को कम करना है।

(ङ) संस्कृति का स्वभाव है कि वह **आदान-प्रदान** से बढ़ती है।

4. निम्नलिखित वाक्यांशों का उचित मिलान कीजिए-

(क)	इस हालत को मनुष्य की	(i)	विनय और विनम्रता है।
(ख)	अच्छी-से-अच्छी पोशाक पहनने वाला	(ii)	दूसरी जाति का रिवाज बन जाता है।
(ग)	संस्कृति ठाट-बाट नहीं,	(iii)	दोष को कम करना है।
(घ)	संस्कृति का काम आदमी के	(iv)	असभ्यता की हालत कहते हैं।
(ङ)	एक जाति का धार्मिक रिवाज	(v)	आदमी भी तबियत से नंगा हो सकता है।

5. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) संस्कृति का काम आदमी के दोष को कम करना और उसके गुणों को बढ़ाना है।

(ख) आदमी भी एक तरह का जानवर ही है।

(ग) पशुत्व को छोड़कर वह जितना ही आगे बढ़ता है, उसकी संस्कृति भी उतनी ही अच्छी होती जाती है।

6. ऐसे ही पाँच शब्द पाठ में से छाँटकर लिखिए-

खिलाफ तबियत तरक्की गुजारा पोशाक

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

सभ्य	=	**असभ्य**	उन्नति	=	**अवनति**
अच्छा	=	**बुरा**	गुण	=	**दोष**
बाहरी	=	**भीतरी**	धार्मिक	=	**अधार्मिक**
पशुत्व	=	**मानवीय**	नई	=	**पुरानी**
असभ्यता	=	**सभ्यता**	धनी	=	**निर्धन**
आस्तिक	=	**नास्तिक**	देश	=	**विदेश**
पसंद	=	**नापसंद**	प्रेम	=	**घृणा**
आदर	=	**निरादर**			

2. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-

तरक्की	=	**उन्नति**	मनुष्य	=	**मानव**
आवाज	=	**ध्वनि**	चित्र	=	**तस्वीर**
आनंद	=	**प्रसन्नता**	पेड़	=	**वृक्ष**
पहाड़	=	**पर्वत**	घर	=	**भवन**
खेती	=	**कृषि**	जानवर	=	**पशु**
मार्ग	=	**रास्ता**	विकास	=	**प्रगति**
दोष	=	**विकार**	कोशिश	=	**प्रयास**
ज्यादा	=	**अधिक**			

3. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए-

सभ्यता	=	**सभ्यताएँ**	कविता	=	**कविताएँ**
मूर्ति	=	**मूर्तियाँ**	योग्यता	=	**योग्यताएँ**
पहाड़ी	=	**पहाड़ियाँ**	जानवरों	=	**जानवर**
सड़कें	=	**सड़क**	देशों	=	**देश**
छात्राएँ	=	**छात्रा**	कोशिश	=	**कोशिशें**
संस्कृतियाँ	=	**संस्कृति**	दुर्गुणों	=	**दुर्गुण**

4. निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए-

(क) वह, हम (ख) इन (ग) उन्होंने (घ) हमारी

(ङ) यह

5. निम्न उदाहरण के अनुसार वाक्य परिवर्तित कीजिए-

उदाहरण- परिश्रम से काम सफल होता है।

परिश्रम से काम को सफल बनाया जा सकता है।

(क) संस्कृति आदान-प्रदान से बढ़ती है।

संस्कृति से आदान-प्रदान को बढ़ाया जा सकता है।

(ख) व्यायाम से स्वास्थ्य अच्छा होता है।

व्यायाम से स्वास्थ्य को अच्छा बनाया जा सकता है।

(ग) अभ्यास से विद्या बढ़ती है।

अभ्यास से विद्या को बढ़या जा सकता है।

6. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

संस्कृति = भारत की सभ्यता और **संस्कृति** बहुत पूरानी है।

विशाल = भारत **विशाल** देश है।

नवीन = रुढ़ियाँ समाप्त होने पर हमारी संस्कृति **नवीन** हो गई।

सभ्यता = **सभ्यता** मानव का वह गुण है जिससे वह अपनी बाहरी तरक्की करता है।

विकार = प्रकृति के द्वारा दिए गए मानव के छः **विकार** है।

विद्रोह = पुरानी संस्कृति के खिलाफ महात्मा बुद्ध और महावीर ने **विद्रोह** किया।

नींव = आर्यों ने भारतीय संस्कृति की **नींव** रखी।

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें

5 श्रम का पुण्य

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए–

(क) i. श्रम से (ख) i. व्यापार में

(ग) i. मजदूरी

(घ) iii. जिसकी दानी सेठ ने मुसीबत के समय मदद की थी।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) 'दानी सेठ' एक दयालू व्यक्ति थे वे जितना कमाते थे उससे ज्यादा दान कर देते थे।

(ख) दूसरे नगर में जाकर सेठ मजदूरी करने लगे।

(ग) सेठानी ने कहा कि-"इस नगर का सेठ तो आपका परिचित है। उसने आपसे लाखों रुपये कमाए हैं। क्या वह मुसीबत के इन दिनों में हमारी मदद नहीं करेगा? आप उसके पास जाकर तो देखिए?"

(घ) दानी सेठ ने नगर के लोगों से थोड़ा सा धन माँगा क्योंकि वह व्यापार शुरू करना चाहता था।

(ङ) दानी सेठ को मजदूरी में चार मुट्ठी अनाज मिला और उसने वह आनाज एक भिखारी को दे दिया।

(च) सच्चा पुण्य श्रम से मिलता है।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) उन्हें लोग **दानी सेठ** कहने लगे थे।

(ख) धीरे-धीरे सारा **व्यापार** चौपट हो गया।

(ग) **अपना** पुण्य बेचने में **कंजूसी** कर रहे हो।

(घ) एक **भिखारी** आ गया।

(ङ) सच्चा **पुण्य** तो **श्रम** से ही मिलता है।

4. किसने, किससे कहा?

(क) **सेठानी** ने **सेठ** से

(ख) **सेठ** ने **नगर वासियों** से

(ग) **नगर सेठ** ने **दानी सेठ** से

(घ) **नगर सेठ** ने **दानी सेठ** से

(ङ) **नगर सेठ** ने **दानी सेठ** से

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

ज्यादा	=	**कम**	नुकसान	=	**फायदा**
मुश्किल	=	**सरल**	परिचित	=	**अपरिचित**
जीवन	=	**मृत्यु**	बुराई	=	**भलाई**
आदर	=	**निरादर**	दानी	=	**कंजूस**

2. निम्नलिखित वाक्यों का शुद्ध रूप लिखिए-

(क) सेठ को दान देना अच्छा लगता था।

(ख) उसका व्यापार में घटा हो गया था।

(ग) नगर का सेठ बहुत धनी था।

(घ) सेठानी बहुत तेज थी।

(ङ) सेठ मुसीबत में सबकी मदद करता था।

3. निम्नलिखित पंक्ति में उचित विराम चिह्न का प्रयोग कीजिए–

दानी सेठ बोला, अच्छा मित्रों धन्यवाद! "अब तुम लोग भी अपना काम कर लो, हम अपने नगर को चलते हैं।"

4. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए–

प्रतिदिन होने वाला	=	**दैनिक**	जो सब जगह हो	=	**सर्व व्यापक**
जिसमें बल न हो	=	**निर्बल**	भाषण देने वाला	=	**वक्ता**
जो बहुत कीमती हो	=	**बहुमूल्य**	जिसका अंत न हो	=	**अनंत**

5. निम्नलिखित वाक्य को ध्यान से पढ़िए-

सर में नहाते राजा पर किसी ने शर चलाया।

उपर्युक्त वाक्य में 'सर' और 'शर' दो ऐसे शब्द हैं जिनका उच्चारण लगभग समान है, परंतु इनके अर्थ बिलकुल भिन्न हैं सर का अर्थ तालाब, शर का अर्थ बाण है। हिंदी भाषा में इस प्रकार के अनेक शब्दों का प्रयोग होता है।

निम्नलिखित शब्दों का अर्थ वाक्य-प्रयोग द्वारा स्पष्ट कीजिए-

(क) आदी = शंकर घूमने का **आदी** है

आदि = मुझे रामायण, महाभारत **आदि** ग्रन्थ अच्छे लगते हैं।

(ख) अंदर = बंदर छत से कूद कर घर के **अंदर** आ गया।

अंतर = **अंतरा**त्मा में ईश्वर का निवास होता है।

(ग) दिन = **दिन** के बाद रात और रात के बाद दिन अवश्य होता है।

दीन = **दीन**-दुखियों की सहायता हमेशा करनी चाहिए।

(घ) अंत = प्रत्येक कहानी का **अंत** सुखांत होना चाहिए।

अंत्य = कुछ लोग बहुत ही **अंत्य** किस्म के होते हैं।

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं कीजिए।

6 गणितज्ञ-ज्योतिषी आर्यभट

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) i. कुसुमपुर (ख) ii. चंद्रग्रहण (ग) iii. 121

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) पटना शहर को प्राचीनकाल में पाटलिपुत्र के नाम से जाना जाता था।

(ख) गंगा, सोन और गंडक नदियों के संगम की ओर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। क्योंकि उस दिन अपराह्न में सूर्य ग्रहण लगने वाला था।

(ग) प्राचीन काल में यह प्रचारित था कि "जब राहु नाम का राक्षस सूर्य को निगल जाता है, तब ग्रहण लगता है। ग्रहण के समय उपवास रखना चाहिए, खूब दान-पुण्य करना चाहिए। तभी इस राक्षस के चंगुल से सूर्य देवता को मुक्ति मिलती है।"

(घ) तरुण आर्यभट ने सूर्य-चंद्र ग्रहण संबंधी नई व्याख्या प्रस्तुत करते हुए कहा कि-"पृथ्वी की छाया जब चन्द्रमा पर पड़ती है, तो चंद्र ग्रहण होता है। इस प्रकार चन्द्रमा जब पृथ्वी और सूर्य के बीच आता है और वह सूर्य को ढक लेता है, तब सूर्य ग्रहण होता है।

(ङ) आर्यभट दक्षिणापथ में गोदावरी तटक्षेत्र के अश्मक जनपद में पैदा हुए थे। इसलिए बाद में वे आश्मकाचार्य के नाम से भी प्रसिद्ध हुए।

(च) पृथ्वी के चक्कर लगाने का पता हमें क्यों नहीं चलता?

इस प्रश्न का उत्तर आर्यभट ने इस प्रकार दिया-"समझ लो कि नदी में एक नाव है और वह धारा के साथ तेजी से आगे बढ़ रही है। तब उसमें बैठा हुआ आदमी किनारे की स्थिर वस्तुओं को उलटी दिशा में जाता हुआ अनुभव करता है, उसी तरह आकाश के तारों की बात है। पृथ्वी अपनी धुरी पर पश्चिम से पूर्व की ओर घूमती है और इसके साथ हम भी घूमते रहते हैं, इसलिए आकाश में स्थित तारामंडल हमें पूर्व से पश्चिम की ओर जाता जान पड़ता है। वस्तुतः तारामंडल स्थिर है और पृथ्वी अपनी धुरी पर चक्कर लगाती है।"

(छ) महाराष्ट्र के विद्वान डॉ० भाऊ दाजी ने 1864 ई० में मलयालम लिपि में आर्यभटीय की ताड़पत्र पोथियाँ खोजीं और इनका विवरण प्रकाशित किया।

(ज) ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में संसार को प्राचीन भारत की सबसे बड़ी देन है कि-शून्य सहित केवल दस अंक संकेतों से ही संख्याओं को व्यक्त करना। इस दाशमिक स्थानमान अंक-पद्धति की खोज आर्यभट से तीन-चार सदियों पहले हो चुकी थी। आर्यभट इस नई अंक-पद्धति से परिचित थे। उन्होंने अपने ग्रंथ के आरंभ में वृंद (1,00,00,00,000) अर्थात् अरब तक की दशगुणोत्तर संख्या-संज्ञाएँ देकर दिखाया है कि इनमें प्रत्येक स्थान अपने पिछले स्थान से दस गुणा है।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) पाटलिपुत्र को कई लोग **कुसुमपुर** कहते थे।

(ख) वस्तुतः वह एक **वेधशाली** थी।

(ग) पृथ्वी की छाया जब **चन्द्र** पर पड़ती है तो **चन्द्रग्रहण** होता है।

(घ) आर्यभटीय में कुल **121** श्लोक हैं।

(ङ) आर्यभट, प्राचीन भारतीय विज्ञान का सबसे **चमकीला सितारा** था।

4. दिए गए वाक्यांशो का उचित मिलान करके वाक्य पूर्ण कीजिए-

(क) उस नगर में	i. वेधशाला थी।
(ख) वहाँ कुछ दूसरे	ii. 121 श्लोक हैं।
(ग) वस्तुतः वहाँ	iii. नाम आर्यभट ही था।
(घ) मगर उसका सही	iv. बहुत-से बाग-बगीचे थे।
(ङ) गणित एवं ज्योतिष के	v. प्रकार की चहल-पहल थी।
(च) आर्यभटीय में कुल	vi. अध्ययन में उनकी गहरी रुचि थी।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए–

भारतीय	=	**भारत + ईय**	विश्वविद्यालयीय	=	**विश्वविद्यालय + ईय**
रमणीय	=	**रमण + ईय**	राष्ट्रीय	=	**राष्ट्र + ईय**
कथनीय	=	**कथन + ईय**	रविवारीय	=	**रविवार + ईय**

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

पहला	=	**अंतिम**	नगर	=	**गाँव**
फूल	=	**काँटे**	सवेरे	=	**शाम**
दिन	=	**रात**	धरती	=	**आकाश**
सही	=	**गलत**	दूर	=	**पास**
ज्यादा	=	**कम**	देवता	=	**राक्षस**
धनी	=	**निर्धन**	अंधकार	=	**प्रकाश**

3. कोष्ठक में लिखे पद-भेदों में से सही पद-रूप लिखकर निम्नलिखित वाक्यों को पूरा कीजिए-

(क) क्या **तुम** तैर सकते हो? (सर्वनाम)

(ख) पृथ्वी अपनी धुरी पर **घूमती** है। (क्रिया)
(ग) उसने बड़ी **वीरता** से काम किया। (संज्ञा)
(घ) गाड़ी **तीव्रता से** आगे बढ़ रही है। (विशेषण)
(ङ) **लंबे-चौड़े** आँगन में ताँबे और पीतल के यंत्र रखे हुए थे। (विशेषण)

4. निम्नलिखित जातिवाचक शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाइए-

पिता	=	**पितृत्व**	स्वस्थ	=	**स्वास्थ्य**
मित्र	=	**मैत्री/मित्रता**	पंडित	=	**पंडित्य**
मनुष्य	=	**मनुष्यता**	पात्र	=	**पात्रता**

5. निम्नलिखित वाक्यों को उचित कारक चिह्नों की सहायता से पूरा कीजिए–

(क) देशवासियों **ने** आर्यभट को लगभग भुला ही दिया था।
(ख) आर्यभटीय **में** कुल 121 श्लोक हैं।
(ग) आर्यभट पौराणिक मान्यताओं **को** आँख मूँदकर मानने वाले नहीं थे।
(घ) आर्यभट अश्मक जनपद **में** पैदा हुए थे।
(ङ) विद्यार्थी विशेष अध्ययन **के लिए** नालंदा आते थे।
(च) उन्होंने अपनी कलम **से** इस ग्रंथ की रचना की।

6. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए-

बाग	=	**उपवन**	**बगीचा**	**वाटिका**
फूल	=	**पुष्प**	**सुमन**	**कुसुम**
सूर्य	=	**रवि**	**भानु**	**भास्कर**
धरती	=	**भू**	**भूमि**	**धरा**
नदी	=	**सरिता**	**सरि**	**तरंगिणि**
नाव	=	**नौका**	**तरणी**	**उड़प**
आकाश	=	**अम्बर**	**व्योम**	**नभ**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

7 सूर्य-ग्रहण

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) ii. सूर्य-ग्रहण की (ख) i. सारे ग्रह
(ग) ii. चंद्रदेव (घ) ii. अपने
(ङ) i. सूर्य-ग्रहण

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

उत्तर- (क) जब चंद्रमा पृथ्वी और सूर्य के बीच में आकर सूर्य को ढक लेता है और चाँद की छाया सूर्य पर पड़ती है तब सूर्य ग्रहण होता है।
(ख) गुरु जी बच्चों को सूर्य के सभी ग्रहों का ठौर-ठिकाना ढूँढ़ने के लिए बोलते हैं।
(ग) सारे ग्रह आकाश में रहते हैं और सूरज के चक्कर लगाते हैं।

(घ) धरा सूरज के चक्कर लगाने के नियम से बंधी है और चंद्रदेव भी धरती माँ के साथ लगातार घेरे करते हैं।

(ङ) सूर्य-ग्रहण को जानना कठिन नहीं है।

3. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए-

(क) कवि के अनुसार अध्यापक बच्चों को समझाते हुए कहता है कि ऊपर नीले आकाश में देखो सारे ग्रह लगातार रात-दिन हमेशा बिना रुके दौड़-दौड़ कर सूरज के चक्कर लगाते रहते हैं।

(ख) अध्यापक बच्चों को समझाते हुए आगे कहता है कि पृथ्वी भी सूर्य का चक्कर निरंतर लगाते रहने के नियम से बँधी हुई है और चन्द्रमा पृथ्वी का उपग्रह है। जो पृथ्वी का चक्कर लगाता है। इसी कारण पृथ्वी चन्द्रमा को अपने साथ लेकर सूर्य के चक्कर लगाती है।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए-

सूर्य	=	**रवि**	**भास्कर**	धरती	=	**पृथ्वी**	**भूमि**
गगन	=	**नभ**	**अंबर**	माँ	=	**जननी**	**माता**
दिन	=	**दिवस**	**वार**	चंदा	=	**इन्दु**	**भूषण**

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

कठिन	=	**सरल**	दिन	=	**रात**
आज	=	**कल**	गुरु	=	**शिष्य**
गगन	=	**धरा**	ऊपर	=	**नीचे**
छाया	=	**धूप**	जरा	=	**बहुत**

3. निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए-

ग्रहण	=	**छुपाव**	गगन	=	**आसमान**
अविरल	=	**लगातार**	धरा	=	**पृथ्वी**
ठौर है	=	**क्षेत्र है**	उपग्रह	=	**छोटा गृह**
चक्कर	=	**घेरा**	ढूँढ़ना	=	**खोजना**

4. विशेषण के नीचे रेखा खींचकर नया वाक्य बनाइए-

(क) वह एक <u>बड़ा</u> ग्रह है। **यह एक बड़ा जहाज है।**

(ख) एक <u>पुराना</u> ग्रह भी था। **वह पुराना मंदिर भी था।**

(ग) यह ग्रह <u>ठंडा</u> है। **यह पानी ठंडा है।**

(घ) यह <u>नकली</u> ग्रह है। **वह नकली पेड़ है।**

5. निम्नलिखित को उदाहरण के अनुसार लिखिए-

उत्तर- (क) धरती के वासी (ख) गंगा का जल (ग) ग्रह के वासी

(घ) गगन के वासी (ङ) पृथ्वी के वासी (च) ईश्वर के भक्त

6. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

(क) ठिकाना = साधुओं का कोई **ठिकाना** नहीं होता है।

(ख) गगन = पक्षी **गगन** में उड़ रहे हैं।

(ग) चंद्रदेव = प्रत्येक 27 दिन के पश्चात् **चंद्रदेव** अदृश्य हो जाते हैं।

(घ) ग्रहण = **ग्रहण** दो प्रकार के होते हैं।

(ङ) कठिन = मेहनत से **कठिन** कार्य भी सरल हो जाते हैं।

7. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध करके लिखिए-

सुर्य	=	**सूर्य**	गुरूवर	=	**गुरुवर**
अवीरल	=	**अविरल**	मां	=	**माँ**
ढूँढ़ना	=	**ढूँढ़ना**	चँदा	=	**चंदा**
ठोर	=	**ठौर**	उपग्रह	=	**उपग्रह**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

8 एक रुपये की अकल

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) iii. अकल की (ख) ii. अमीर महाजन का बेटा

(ग) i. कंजूस व्यक्ति (घ) iii. दो

(ङ) i. दस हजार रुपये (च) i. छोटी रानी को

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर दीजिए-

उत्तर- (क) रौनक को विश्वास था कि एक दिन उसकी दुकान जरूर चलेगी।

(ख) गंपू ने रौनक को एक रुपया दिया और बदलें में रौनक ने एक कागज पर लिखकर दिया-"जहाँ दो आदमी लड़-झगड़ रहे हों, वहाँ खड़े रहना बेवकूफी है।"

(ग) गंपू का पिता कंजूस था, कागज पढ़कर वह गुस्से में गंपू को कोसता हुआ अक्ल की दुकान पर पहुँचा और कागज की पर्ची रौनक के सामने फेंकते हुए चिल्लाया-"वह रुपया लौटा दो, जो मेरे बेटे ने तुम्हें दिया था।"

(घ) रौनक ने पैसे लौटाते समय यह शर्त रखी कि वह कागज पर लिखी हुई सलाह नहीं मानेगा।

(ङ) राजा अपनी रानियों के साथ जौहरी बाजार से गुजरा और दोनों रानियों को हीरों का एक हार पसंद आ गया। दोनों ने सोचा-'महल पहुँचकर अपनी दासी को भेजकर हार मँगवा लेंगी। संयोग से दोनों दासियाँ एक ही समय पर हार लेने पहुँचीं।" बड़ी रानी की दासी बोली-"मैं बड़ी रानी की सेवा करती हूँ इसलिए हार मैं लेकर जाऊँगी।" दूसरी बोली-"पर राजा तो छोटी रानी को ज्यादा मान देते हैं, इसलिए हार पर मेरा हक है।" इस प्रकार से दोनों झगड़ने लगीं।

(च) जौहरी की दुकान के पास गूंप खड़ा हुआ था और उसने दासियों को लड़ते हुए देखा।

(छ) गवाही के अभाव में राजा ने आदेश दिया-"दोनों रानी अपनी दासियों को

सजा दें, क्योंकि यह पता लगाना बहुत ही मुश्किल है कि झगड़ा किसने शुरू किया।''

(ज) छोटी रानी गंपू से नाराज थी। इस बार रौनक ने उससे दस हजार लेकर उसे अकल दी कि ''तुम वह हार खरीदकर छोटी रानी को उपहार में दे दो।''

(झ) अंत में गंपू को हार खरीदकर भेंट करना पड़ा। रौनक की अकल की दुकान चल निकली तथा कंजूस महाजन सिर पीटकर रह गया।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) उसका घर बीच **बाजार** में था।

(ख) **एक** की अकल से तुम **एक लाख** रुपया बचा सकते हो।

(ग) उस नगर के राजा की दो **रानियाँ** थीं।

(घ) **महाजन** सिर पीटकर रह गया।

4. किसने, किससे कहा?

उत्तर- (क) **गंपू** ने, **रौनक** से (ख) **रौनक** ने **गंपू** से

(ग) **महाजन** ने, **रौनक** से (घ) **बड़ी रानी की दासी** ने **दूसरी दासी** से

(ङ) **छोटी रानी की दासी** ने **दूसरी दासी से**

(च) **राजा** ने, **दरबारियों** से

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-

घर	=	**गृह**	पिता	=	**जनक**
बेटा	=	**पुत्र**	रुपया	=	**धन**
राजा	=	**नरेश**	मदद	=	**सहायता**
बेवकूफी	=	**मूर्खता**	भेंट	=	**उपहार**

2. प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाइए-

रिक्शा	+ वाला	–	**रिक्शावाला**	पागल	+ पन	–	**पागलपन**
दुकान	+ दार	–	**दुकानदार**	महा	+ जन	–	**महाजन**
नमक	+ ईन	–	**नमकीन**	कला	+ कार	–	**कलाकार**

3. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए–

अक्षरों	=	**अक्षर**	गाड़ी	=	**गाड़ियाँ**
पैसा	=	**पैसे**	रुपया	=	**रुपये**
आदमी	=	**आदमियों**	कागज	=	**कागजों**
ठेला	=	**ठेले**	रानियाँ	=	**रानी**
खबर	=	**खबरें**	पर्ची	=	**पर्चियाँ**
दासियाँ	=	**दासी**	रास्ता	=	**रास्ते**

4. निम्नलिखित के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

अमीर	**धनी**	**धनवान**	राजा	**नृप**	**नरेश**
आदमी	**नर**	**मानव**	कीमत	**दाम**	**मूल्य**
गुस्सा	**क्रोध**	**शेष**	दिन	**दिवस**	**वार**

5. दिए गए वाक्यों में रेखांकित सर्वनाम शब्द के भेद का नाम लिखिए-

(क) रौनक ने दुकान क्यों खोली? **प्रश्नवाचक**

(ख) वह रोज ही साथ खाने की जिद करता था। **पुरुषवाचक**

(ग) मैं राजा के साथ महल देखने चल पड़ा। **पुरुषवाचक**

(घ) गंपू को अपने साथ ले जाओ। **निजवाचक**

(ङ) शेर ने इसे पकड़ लिया। **निश्चयवाचक**

6. नीचे लिखे वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए-

(क) उसकी अकल का मुकाबली कोई नहीं कर सकती।
उसकी अकल का मुकाबला कोई नहीं कर सकता।

(ख) दुकान देखकर उससे रही नहीं गई।
दुकान देखकर उससे रहा नहीं गया।

(ग) गंपू घर गई और उसने अपनी पिता को कागज दिखाया।
गंपू घर गया और उसने अपने पिता को कागज दिखाया।

(घ) उस नगरी के राजा की दो रानियाँ था।
उस नगर के राजा की दो रानियाँ थीं।

(ङ) गंपू ने रानी को एक हार दी।
गंपू ने रानी को एक हार दिया।

7. निम्नलिखित शब्दों के सामने पुल्लिंग या स्त्रीलिंग लिखिए-

राजा	**पुल्लिंग**	दासी	**स्त्रीलिंग**
बेटा	**पुल्लिंग**	आदमी	**पुल्लिंग**
दुकान	**स्त्रीलिंग**	घर	**पुल्लिंग**
सलाह	**स्त्रीलिंग**	कागज	**पुल्लिंग**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें

9 खुशियों का खजाना

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) iii. चिंताएँ (ख) i. खुशखुशजी (ग) iii. संतुष्ट रहना

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) खुनखुनजी चिन्ताओं से परेशान तथा खुशखुशजी हमेशा अपने नाम की तरह खुश रहते थे।

(ख) चोट लगने पर भी खुशखुशजी दुखी नहीं हुए क्योंकि वे चोट लगने की हानि नहीं उससे मिलने वाले लाभ गिनवा रहे थे।

(ग) खुशी पाने के लिए सबसे जरूरी है सकारात्मक दृष्टिकोण को अपनाना। सकारात्मक दृष्टिकोण का अर्थ है-हर दुख, कष्ट, परेशानी में भी कोई अच्छाई ढूँढ़ सकने की क्षमता।

(घ) खुशियाँ दूसरों के साथ बाँटना, खुशी पाने का चौथा सोपान है। जैसे ज्ञान देने से कभी नहीं घटता, वैसे ही खुशियाँ बाँटने से कभी कम नहीं होतीं।

(ङ) आत्म-निरीक्षण करना खुशी पाने का सातवाँ सोपान है। स्वयं से बातें करके हम न केवल अपना विश्लेषण कर सकते हैं बल्कि उन बातों को दोहरा भी सकते हैं जिनसे हमने खुशी पाई थी। ऐसे क्षणों में हम दिवा-स्वप्न भी देख सकते हैं। सपनों को पालने के सुख का अलग आनंद है और जब हम सपने देखेंगे तभी तो उन्हें पूरा करने की कोशिश भी करेंगे।

(च) यह पाठ हमें संदेश देता है कि हम भी परोपकार की नीति अपना कर दूसरों को खुशियाँ बाँटे और सबकी खुशियों से खुश होकर अपने जीवन को भी खुशियों से भर लें।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) खुनखुनजी को हमेशा **चिन्ताएँ** परेशान करती हैं।

(ख) **संतुष्ट रहना**, खुशी पाने का दूसरा सोपान है।

(ग) **खुशियाँ** दूसरों के साथ बाँटना, खुशी पाने का **चौथा** सोपान है।

(घ) हममें से हर व्यक्ति के भीतर एक **रचनाकार** है।

4. निम्नलिखित समानार्थक शब्दों का उचित मिलान कीजिए-

(क)	समस्या	(i)	देह
(ख)	खुश	(ii)	तीव्र
(ग)	तेज	(iii)	परेशानी
(घ)	शरीर	(iv)	खिलाफ
(ङ)	लालच	(v)	प्रसन्न
(च)	विरुद्ध	(vi)	लोभ

5. निम्नलिखित प्रश्नों का एक शब्द में उत्तर लिखिए-

(क) खुनखुन जी (ख) बच्चे को (ग) सकारात्मक दृष्टिकोण

(घ) रचनाकार (ङ) चौथा सोपान

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

विकसित	=	**अविकसित**	खुशी	=	**उदासी**
सकारात्मक	=	**नकारात्मक**	जिंदगी	=	**मृत्यु**
निराशा	=	**आशा**	संतुष्ट	=	**असंतुष्ट**
परिचित	=	**अपरिचित**	भीतर	=	**बाहर**

2. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन लिखिए-

बच्चा	=	**बच्चे**	चिंता	=	**चिंताएँ**
सड़क	=	**सड़कें**	माता	=	**पिता**
खजाना	=	**खजानें**	खुशी	=	**खुशियाँ**
छलाँग	=	**छलाँगें**			

3. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए-

दास्तान	=	**कहानी**	क्षमता	=	**सामर्थ्य**

लोकप्रिय	=	**सभी का प्रिय**	राह	=	**रास्ता**
स्वयं	=	**अपने आप/खुद**	गौरव	=	**यश**
सोपान	=	**सीढ़ी**	सहानुभूति	=	**दया भाव**

4. निम्नलिखित शब्दों में से सही शब्द पर गोला (◯) बनाइए-

(उज्जवल)	उज्ज्वल	उज्वल
(आशीर्वाद)	आर्शिवाद	आर्शीवाद
कृपिया	(कृपया)	कृप्या
सन्यासी	संयासी	(संन्यासी)
कवित्रि	(कवयित्री)	कवयीत्रि
(नमस्कार)	नमश्कार	नमसकार

5. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए-

(क) परमार्थी (ख) सुखांत (ग) आत्मविश्वास (घ) मृदुभाषी
(ङ) प्राकृतिक (च) खुशहाल (छ) सहपाठी

6. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

मानसिक = खुशखुश जी **मानसिक** चिंता और शारीरिक कष्ट होने पर भी खुश रहते थे।

दास्तान = दादा जी ने सभी बच्चों को अपनी बहादुरी की **दास्तान** सुनाई।

दृष्टिकोण = सकारात्मक **दृष्टिकोण** खुशियों को स्वयं बटोर लेता है।

प्रवृत्ति = जिसमें देश प्रेम नहीं होता वह पशु **प्रवृत्ति** का होता है।

दिनचर्या = अपनी **दिनचर्या** में से हमें कुछ समय भलाई के कार्यों में अवश्य लगाना चाहिए।

7. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए और समझिए-

(क) प्रज्ञा सो रही है।	**अकर्मक**
(ख) वैभव ने पुरस्कार जीता।	**सकर्मक**
(ग) पानी पीओ।	**सकर्मक**
(घ) कल मैंने सिनेमा देखा।	**सकर्मक**
(ङ) मेरे साथ तुम भी चलो।	**अकर्मक**

8. निम्नलिखित वाक्यों को उचित कारक-चिह्नों द्वारा पूर्ण कीजिए-

(क) कभी मौसम **में** तो कभी पुरवाई **में**।
(ख) खुशखुशजी **ने** छलाँग लगाई और बच्चे **को** बचा लिया।
(ग) खुशी पाने **के लिए** सबसे जरूरी है सकारात्मक दृष्टिकोण।
(घ) क्षमता बढ़ाना खुशियों **को** पाने **का** तीसरा सोपान है।
(ङ) सपनों **को** पालने **के** सुख **का** अलग आनंद है।

9. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी सही करके लिखिए-

पड़ोशी	=	**पड़ोसी**	रफतार	=	**रफ्तार**
संतोश	=	संतोष	सौपान	=	सोपान
द्रष्टिकोण	=	दृष्टिकोण	विशेशता	=	विशेषता

10 पेड़ की बात

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) ii. वसंत (ख) ii. दो (ग) iii. तना

(घ) iii. सूक्ष्म पदार्थ (ङ) iii. पत्ती

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) पेड़-पौधों में दो भाग जड़ व तना मिलते हैं।

(ख) गाछ-बिरछ की संतान बीज है।

(ग) हम जिस तरह भोजन करते हैं, गाछ-बिरछ भी उसी तरह भोजन करते हैं। गाछ-बिरछ के दाँत नहीं होते, इसलिए वे केवल तरल द्रव्य या वायु से भोजन ग्रहण करते हैं। गाछ-बिरछ जड़ के द्वारा माटी से रसपान करते हैं। माटी में पानी डालने पर उसके भीतर बहुत से द्रव्य गल जाते हैं। गाछ-बिरछ वे ही तमाम द्रव्य सोखते हैं। जड़ों को पानी न मिलने पर पेड़ का भोजन बंद हो जाता है, पेड़ मर जाता है।

(घ) गाछ के पत्ते हवा से आहार ग्रहण करते हैं। पत्तों में अनगिनत छोटे-छोटे मुँह होते हैं। खुर्दबीन के जरिए अनगिनत मुँह पर अनगिनत होंठ देखे जा सकते हैं। जब आहार करने की जरूरत न हो तब दोनों होंठ बंद हो जाते हैं।

(ङ) सूर्य किरण का परस पाकर ही पेड़ पल्लवित होता है। गाछ-बिरछ के रेशे-रेशे में सूरज की किरणें आबद्ध है। ईंधन को जलाने पर जो प्रकाश व ताप बाहर प्रकट होता है, वह सूर्य की ही ऊर्जा है।

(च) जब हम श्वांस लेते हैं और उसे बाहर निकालते हैं तो एक प्रकार की विषाक्त वायु बाहर निकलती है, उसे 'अंगारक वायु' कहते हैं। अगर यह जहरीली हवा पृथ्वी पर इकट्ठी होती रहे तो तमाम जीव-जंतु कुछ ही दिनों में उसका सेवन करके नष्ट हो सकते हैं लेकिन गाछ-बिरछ उसी का सेवन करके उसे पूर्णतया शुद्ध कर देते हैं।

(ज) मधुमक्खी के आगमन से बिरछ का भी उपकार होता है। फूल में परागकण होते हैं। मधुमक्खियाँ एक फूल के पराग-कण दूसरे फूल पर ले जाती हैं। पराग-कण के बिना बीज पक नहीं सकता।

(झ) जब पेड़ अपनी आयु पूरी कर सूख कर शक्ति हीन हो जाता है वह अपने शरीर के भार को उठाने में असमर्थ हो जाता है हवा के वेग को सहन करने में उसकी शक्ति क्षीण हो जाती है तब वह जड़ सहित जमीन पर गिर पड़ता है।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) अंकुर का एक अंश नीचे माटी में **मजबूती** से गड़ गया और दूसरा अंश माटी भेदकर ऊपर की ओर बढ़ा।

(ख) गाछ-बिरछ जड़ के द्वारा माटी से **रसपान** करते हैं।

(ग) खुर्दबीन से अत्यंत **सूक्ष्म** पदार्थ स्पष्टतया देखे जा सकते हैं।

(घ) गाछ-बिरछ की सर्वाधिक कोशिश यही रहती है कि किसी तरह उन्हें थोड़ा-सा **प्रकाश** मिल जाए।

(ङ) फूलों से **आच्छदित** होने पर पेड़ कितना सुंदर दिखलाई पड़ता है।

4. निम्नलिखित कथनों के सामने सत्य अथवा असत्य लिखिए-

(क) असत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) सत्य (ङ) सत्य

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

पेड़	**वृक्ष**	**तरु**	फूल	**पुष्प**	**सुमन**
रोशनी	**प्रकाश**	**उजाला**	हवा	**पवन**	**समीर**
सूर्य	**रवि**	**भानु**	अंधकार	**तम**	**तिमिर**

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

समाप्त	**प्रारम्भ**	ऊपर	**नीचे**
प्रकाश	**अंधकार**	बाद	**पहले**
खिलना	**मुरझाना**	भीतर	**बाहर**

3. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए-

पेड़	**पेड़ों**	हवा	**हवाएँ**
सर्दी	**सर्दियाँ**	किरण	**किरणें**
चमत्कार	**चमत्कारों**	मधुमक्खी	**मधुमक्खियाँ**

4. निम्नलिखित में 'प्र' उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए-

वेश	**प्रवेश**	काश	**प्रकाश**
ण	**प्रण**	कट	**प्रकट**
फुल्लित	**प्रफुल्लित**	कार	**प्रकार**

5. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण एवं विशेष्य छाँटकर उनके सामने लिखिए-

	विशेषण	**विशेष्य**
(क) पत्तों में छोटे-छोटे मुँह होते हैं।	**छोटे-छोटे**	**मुँह**
(ख) हमारे दाँत कठोर चीज खा सकते हैं।	**कठोर**	**चीज**
(ग) सब पेड़ मरने से पहले संतान छोड़ जाते हैं।	**मरने से**	**पहले संतान**
(घ) वृक्ष मधुर वाणी में पुकारते हैं।	**मधुर**	**वाणी**
(ङ) मटमैली माटी से आहार ग्रहण करते हैं।	**मटमैली**	**माटी**
(च) पेड़ की सभी डालियाँ टूट पड़ती हैं।	**सभी**	**डालियाँ**

6. निम्नलिखित वाक्यों को दिए गए उदाहरण के अनुसार कर्मवाच्य-वाक्यों में बदलिए-

उत्तर- (क) पेड़-पौधों द्वारा भी साँस ली जाती है।

(ख) हमारे द्वारा अपने परिजनों को निमंत्रित किया जाता है।
(ग) पौधों द्वारा अपने फूलों में शहद का संचय किया जाता है।
(घ) मधुमक्खियों व तितलियों द्वारा मधुपान किया जाता है।

7. शब्दों को सही क्रम में रखकर पुनः लिखिए-

उत्तर- (क) वसंत के सर्दियों आया बाद।
सर्दियों के बाद बसंत आया।
(ख) गाछ के पत्ते इसके हवा अलावा से आहार ग्रहण करते हैं।
इसके अलावा गाछ के पत्ते हवा से आहार ग्रहण करते हैं।
(ग) परस का सूर्य-किरण पल्लवित होता है पाकर ही पेड़।
पेड़ सूर्य-किरण का परस पाकर ही पल्लवित होता है।
(घ) मणि है वह ममता ही की माँ ख्याल से मेरे।
मेरे ख्याल से माँ की ममता ही वह मणि है।
(ङ) करके हैं रखते शहद का संचय गाछ अपने फूलों में।
गाछ अपने फूलों में शहद का संचय करके रखते हैं।

8. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तर- (क) **सुकोमल** = छोटे बच्चे **सुकोमल** होते हैं।
(ख) **परीक्षण** = वैज्ञानिक प्रत्येक पदार्थ का **परीक्षण** करते रहते हैं।
(ग) **द्रव्य** = माटी में पानी डालने पर उसके भीतर बहुत-से **द्रव्य** गल जाते हैं।
(घ) **पूर्णतया** = पेड़-पौधों से वातावरण **पूर्णतया** शुद्ध रहता है।
(ङ) **अग्रसर** = बेल तथा लताएँ निरंतर ऊपर की ओर **अग्रसर** रहती हैं।

9. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-

वर्षा	=	**बारिश**	शिशु	=	**बच्चा**
सूरज	=	**सूर्य**	रोशनी	=	**उजाला**
आहिस्ता	=	**धीरे**	नन्हा	=	**छोटा**
कोमल	=	**मुलायम**	अंश	=	**हिस्सा**
पेड़	=	**वृक्ष**	दुनिया	=	**संसार**
पानी	=	**जल**	वायु	=	**पवन**
आहार	=	**भोजन**	मुँह	=	**मुख**
पृथ्वी	=	**धरा**			

10. निम्नलिखित शब्दों के सामने स्त्रीलिंग या पुल्लिंग लिखिए-

वृक्ष	=	**पुल्लिग**	पत्ती	=	**स्त्रीलिंग**
डाली	=	**स्त्रीलिंग**	जड़	=	**स्त्रीलिंग**
तना	=	**पुल्लिग**	फल	=	**पुल्लिग**
फूल	=	**पुल्लिग**	करुणा	=	**स्त्रीलिंग**
विधाता	=	**पुल्लिग**	खिड़की	=	**स्त्रीलिंग**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें

11 पश्चाताप

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए–

(क) iii. कस्बे के (ख) ii. जवान

(ग) ii. क्योंकि लड़ाई छिड़ चुकी थी। (घ) i. अपने पिता के

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

(क) बचपन में जगतसिंह को स्कूल जाना कुनैन खाने या मछली का तेल पीने से कम अप्रिय न था। वह सैलानी, आवारा, घुमक्कड़ युवक था। कभी अमरूद के बागों की ओर निकल जाता और अमरूदों के साथ माली की गालियाँ बड़े शौक से खाता। कभी दरिया की सैर करता और मल्लाहों की डोंगियों में बैठकर उस पार के देहातों में निकल जाता। गालियाँ खाने में उसे मजा आता था। सवार घोड़े के पीछे ताली बजाना, इक्के को पीछे से पकड़कर अपनी ओर खींचना, बुड्ढों की चाल की नकल करना, ये उसके मनोरंजन के विषय थे।

(ख) जगतसिंह का स्वभाव चंचल था उसकी शरारतों से घर के सभी लोग परेशान थे। वह अपने शौक पूरे करने के लिए दिन-रात रुपये चुराने की ताक-झाँक में रहता था परंतु व हिम्मत का भी धनी था।

(ग) जगतसिंह द्वारा बीमा रजिष्ट्री के रुपये चुराए जाने पर भगतसिंह पर गमन का मुकदमा चलाया गया और उन्हें 7 (सात) वर्ष की सजा में जेल में काटनी पड़ी।

(घ) कप्तान ने देखा युवक हाजिर-जवाब है। मनचला, हिम्मत का धनी जवान है, इसलिए उसे तुरंत फौज में भरती कर लिया।

(ङ) कैप्टन जगतसिंह-सा योद्धा उस रेजिमेंट में नहीं था। कठिन अवस्थाओं में उसका साहस और भी बढ़ जाता था। जिस मुहिम में सबकी हिम्मत जवाब दे जाती थी, उसे करना उसी का काम होता था। हमले में वह सदैव आगे रहता था। वह इतना विनम्र, इतना गंभीर, इतना प्रसन्नचित्त था कि सारे अफसर और मातहत उसकी बड़ाई करते थे। उस पर अफसरों का इतना विश्वास था कि वे प्रत्येक विषय में उससे परामर्श करते थे।

(च) इस कहानी का शीर्षक 'पश्चाताप' सत्य है क्योंकि कहानी के अंत तक कहानी का नायक अपने द्वारा किए गए दुष्कर्मों के परिणाम पर परिवार जनों से क्षमा याचना करना चाहता है और पश्चाताप की अग्नि में जलता रहता है।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) जगतसिंह सैलानी, **आवारा, घुमक्कड़** युवक था।

(ख) जगतसिंह की **शरारतों** से घर के सभी लोग तंग आ गए थे।

(ग) कैप्टन जगतसिंह-सा **योद्धा** उस रेजीमेंट में नहीं है।

(घ) **नैनी** जेल के द्वार पर भीड़ लगी हुई है।

(ङ) जगतसिंह रोता हुआ **पिता** के पैरों पर गिर पड़ा।

4. सही मिलान कीजिए-

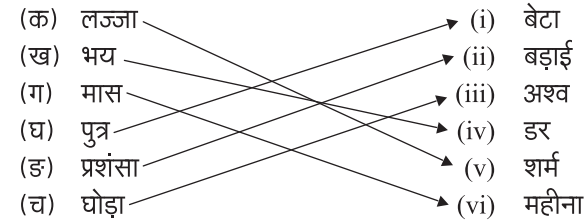

5. निम्नलिखित पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए-

''उसकी दशा उस शिकारी की-सी हो गई, जो चिड़ियों का शिकार करने जाए और अनजाने में किसी आदमी पर निशाना लगा दे।''

भाव– जब जगतसिंह ने बीमा रजिष्ट्री के रुपये चुराए तब उसकी स्थिति ऐसी हो रही थी कि मानो किसी शिकारी ने पक्षी के स्थान पर किसी मानव को अपना निशाना बना लिया हो और अब उसे उसके किए की भयंकर सजा मिलेगी।

6. निम्नलिखित वाक्यों के सामने 'सत्य' या 'असत्य' लिखिए-

(क) असत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) असत्य
(ङ) सत्य (च) सत्य

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

कम	=	**अधिक**	अप्रिय	=	**प्रिय**
युवक	=	**वृद्ध**	गाँव	=	**शहर**
धूप	=	**छाया**	उलटा	=	**सीधा**
हानि	=	**लाभ**	कुछ	=	**बहुत**
बंद	=	**खुला**	रात	=	**दिन**
बेचना	=	**खरीदना**	दंड	=	**क्षमा**
शाम	=	**सुबह**	नायक	=	**खलनायक**
बड़ी	=	**छोटी**	मेहनत	=	**आराम**
जमीन	=	**आसमान**	जीवन	=	**मृत्यु**

2. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

भूमि	=	**जमीन**	ठंडी	=	**शीतल**
नजर	=	**दृष्टि**	आज	=	**अद्य**
तट	=	**किनारा**	क्रोध	=	**गुस्सा**
पिता	=	**जनक**	मुग्ध	=	**आकर्षित**
पुरानी	=	**प्राचीन**	पत्र	=	**चिट्ठी**
लज्जा	=	**शर्म**	हृदय	=	**चित्त**
तंग	=	**परेशान**	पुत्र	=	**बेटा**
जल	=	**पानी**	ईश्वर	=	**भगवान**
प्रतिमा	=	**मूर्ति**	मस्तक	=	**माथा**

3. **निम्न शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

प्रतीक्षा = जगतसिंह को पत्र आने की **प्रतीक्षा** थी।

वृक्ष = आम के **वृक्ष** पर कोयल का बसेरा था।

चपरासी = दफ्तर का **चपरासी** पत्र लेकर आया।

छुट्टी = भगतसिंह को जेल से **छुट्टी** मिल रही थी।

आशीर्वाद = सफलता के लिए परिश्रम के साथ-साथ बड़ों का **आशीर्वाद** भी आवश्यक है।

सहसा = नितिन को रास्ते में **सहसा** गणित अध्यापक मिल गए।

4. **निम्नलिखित मुहावरों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

(क) तुम इस पद के योग्य तो न थे। वह तो **बिल्ली के भागों छींका टूट ही गया।**

(ख) घर की याद आने पर वह **ठंडी साँस लेने लगा।**

(ग) चूहे पकड़ने के लिए बिल्ली काफी देर तक **ताक-झाँक करती रही।**

(घ) बड़े खुश हो, लगता है कोई **बड़ी मुहिम सर कर आए हो।**

5. **निम्नलिखित शब्दों की शुद्ध वर्तनी लिखिए-**

शुरु	=	**शुरू**	अनुरुप	=	**अनुरूप**
रुप	=	**रूप**	रूपया	=	**रुपया**
रुठना	=	**रूठना**	रूचि	=	**रूचि**
रुसी	=	**रूसी**	गुरू	=	**गुरु**
शूरूआत	=	**शुरूआत**			

निम्नलिखित शब्दों की शुद्ध वर्तनी लिखिए-

अथार्त	=	**आर्थात**	अनुगृह	=	**अनुग्रह**
परिशरम	=	**परिश्रम**	यर्थाथ	=	**यथार्थ**
आर्दश	=	**आदर्श**	करम	=	**कर्म**
अनुग्रहीत	=	**अनुग्रहित**	आर्शीवाद	=	**आशीर्वाद**
भिरम	=	**भ्रम**	क्रपा	=	**कृपा**
टरेन	=	**ट्रेन**	ड्रामा	=	**ड्रामा**

6. **निम्नलिखित वाक्यों को ध्यान से पढ़िए–**

(क) जिधर देखो उधर सेना ही सेना दिखलाई पड़ती थी।

(ख) मन चाहे न चाहे तब भी वहाँ जाना ही पड़ता है।

(ग) बादल गरज रहे हैं, बिजली चमक रही है, वर्षा तो आएगी ही।

निम्नलिखित वाक्यों के अर्थ में आए बदलाव को स्पष्ट कीजिए–

(क) इस वाक्य में भी लगाकर कार्यालय जाने की अनिवार्यता पर बल दिया गया है।

(ख) इस वाक्य में भी लगाकर मेरे द्वारा जाने की अनिवार्यता पर बल दिया गया है।

(ग) इस वाक्य में कार्यालय जाने और भाग लेने की अनिवार्यता पर बल दिया गया है।

7. **निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–**

अप्रिय	**नापसंद**	हिम्मत	**ताकत**

प्रतीक्षा	**इंतजार**	क्रोध	**गुस्सा**
क्षमा	**माफी**	परामर्श	**सलाह**
शोक	**दुख**	रात्रि	**रात**
अवश्य	**जरूर**	कंठ	**गला**
आहिंसा	**जीवों को न मारना**	द्वार	**दरवाजा**
मुग्ध	**आकर्षित**	विक्षिप्त	**पागल**
दुरवस्था	**बुरी अवस्था**	उत्पात	**उपद्रव**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें

12 कबीर के दोहे

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) i. गोविंद (ख) ii. आम (ग) iii. फल लागै अति दूर

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) शिष्य को ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग गुरु ने ही दिखाया है। इसी कारण शिष्य का गुरु के प्रति समर्पण का भाव है।

(ख) यदि सुख में भी ईश्वर का स्मरण किया जाए तो दुख कभी नहीं आता है।

(ग) वृक्ष अपने फल स्वयं नहीं खाता है इसी प्रकार नदी भी अपना जल स्वयं नहीं पीती है। दोनों ही जीव जगत का पोषण करते हैं। अतः दोनों का ही स्वभाव परोपकारी है।

(घ) ईश्वर सदा सच्चे हृदय में बसते हैं।

(ङ) दुर्बल को कभी नहीं सताना चाहिए क्योंकि उसके मन से निकली हुई हाय (बद्दुआ) उसी प्रकार से सब कुछ नष्ट कर देने वाली होती है जैसे लौहार की धोंकनी का चमड़ा निर्जीव होते हुए भी लोहे को भस्म कर देता है।

(च) मनुष्य को ऐसी मीठी वाणी बोलनी चाहिए जो सुनने वाले को शीतलता प्रदान करे जिससे अपना भी मन प्रसन्न हो और सुनने वाला भी प्रसन्न हो जाए।

3. निम्नलिखित पद्य भाव से संबंधित दोहे लिखिए-

उत्तर- (क) ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को सीतल करे, आपहु सीतल होय।।

(ख) बृच्छ कबहुँ नहीं फल भखै, नदी न संचै नीर।
परमारथ के कारनै, साधुन धरा शरीर।।

(ग) बड़ा भया तो क्या भया, जैसे पेड़ खजूर।
पंथी को छाया नहीं, फल लागै अति दूर।।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

उत्तर-	दुख	सुख	परमार्थ	स्वार्थ
	शीतल	ऊष्ण	बुरा	भला

सत्य	असत्य	जीवित	मृत

2. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बताइए-

उत्तर-

साहब	**पुल्लिग**	खाल	**स्त्रीलिंग**
राई	**स्त्रीलिंग**	वाणी	**स्त्रीलिंग**
खजूर	**पुल्लिग**	हृदय	**पुल्लिग**
वृक्ष	**पुल्लिग**	हंस	**पुल्लिग**
पर्वत	**पुल्लिग**	गुरु	**पुल्लिग**
गोविंद	**पुल्लिग**	शरीर	**पुल्लिग**
मृग	**पुल्लिग**	नीति	**स्त्रीलिंग**
पंथी	**पुल्लिग**		

3. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

उत्तर-

जल	**पानी**	**नीर**	पर्वत	**पहाड़**	**नग**
वृक्ष	**पेड़**	**तरु**	नीर	**जल**	**अंबु**
ईश्वर	**प्रभु**	**भगवान**	गोविंद	**ईश्वर,**	**भगवान**

4. (क) निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार लिखिए-

i. कनक-कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय।
या खाए बौराय जग, वा पाए बौराय।। **यमक अलंकार**

ii. तट तमाल तरुवर बहु छाए। **अनुप्रास अलंकार**

iii. मैया मैं तो चंद्र खिलौना लैहों। **रूपक अलंकार**

iv. चारू चंद्र की चंचल किरणें। **अनुप्रास अलंकार**

(ख) अनुप्रास, यमक तथा श्लेष अलंकारों में उदाहरण देकर अंतर स्पष्ट कीजिए-

अनुप्रास अलंकार में एक वर्ण बार-बार आता है। जैसे-
रघुपतिराघव राजा राम यहाँ 'र' वर्ण बार-बार आया है अतः अनुप्रासालंकार है।

यमक अलंकार में एक शब्द बार-बार आता है और हर बार उसका अर्थ भी अलग-अलग होता है। वहाँ यमक अलंकार होता है। जैसे-काली घटा का घमंड घटा। यहाँ इस पंक्ति में घटा शब्द दो बार आया है। और दोनों शब्दों के अर्थ भी अलग-अलग हैं।

1. घटा - बदलों की घटा
2. घटा - कम होना अतः यहाँ यमक अलंकार है?

जब एक शब्द एक ही बार प्रयुक्त होता है। परंतु उसके अर्थ भिन्न-भिन्न होते हैं वहाँ श्लेषालंकार होता है। जैसे भिखारी को देख पट देत बार-बार।
यहाँ पर पट शब्द के दो अर्थ हैं
1. वस्त्र 2. दरवाजा,
अतः यहाँ श्लेषालंकार है।

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें

13 गणेश शंकर विद्यार्थी

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) i. राष्ट्र (ख) ii. कर्मयोगी (ग) iii. 200

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) गणेश शंकर विद्यार्थी जी का जन्म 26 अक्टूबर 1890 में इलाहाबाद के अतरसुइया मोहल्ले में हुआ था।

(ख) पत्रकारिता के क्षेत्र में विद्यार्थी जी का बड़ा योगदान था। उन्होंने 'कर्मयोगी' पत्र के लिए लेख और टिप्पणियाँ लिखकर अपने पत्रकार जीवन की शुरूआत की। उन्होंने संपादक पंडित महावीर प्रसाद द्विवेदी के सहायक रूप में संपादन कार्य किया अपने साप्ताहिक पत्र 'प्रभात' का प्रकाशन भी आरंभ किया यही पत्र उनकी बहुमुखी व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति का आधार था। कुछ ही समय पश्चात् यह साप्ताहिक पत्र दैनिक बन गया तथा लोकप्रिय हो गया अनेक पत्रों ने इस पत्र को अपना आदर्श माना और इसके सम्पादन से प्रेरणा ली। अतः स्पष्ट है कि गणेश शंकर विद्यार्थी एक कुशल पत्रकार थे।

(ग) 9 नवंबर, 1913 से साप्ताहिक पत्र 'प्रताप' का प्रकाशन आरंभ किया। यही पत्र उनके बहुमुखी व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति का आधार बना। इस पत्र को उन्होंने अपने खून-पसीने से सींचा। उन्होंने इसे अंग्रेज़ी सरकार के दमन, अन्याय और शोषण के विरुद्ध एक कारगर हथियार के रूप में प्रयुक्त किया। एक समय ऐसा भी आया जब उनका यह पत्र स्वतंत्रता संग्राम का पर्याय ही बन गया। अंग्रेजी सरकार बार-बार इसे बंद करने की धमकी देती रही। किंतु अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, गहरी सूझबूझ, निर्भीकता, विलक्षण प्रतिभा और निष्पक्षता के बल पर गणेश शंकर विद्यार्थी ने अपने जीवन-काल में 'प्रताप' के प्रताप को कभी मंद नहीं पड़ने दिया।

(घ) सरदार भगतसिंह पर लाहौर में जब विवाह करने के लिए उनकी दादी का दबाव बढ़ा तो वे मार्गदर्शन के लिए गणेश शंकर विद्यार्थी के पास कानपुर आए थे।

(ङ) विद्यार्थी जी सांप्रदायिकता के प्रबल विरोधी थे। 24 मार्च, 1931 की बात है। कानपुर में अचानक दंगा भड़क उठा। लोग एक-दूसरे के खून के प्यासे हो उठे। मारकाट और अग्निकांड की खबरें आने लगीं। विद्यार्थी जी इस स्थिति में मूकदर्शक बनकर बैठे नहीं रह सकते थे। वे निकल पड़े लोगों को बचाने और समझाने के लिए। वे स्वयं को बचा नहीं पाए और दंगे का शिकार हो गए।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) गणेश शंकर विद्यार्थी जी ने **धर्मांधता** कभी स्वीकार नहीं की।

(ख) उन्होंने **कर्मयोगी** पत्र के लिए लेख और **टिप्पणियाँ** लिखीं।

(ग) वे स्वतंत्रता-संग्राम के **कर्मठ** तथा **जुझारू** सेनानी भी थे।

(घ) उनकी 'ग्राम सुधार योजना' की परिधि में **200 गाँव** आ गए।

(ङ) गणेश शंकर विद्यार्थी जैसे लोग **बिरले** ही होते हैं।

4. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए-

(क) कबीर ब्रह्म को पाना चाहते थे उनके चिन्तन का मूल स्त्रोत बह्म को प्राप्त करना था। विद्यार्थी जी को भी व्यक्तित्व से कबीर जैसा ही माना जाता था। उनके चिन्तन का मूल देश/राष्ट्र था। राष्ट्र के निर्माण कार्य में वे सभी की भूमिका महत्त्वपूर्ण मानते थे।

(ख) गणेश शंकर विद्यार्थी जैसे लोग बिरले ही होते हैं जो अपने प्राणों की भी परवाह नहीं करते और देश हित के लिए हँसते-हँसते अपने प्राणों का बलिदान कर देते हैं। ऐसे लोगों के जन्म के लिए किसी भी राष्ट्र को हजारों वर्ष तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के एक शब्द में उत्तर लिखिए-

(क) सेनानी (ख) प्रथम अधिनायक (ग) राजद्रोह (घ) पाँच बार

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

एक	=	**अनेक**	सच्चे	=	**झूठे**
देशभक्त	=	**देशद्रोह**	बुराइयों	=	**अच्छाइयों**
स्वीकार	=	**अस्वीकार**	जन्म	=	**मृत्यु**
उच्च	=	**नीच**	हँसते	=	**रोते**
आरंभ	=	**अन्त**	सम्मान	=	**अपमान**
प्रयत्न	=	**अप्रयत्न**	अनेक	=	**एक**
मूक	=	**वाचाल**	दंगा	=	**शांति**
प्रथम	=	**अंतिम**			

2. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-

सदैव	=	**हमेशा**	अभाव	=	**कमी**
विलक्षण	=	**अनोखा**	प्रतिभा	=	**बुद्धि**
सक्रिय	=	**क्रियाशील**	परामर्श	=	**सलाह**
शमा	=	**दीया**	मूक	=	**गुंगा**
राष्ट्र	=	**देश**	सेवक	=	**भक्त**
किसान	=	**कृषक**	युवक	=	**व्यक्ति**
शिक्षा	=	**ज्ञान**	मित्र	=	**सखा**
पुत्री	=	**बेटी**			

3. उपसर्ग और प्रत्यय अलग करके लिखिए-

		उपसर्ग	**प्रत्यय**
सांप्रदायिकता	=	**सम्**	**ता**

सामाजिकता	=	-	**ता**
निर्भीकता	=	**नि**	**ता**
क्रांतिकारी	=	-	**कारी**
दुर्व्यवहार	=	**दुर्**	-
सविनय	=	**स**	-

4. निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए-

(क) उन्होंने (ख) वे (ग) उन्हें (घ) उसी, उस (ङ) वे

5. (ग) अब निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए-

घनश्याम	=	**घन के समान श्याम**	**कर्मधारय समास**
यथासंभव	=	**जैसा संभव हो**	**अव्ययी भाव समास**
वनवास	=	**वन में वास**	**अधिकरण तत्पुरुष**
नीलगाय	=	**नीली है जो गाय**	**कर्मधारय समास**
देहलता	=	**देह रूपी लता**	**कर्मधारय समास**
त्रिभुज	=	**तीन भुजाओं का**	**द्विगु समास**
चतुर्भुज	=	**चार भुजाएँ हैं जिसकी (विष्णु)**	**बहुव्रीही समास**

क्रियात्मक-कार्य

14 वस्तु का मूल्य

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) iii. धनवान व्यक्ति था (ख) i. प्राचीन स्वर्ण पात्र को

(ग) iii. अपनी माला और अंगूठी (घ) ii. अपनी बेटी की

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) राजा जौनपुर में रहता था और उसे संचय कर वस्तुओं को रखने की बुरी आदत थी। लोभी प्रवृत्ति के कारण वह किसी वस्तु का सदपयोग समय पर नहीं करता था।

(ख) राजा स्वर्ण पात्र के विषय में सोचता था कि उस स्वर्ण पात्र को मैं किसी योग्य व्यक्ति के सामने ही निकालूँगा जिससे उसका सही सदुपयोग होगा।

(ग) राजा ने स्वर्ण पात्र किसी को भी नहीं दिया।

(घ) एक बार उसके यहाँ राज्य का एक मंत्री आया। तब उसने सोचा महज एक मंत्री के लिए इसे क्यों निकालूँ? किसी बड़े आदमी के सामने उसे निकालूँगा।

(ङ) राजा ने अपने गले से एक कीमती मोतियों की माला और एक अँगूठी उस भिखारी को दान में दे दी। परंतु उसने स्वर्ण पात्र नहीं निकाला।

(च) राजा ने अपनी बेटी की शादी का प्रस्ताव दूसरे राजा के सामने रखा।

(छ) राजा की मृत्यु के बाद महल की साफ-सफाई की गई और उस कमरे को भी साफ किया गया जहाँ वो स्वर्ण पात्र रखता था। सफाई के बाद राजा के बेटे

ने उसमें से काम की चीजें निकालकर रख ली और वह पात्र व अन्य सामान नौकरों को रखने के लिए दे दिया।

(ज) पात्र नौकरों को मिला और उन्होंने पात्र अपने पास रख लिया।

(झ) इस पाठ से यह शिक्षा मिलती है कि मूल्य या महत्व की दृष्टि से मूल्यवान चीजों का यथा अवसर उपयोग कर लेना चाहिए। उन्हें बचाए रखने का लोभ व्यक्ति को उसके उपयोग से वंचित कर देता है। इतना ही नहीं उन चीजों के गलत हाथों में जाने की आशंका भी रहती है।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों में से समानार्थक शब्दों के सामने (✓) का चिह्न लगाइए-

पुरस्कार	=	**इनाम**	✓	ईमान		इलाज	
रात	=	**निशा**	✓	निशी		निद्रा	
पात्र	=	**बरतन**	✓	पत्र		पत्ता	
कहानी	=	कविता		**कथा**	✓	साहित्य	
उम्मीद	=	निराशा		उपेक्षा		**आशा**	✓
छात्र	=	**विद्यार्थी**	✓	लड़का		खिलाड़ी	
पुत्र	=	बेटी		**बेटा**	✓	पोता	

2. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए-

धनवान	**धनवानों**	पात्र	**पात्रों**
संत	**संतों**	राज्य	**राज्यों**
दिनों	**दिन**	आभूषणों	**आभूषण**
मोतियों	**मोती**	अँगूठी	**अँगूठियाँ**
मालाएँ	**माला**	बेटे	**बेटा**

3. उचित क्रियाविशेषण से वाक्य पूर्ण कीजिए-

उत्तर- राजा के चेहरे पर अब घबराहट थी।
कहानी पढ़ते ही राजा खुशी से उछल पड़ा।
राजा दिन-रात मेहनत करता था।
अपना काम कभी कल पर नहीं छोड़ना चाहिए।

4. निम्नलिखित शब्दों के विलोम-शब्द लिखिए-

स्वर्ण	**भस्म**	बेटा	**बेटी**
धनवान	**निर्धन**	संस्कार	**कुसंस्कार**
संत	**गृहस्थ**	सफाई	**गंदगी**
प्राचीन	**नवीन**	यहाँ	**वहाँ**
पास	**दूर**	भिखारी	**राजा**
एक	**अनेक**	आनंद	**विषाद**

5. निम्नलिखित शब्दों को लिंग के अनुसार अलग-अलग करके लिखिए-

पुल्लिग	**राजा, मंत्री, भिखारी, पात्र, मोतियों, संस्कार**
स्त्रीलिंग	**बेटी, नौकरानी, अँगूठी, शादी, सफाई, रानी**

6. श, ष और स का शुद्ध उच्चारण कीजिए। 'ष' केवल संस्कृत भाषा के शब्दों में होता है। लेखन में इसका रूप 'श' से अलग है लेकिन उच्चारण में 'श' जैसा उच्चारित होता है।

निम्नलिखित शब्दों को पढ़िए तथा श, ष और स के अन्य दो शब्द लिखिए-

उत्तर-

आशा	**निराशा**	**विदेश**	**शरीर**	**शारीरिक**	**शाम**
पुष्प	**शुष्क**	**कुष्ठ**	**वर्षा**	**हर्षा**	**विशेष**
विश्वास	**विश्व**	**अश्व**	**वापस**	**सप्ताह**	**सारा**

7. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

राजा	**नृप**	**नरेश**	**आदमी**	**नर**	**मानव**
संत	**योगी**	**महात्मा**	**धन**	**लक्ष्मी**	**दौलत**
भोजन	**आहार**	**खाना**	**शरीर**	**देह**	**काया**
बेटी	**सुता**	**कन्या**	**आनंद**	**प्रसन्नता**	**खुशी**
नौकर	**सेवक**	**अनुचर**	**हाथ**	**हस्त**	**कर**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें

15 ध्रुव जननी सुनीति

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए–

(क) ii. दो (ख) iii. ध्रुव

(ग) ii. क्योंकि ध्रुव अपने पिता की गोद में बैठा था। (घ) i. ध्रुव

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) राजा उत्तानपाद की दो रानियाँ थीं।

(ख) सुरुचि अत्यधिक सुंदर तथा चतुर थी। उसकी सुंदरता से प्रभावित होकर ही राजा उत्तानपाद ने उससे विवाह कर लिया था।

(ग) सुनीति राजमहिषी थी और यज्ञादि कार्यों तथा अन्य धार्मिक अनुष्ठानों में राजा के साथ रहते हुए प्रधान रानी की भूमिका निभाती थी।

(घ) विमाता के व्यंग्य बाणों से आहत होने के कारण ध्रुव के नेत्रों से क्रोधाग्नि प्रकट हो रही थी।

(ङ) ध्रुव को समझाते हुए सुनीति ने कहा, "बेटा, तुम्हारी विमाता ने जो कहा है, वह सत्य है। उसी में तुम्हारा कल्याण है। भगवान की तपस्या कर तुम संसार में सबसे श्रेष्ठ स्थान प्राप्त कर सकते हो। तुम्हारे पिता की गोद में तुम्हारे लिए चाहे स्थान न हो, किंतु परमपिता परमेश्वर की गोद में बैठकर तुम निश्चिंत हो सकते हो। वहाँ से तुम्हारी विमाता तुम्हें कभी नहीं उतार सकती।"

(च) ध्रुव को उसके लक्ष्य तक पहुँचाने में उसकी माता सुनीति ने अपने जीवन भर की खुशियों को तिलांजलि देकर पुत्र की मंगल कामना हेतु जो त्याग किया,

वह बेमिसाल है। पाँच वर्ष का वह नन्हा-सा बालक ईश-भक्ति से ध्रुवलोक का अधिपति बना जिसकी समस्त ग्रह, नक्षत्र और संपूर्ण तारा वर्ग प्रदक्षिणा करते हैं। उसकी उपलब्धि में उसकी जननी की मुख्य भूमिका रही। यह सुनीति का ही त्याग था जिसने ध्रुव को महान बनाया।

(छ) माता के महान त्याग के फल स्वरूप ही ध्रुव नित्यलोक का वरदान प्राप्त कर ध्रुवतारा बन गया।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) किंतु सुरुचि उसकी तुलना में अत्यधिक **सुन्दर** तथा **चतुर** थी।

(ख) सुरुचि बड़ी रानी सुनीति से **द्वेष** रखती थी।

(ग) कठोर नेत्रों से उसने अपनी **विमाता** की ओर देखा।

(घ) ''जाओ पुत्र, उस **जगत पिता** को प्रसन्न करो।''

4. निम्नलिखित कथनों पर सत्य अथवा असत्य लिखिए-

(क) सत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) सत्य (ङ) सत्य

5. निम्नलिखित प्रश्नों के एक अथवा दो शब्दों में उत्तर लिखिए-

(क) उत्तम को (ख) क्रोधाग्नि (ग) भगवान विष्णु की

(घ) ध्रुवलोक का (ङ) सुनीति ने

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

धार्मिक	=	**अधार्मिक**	नीचा	=	**ऊँचा**
आशा	=	**निराशा**	समीप	=	**दूर**
पसंद	=	**नापसंद**	शिशु	=	**वृद्ध**
समस्या	=	**समाधान**	दृश्य	=	**अदृश्य**
दिन	=	**रात**	सुंदर	=	**बद्सूरत/भद्दा**

2. निम्नलिखित विशेषणों से संज्ञा बनाइए-

तेजस्वी	=	**तेज**	सात्विक	=	**सत्**
तिरस्कृत	=	**तिरस्कार**	व्यथित	=	**व्यथा**
परित्यक्ता	=	**परित्याग**	धार्मिक	=	**धर्म**

3. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए-

परित्यक्त	=	**परिव्यक्ता**	परमेश्वर	=	**परमेश्वरी**
अभागा	=	**अभागी**	तपस्वी	=	**तपस्विनी**
गुणवान	=	**गुणवती**	उत्तराधिकारी	=	**उत्तराधिकारिणीं**

4. निम्नलिखित शब्दों के उचित अर्थ लिखिए-

द्वेष	=	**ईर्ष्या**	उत्कंठा	=	**जिज्ञासा**
तिरस्कार	=	**अपमान**	सांत्वना	=	**तसल्ली देना**
विवेक	=	**बुद्धि**	क्रोधाग्नि	=	**क्रोध/गुस्सा आँखों से प्रकट होना**

5. निम्नलिखित शब्दों के वचन लिखिए-

रानियाँ	=	**बहुवचन**	पटरानी	=	**एकवचन**
राजमहल	=	**एकवचन**	कार्यों	=	**बहुवचन**
अनुष्ठानों	=	**बहुवचन**	महर्षि	=	**एकवचन**
तपस्विनी	=	**एकवचन**	सद्‌गुणों	=	**बहुवचन**

6. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

कार्य	=	**कर्म**	**काम**
शिशु	=	**बच्चा**	**नवजात (बालक)**
समीप	=	**निकट**	**पास**
नारी	=	**स्त्री**	**औरत**
पुत्र	=	**सुत**	**बेटा**
अभिवादन	=	**सम्मान**	**स्वागत**
नेत्र	=	**नयन**	**लोचन**
पिता	=	**जनक**	**बाप**
माता	=	**माँ**	**जननी**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

16 मैं सड़क हूँ

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) iii. दोनों (ख) ii. बाईं ओर

(ग) ii. पथ (घ) iii. लाल बत्ती

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) सड़क कंकड़, पत्थर, गिट्टी, मिट्टी तथा तारकोल आदि से बनाई जाती है।

(ख) सड़क पर चलते समय यातायात के नियमों का ध्यान रखना चाहिए।

(ग) लाल बत्ती रुकने का, पीली बत्ती चलने की तैयारी का तथा हरी बत्ती चलने का संकेत देती हैं।

(घ) हमें चौराहा हरी बत्ती का संकेत मिलने पर पार करना चाहिए।

(ङ) जेब्रा लाइन सफेद और काले रंग की पट्टियों से बनी होती है।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) चौराहे पर लगी **लाल** बत्ती रुकने का संकेत करती है।

(ख) जेब्रा लाइन **सफेद** रंग की होती है।

(ग) मेरे किनारे हरे-भरे पेड़ लगाएँ तो मुझे **खुशी होगी**।

(घ) मेरी इच्छा है मुझ पर चलकर सभी **आराम** से अपनी मंजिल तक पहुँचे।

(ङ) सड़क पर हमेशा **बाईं** ओर ही चलना चाहिए।

4. निम्नलिखित कथन के सामने सत्य अथवा असत्य लिखिए-

(क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ङ) सत्य

भाषा बोध

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त शब्द-युग्म से कीजिए-

(क) सड़क लोगों, वाहनों और पशुओं आदि के **चलने-फिरने** के लिए होती है।
(ख) शहरों में **लंबी-चौड़ी** सड़क बनाई जाती है।
(ग) पहाड़ों पर चढ़ने का रास्ता **टेढ़ा-मेढ़ा** होता है।
(घ) विद्यालय के पास **कूड़ा-करकट** डालकर गंदगी नहीं करनी चाहिए।

2. निम्नलिखित शब्द-युग्मों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

(क) राम ने श्याम का **हाल-चाल** पूछा और अपने घर ले गया।
(ख) वृद्ध काकी माँ का **चलना-फिरना** मुश्किल था।
(ग) उपहार **नया-पुराना** नहीं होता वो तो सहर्ष स्वीकार करना चाहिए।
(घ) दो बस **आमने-सामने** से टकरा गईं।
(ङ) शहरों में **लंबी-चौड़ी** सड़कें बनाईं जाती हैं।
(च) सड़क पार करते समय **दाएँ-बाएँ** अवश्य ही देखना चाहिए।
(छ) पहाड़ों का रास्ता **टेढ़ा-मेढ़ा** बना था।
(ज) **कूड़ा-करकट** हमेशा निश्चित स्थान पर ही डालना चाहिए।

3. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए-

सड़क	=	**पथ**	**रास्ता**	**मार्ग**
पेड़	=	**वृक्ष**	**तरु**	**पादप**
कूड़ा	=	**मैल**	**झाड़न**	**कतवार**

4. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

शहरों	**नगरों**	लंबी	**छोटी**
चौड़ी	**पतली**	इच्छा	**अनिच्छा**
हानि	**लाभ**	चलने	**रुकने**
दायाँ	**बायाँ**	आधी	**पूरी**
वहाँ	**यहाँ**	सावधानी	**असावधानी**
चलकर	**रुककर**	गंदा	**साफ**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

17 शहीद बकरी

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) i. भेड़िये के (ख) ii. युवा बकरी को (ग) ii. तोता-मैना

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) भेड़िए की इस धूर्तता से तंग आकर चरवाहे ने वहाँ बकरियाँ चराना बंद कर दिया था।

(ख) पर्वत को देखते हुए युवा बकरी सोचती रहती थी कि-अत्याचारी से यों कब तक प्राणों की रक्षा की जा सकेगी? वह पहाड़ से उतर कर किसी रोज़ बाड़े में भी कूद सकता है। शिकारी के भय से मूर्ख शुतुरमुर्ग रेत में गर्दन छुपा लेता है। तब क्या शिकारी उसे बख्श देता है?

(ग) युवा बकरी भेड़िए के मुँह में लगे खून को देखना चाहती थी। वह किस तरह छटपटाता है, यह करतब देखने की उसकी लालसा बलवती होती गई। एक दिन मौका पाकर वह बाड़े से निकल भागी और पर्वत पर चढ़कर स्वच्छंद विचरती, कूदती, फाँदती, दिनभर पहाड़ पर चरती रही। मनमानी कुलेलें करती रही।

(घ) बकरी के द्वारा टक्कर मारे जाने के कारण भेड़िया किंमर्त्तव्यविमूढ़ हो गया था।

(ङ) मैना ने तोते की बात का सगर्व उत्तर देते हुए कहा कि-"वही जो अत्याचारी का सामना करने पर पीड़ितों को मिलता है। बकरी मर ज़रूर गई है, परंतु भेड़िए को घायल करके मरी है। वह भी अब दूसरों पर अत्याचार करने के लिए जीवित नहीं रह सकेगा। सीने और मस्तक के घाव उसे सड़-सड़कर मरने को बाध्य करेंगे। काश! बकरी के अन्य साथियों ने उसकी भावनाओं को समझा होता। छिपने की बजाय एक साथ वार किया होता तो वे आज बाड़े में कैदी जीवन व्यतीत करने की बजाय पहाड़ पर निःशंक और स्वच्छंद विचरती होती।"

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) भेड़िये की **घूर्तता** के कारण चरवाहे ने पहाड़ पर बकरियाँ चराना बंद कर दिया।

(ख) युवा बकरी देखना चाहती थी कि वह किस तरह **छटपटाता** है।

(ग) भेड़िये का सिर दरख्त से टकराकर **लहूलुहान** हो गया।

(घ) "भेड़िये से भिड़कर भला बकरी को क्या **मिला**।"

4. निम्नलिखित कथनों के सामने सत्य अथवा असत्य लिखिए-

(क) सत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) सत्य (ङ) सत्य

5. निम्नलिखित वाक्यों का भाव स्पष्ट कीजिए-

(क) इस संसार में हर प्राणी को भोग्य भोगना ही पड़ता है। भोग्य सदैव भोगने के लिए ही उत्पन्न होते रहे हैं।

(ख) यदि सभी बकरियाँ आलस न कर निडर बन एक साथ भेड़िये का सामना करतीं तो वह स्वतंत्र जीवन व्यतीत करती। परन्तु अकेले युवा बकरी ने ही उस भेड़िए का सामना अपनी समस्त शक्तिनुसार किया, परन्तु साथियों की अकर्मण्यता पर तरस खाती हुई भेड़िये द्वारा मारी गई।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

कम	**अधिक**	बंधन	**मुक्ति**
कैद	**स्वतंत्र**	पसंद	**नापसंद**
भय	**निर्भय**	मूर्ख	**ज्ञानी**

साथियों	**शत्रुओं**	असावधान	**सावधान**
नीचे	**ऊपर**		

2. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-

पहाड़	**पर्वत**	मौत	**मृत्यु**	कैद	**बंधन**
आँखों	**नेत्रों**	मन	**चित्त**	खून	**रक्त**
लालसा	**इच्छा**	सैर करना	**घूमना**	तनिक	**थोड़ा**
साहस	**हिम्मत**	अकर्मण्यता	**आलस्य**	मस्तक	**माथा**

3. निम्नलिखित शब्दों के लिंग भेद बताइए-

पहाड़	**पुल्लिंग**	बकरी	**स्त्रीलिंग**	भेड़िया	**पुल्लिंग**
चरवाहा	**पुल्लिंग**	मौत	**स्त्रीलिंग**	बंधन	**पुल्लिंग**
प्राण	**पुल्लिंग**	शुतुरमुर्ग	**पुल्लिंग**	गर्दन	**स्त्रीलिंग**
शिकारी	**पुल्लिंग**	नजर	**स्त्रीलिंग**	दर्शन	**पुल्लिंग**
रक्त	**पुल्लिंग**	आँख	**स्त्रीलिंग**	आक्रमण	**पुल्लिंग**
सींग	**पुल्लिंग**	लहू	**पुल्लिंग**	मैना	**स्त्रीलिंग**

4. इन चारों प्रकार के समुच्चयबोधकों को दर्शाने वाला एक-एक वाक्य पाठ में से ढूँढ़कर लिखिए।

वह उसके दांव पेंच देखने की लालसा **और** अपने अरमान पूरे कर चुकी थी।

बकरी मर जरूर गई है **परंतु** भेड़िये को घायल करके मरी है।

यदि बीच का भारी पत्थर उसे सहारा न देता **तो** औंधे मुँह नीचे गड्ढे में गिर गया होता। भेड़िए की घूर्तता के कारण बकरियों को हरे-भरे पहाड़ पर चरने की स्वतंत्रता **अथवा** बाड़े की कैद में से किसी एक जीवन को जीने के लिए बाध्य होना पड़ा।

5. कुछ पुल्लिंग शब्दों के साथ 'इन' प्रत्यय जोड़ देने से वे स्त्रीलिंग बन जाते हैं; इसी प्रकार 'इन' प्रत्यय जोड़कर पाँच पुल्लिंग शब्दों से स्त्रीलिंग शब्द बनाइए-

ग्वाल + इन = ग्वालिन

कुम्हार + इन = कुम्हारिन

जाट + इन = जटिन

पंजाबी + इन = **पंजाबिन**

नाग + इन = **नागिन**

6. इन क्रिया-रूपों में 'आहट' प्रत्यय जोड़कर शब्द बनाइए-

छटपटाना	=	**छटपटाहट**	मुस्कराना	=	**मुस्कराहट**
खड़खड़ाना	=	**खड़खड़ाहट**	घबराना	=	**घबराहट**
लपलपाना	=	**लपलपाहट**	गुर्राना	=	**गुर्राहट**

7. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए-

हरे-भरे = **हरे-भरे** बाग में पीपल का विशाल वृक्ष भी था।

धूर्तता = भेड़िए की **धूर्तता** के कारण चरवाहा बकरी चराने नहीं गया।

सदैव = **सदैव** सत्य बोलना चाहिए।

प्रयत्न = निरंतर **प्रयत्न** करने से सफलता अवश्य मिलती है।

पर्वत = हिमालय **पर्वत** भारत के उत्तर में स्थित है।

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

18 झाँसी की रानी

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) ii. लक्ष्मीबाई को (ख) i. भवानी को (ग) ii. प्रसन्न

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) लक्ष्मीबाई झाँसी की रानी थी।

(ख) बरछी, ढाल, कृपाण, और कटारी लक्ष्मीबाई की सहेलियाँ थीं।

(ग) रानी लक्ष्मीबाई और लेफ्टिनेंट वॉकर का युद्ध झाँसी के मैदान में हुआ था इस युद्ध में वॉकर जख्मी होकर वहाँ से भाग गया।

(घ) लक्ष्मीबाई की तरह हमें भी कभी मुसीबतों को देखकर घबराना नहीं चाहिए वरन् जीवन में आने वाले संकटों का साहस और वीरता के साथ डट कर मुकाबला करना चाहिए।

(ङ) मर्दानी, छबीली, भवानी, सिंहनी, अवतारी।

(च) कवयित्री ने लक्ष्मीबाई के लिए 'मर्दानी' विशेषण का प्रयोग इसलिए किया है क्योंकि पुरुषों की तरह पुरुष सैन्य बल पर लक्ष्मीबाई ही थी जो निडरता से टूट पड़ी थी। उन्होंने स्त्री होकर भी पुरुषों के समान साहस दिखाया था इसी कारण उन्हें 'मर्दानी' झाँसी वाली रानी नाम दिया गया।

3. कविता की निम्नलिखित पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए-

(क) कानपुर के नाना की मुँहबोली बहन 'छबीली' थी,
लक्ष्मीबाई नाम, पिता की वह संतान अकेली थी।
नाना के संग पढ़ती थी वह, नाना के संग खेली थी,
बरछी, ढाल, कृपाण, कटारी उसकी यही, सहेली थी।

(ख) रानी गई सिधार, चिता अब उसकी दिव्य सवारी थी,
मिला तेज से तेज, तेज की वह सच्ची अधिकारी थी।
अभी उम्र कुल तेइस की थी, मनुज नहीं अवतारी थी,
हमको जीवित करने आई बन स्वतंत्रता नारी थी।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो या तीन शब्दों में दीजिए-

(क) बूढ़े भारत में।

(ख) शिवाजी की गाथाएँ याद थीं।

(ग) राज्य हड़पने के विषय में सोचकर प्रसन्न हुआ।

(घ) 23 वर्ष।

5. निम्नलिखित पंक्तियों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए-

सिंहासन हिल उठे ..... सबने मन में ठानी थी।

संदर्भ-प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी हिन्दी पाठ्य-पाठ्य पुस्तक **आधार** के **सुभद्रा कुमारी** चौहान द्वारा रचित **झाँसी की रानी** नामक पाठ से ली गईं हैं।

प्रसंग-प्रस्तुत पंक्तियों में कवयित्री ने उस समय का वर्णन किया है जब भारत में सर्वत्र आजादी की लहर बह चली थी।

व्याख्या-अंग्रेजों के अत्याचारों से आहत हुए भारत में जब चोरों ओर से स्वतंत्रता की माँग हुई तब राजवंशों ने अंग्रेजों पर दृष्टी ढेढ़ी कर ली। उन्होंने "आराम त्याग दिया, अपने सिंहासन छोड़ दिए सभी एक जुट हो आजादी की माँग करने लगे। उस समय ऐसा प्रतीत हो रहा था कि मानों वर्षों से सोते हुए बूढ़े भारत में चेतना रूपी नई जवानी का प्रारम्भ हो गया हो, जो आजादी अंग्रेजी सैन्य बलों के अत्याचारों से कहीं गुम हो गई थी उस आजादी की कीमत अब सब ने पहचान ली थी। पूरे भारत ने यह मन में ठान लिया था कि इन फिरंगियों (अंग्रेजों) को यहाँ से दूर भाग देना है।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

बूढ़े	=	**बच्चे**	आई	=	**गई**
नकली	=	**असली**	नई	=	**पुरानी**
आजादी	=	**बन्धन**	राजमहल	=	**झोपड़ी**
दूर	=	**पास**	पुरानी	=	**नई**
खुशियाँ	=	**दुख**	रानी	=	**भिखारिन**
वीर	=	**कायर**	उदित	=	**अस्त**

2. निम्नलिखित शब्दों के गलत पर्यायवाची शब्दों पर (✓) का चिह्न लगाइए-

(क)	भारत	=	हिंदुस्तान	आर्यावर्त		**भरत**	✓
(ख)	तलवार	=	असि	**ढाल**	✓	खड्ग	
(ग)	पिता	=	**भर्ता** ✓	जनक		बाप	
(घ)	वेदना	=	**चोट** ✓	पीड़ा		कष्ट	

3. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

(क) दुर्ग = रानी को **दुर्ग** तोड़ना खेल लगता था।

(ख) वीरता = मेरे दादा जी प्रतिदिन **वीरता** की कहानियाँ सुनाया करते थे।

(ग) आह्वान = सैनिकों ने युद्ध से पूर्व माँ दुर्गा का **आह्वान** किया।

(घ) तत्काल = **तत्काल** भारतीय सैनिकों ने दुश्मन सेना पर हमला बोल दिया।

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

19 कितनी ज़मीन

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) ii. किसान से (ख) iii. कोलों की

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर दीजिए-

(क) दीना दरिया किनारे बसने की बात इसलिए सोचने लगा क्योंकि वहाँ की जमीन अच्छी थी और दीना यह चाहता था, कि अपना जीवन नए सिरे से नए स्थान से प्रारम्भ करें।

(ख) दीना ने यात्रा शुरू करने से पहले रुपये निकाले और टोपी पर गिनकर रख

दिए। फिर उसने पहना हुआ कोट उतार डाला और धोती को कस लिया। अँगोछे में रोटी रखी, आस्तीनें चढ़ाईं पानी का बन्दोबस्त किया, अपने आदमी से फौवड़ा लिया और चलने को तैयार खड़ा हो गया कुछ क्षण सोचता रह गया कि किस तरह से चलना बेहतर होगा।

(ग) रह-रह कर वह रात भर जमीन के बारे में ही सोच रहा था इसलिए उसे रात भर नींद नहीं आयी।

(घ) लालच के कारण दीना अपनी जान गँवा बैठा था और अपने लिए मात्र छह फुट जमीन ही कब्र के रूप में ले पाया था। दीना की इस लालच को देखकर सरदार पेट पकड़कर हँस रहा था।

(ङ) साधारण तंग और सँकरी सी जगह दीना को तब तक सोचेने पर मजबूर नहीं करती थी। जब तक उसने औरतों की बातें न सुनी थीं। परंतु दरिया किनारे की उम्दा जमीन का लालच उसे दरिया किनारे ले आता है। अपने इस लालच से भरे मूर्खता पूर्ण विचार के कारण वह अपनी जान और दिया गया धन दोनों ही गँवा देता है। किसी भी प्रकार की लालच मानव के मानवीय गुणों का हनन कर देती है। यदि दीना भी अपनी उसी तंग और संकरी जमीन पर रहकर खेती करता तो सुख पूर्वक जीवन व्यतीत कर सकता था।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) बड़ी बहन का विवाह कस्बे में एक **सौदागर** से हुआ था।

(ख) **दरिया** के पास जमीन-ही-जमीन थी।

(ग) दुभाषिये ने कहा कि यही हमारे **सरदार** हैं।

(घ) दीना ने भी रुपये निकाले और **टोपी** पर गिनकर रख दिए।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

किसान	=	**हलवाहा**	**कृषक**
घर	=	**गृह**	**भवन**
नदी	=	**सरिता**	**सरि**
सवेरा	=	**सुबह**	**प्रातः**

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

तेज़	=	**धीरे**	साफ़	=	**गन्दा**
बाईं	=	**दाईं**	ज़्यादा	=	**कम**

3. निम्नलिखित वाक्यों में कारक-चिह्नों को शुद्ध करके वाक्यों को पुनः लिखिए-

(क) आओ, तुम्हें किताब दूँ।

(ख) पुल पर दो गाड़ियों में टक्कर हो गई।

(ग) राम के तीन भाई थे।

(घ) देवदत्त ने तीर चलाया।

(ङ) व्यवसाय से दोनों ही चिकित्सक थे।

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

1 प्रार्थना

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए–

(क) ii. प्रकृति (ख) ii. मानव का (ग) ii. प्रातःकाल

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

(क) इस कविता के रचयिता सुमित्रानन्दन पंत जी हैं।

(ख) प्रस्तुत कविता में कवि भय, संशय, अन्धभक्ति से दूर रहकर मानव सेवा करते हुए लोक कल्याण करके अपना जीवन सार्थक करने की कामना करता है।

(ग) सांसारिक जीवन में कवि उसे महान मानता है जो समान रूप में मानव मात्र का कल्याण करने वाला हो, संसार रूपी जीवन में जो दीर्घ काल तक रहने वाला हो; श्रेष्ठ सौन्दर्य से परिपूर्ण और हृदय में सत्य धारण करने वाला हो।

(घ) भय, संशय और अंध भक्ति जैसे दुर्गुण मानव सेवा या लोक कल्याण में बाधा हैं, इसलिए कवि इन दुर्गुणों से छुटकारा चाहता है।

(ङ) जिसके आचार-विचार में शालीनता, वाणी में मधुरता होती है, तथा जिसके हृदय में सत्यता होती है वह सौन्दर्यपूर्ण और सत्यप्राण है।

(च) कवि ऐसा प्रकाश बनने के लिए कह रहा है, जिसमें सम्पूर्ण प्राणी समाहित हो जाएँ जिससे जीवन में शक्ति प्राप्त हो तथा भय, शक, एवं बिना सोच विचार और अन्धविश्वास के किसी के प्रति निष्ठा रखने की भावना का विकास हो सके।

(छ) यदि सभी मानव एक-दूसरे के हित के लिए कार्य करें, तो मानव जाति का कल्याण हो सकता है।

(ज) संसार में मानव की सुख-समृदधि और लोक कल्याण ही 'नव जीवन' है।

3. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

(क) जग-जीवन **में जो चिर-महान,**
सौंदर्यपूर्ण और सत्य-प्राण,

(ख) जिससे जीवन में मिले शक्ति,
छूटे **भय, संशय, अंधभक्ति,**

(ग) ला सकूँ विश्व में एक बार,
फिर से **नव जीवन का विहान।**

4. तुकांत शब्दों का सही मिलान कीजिए–

(क)	महान	(i)	परित्राण
(ख)	शक्ति	(ii)	निखिल
(ग)	भय	(iii)	प्राण
(घ)	विहान	(iv)	भक्ति
(ङ)	अखिल	(v)	संशय

5. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

पाकर प्रभु तुमसे अमर दान,

करने मानव का परित्राण,
ला सकूँ विश्व में एक बार,
फिर से नव जीवन का विहान।

भाव-कवि कहता है कि हे प्रभु! तुमसे संसार के मनुष्य मात्र की पूर्ण रक्षा करने का अमर दान प्राप्त कर मैं कृतज्ञ हूँ। मुझे ऐसी शक्ति दो कि मैं एक बार पुनः नए जीवन का प्रातःकाल इस संसार में ला सकूँ, अर्थात मनुष्य को सुखी व समृद्ध बना सकूँ।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय जोड़कर लिखिए–

महान	=	**महानता**	मानव	=	**मानवता**	प्रभु	=	**प्रभुत्व**
प्रेम	=	**प्रेमपूर्वक**	मनुज	=	**मनुजता**	भक्त	=	**भक्ति**
सत्य	=	**सत्यता**	नव	=	**नवीन**			

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

अपेक्षा	=	**उपेक्षा**	भय	=	**निर्भय**	समय	=	**असमय**
हित	=	**अहित**	जीवन	=	**मरण**	प्रकाश	=	**अंधकार**
मानव	=	**दानव**	सत्य	=	**असत्य**			

3. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

शक्ति	=	**ऊर्जा**	**ताकत**	प्रकाश	=	**उजाला**	**रोशनी**
मानव	=	**मनुष्य**	**मनुज**	प्रभु	=	**परमात्मा**	**भगवान**
जग	=	**संसार**	**जगत**	विहान	=	**भोर**	**प्रातःकाल**

4. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए–

सत्य = **हमें सदैव सत्य बोलना चाहिए।**
हित = **हमें सबके हित का ध्यान रखना चाहिए।**
मानव = **मानव एक बुद्धिमान प्राणी है।**
जीवन = **हमें अपने जीवन में अच्छे कार्य करने चाहिए।**
शक्ति = **कार्य करने के लिए हमें शक्ति की आवश्यकता होती है।**
प्रकाश = **प्रकाश द्वारा अंधकार दूर हो जाता है।**
विहान = **विहान अंधकार का शत्रु है।**

5. निम्नलिखित शब्दों का समस्त पद लिखिए–

उदाहरण–

शिक्षा का अर्थी	–	**शिक्षार्थी**	तुलसी द्वारा कृत	–	**तुलसीकृत**
अकाल से पीड़ित	–	**अकालपीड़ित**	देश का प्रेमी	–	**देशप्रेमी**
दान में वीर	–	**दानवीर**	राह के लिए खर्च	–	**राहखर्च**
सभा के लिए भवन	–	**सभाभवन**	प्राणों से प्रिय	–	**प्राणप्रिय**
दही और बड़ा	–	**दही-बड़ा**			

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

2 हमारे तीर्थ

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए–

(क) iii. ईश्वर की (ख) ii. अयोध्या को (ग) i. ब्रह्मा का

2. निम्नलिखित कथनों के सामने सत्य अथवा असत्य लिखिए–

(क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ङ) सत्य

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

(क) चार प्रमुख धाम जगन्नाथ पुरी, द्वारिका, बदरीनाथ तथा रामेश्वरम् हैं।

(ख) अयोध्या का शाब्दिक अर्थ मोक्ष नगरी है।

(ग) काशी को कपालमोचन तीर्थ इसलिए कहते हैं क्योंकि यहाँ पर शिवजी को कपाल रूपी भिक्षा-पात्र से ब्रह्मा जी के एक सिर की हत्या के पाप से मुक्ति मिली थी।

(घ) पुष्कर भारत का एक मात्र ऐसा तीर्थ है, जहाँ ब्रह्माजी का मंदिर है। पुराने मंदिर को धर्मांध औरंगजेब ने तुड़वा दिया था। वर्तमान मंदिर का निर्माण गोकुलचंद पारीख नामक सिंधिया के मंत्री ने सन् 1809 ई० में करवाया था। ब्रह्माजी के मंदिर में मूर्ति के चार सिर हैं। कहते हैं कि प्रारंभ में ब्रह्मा के पाँच सिर थे, किंतु शिवजी ने नाखून के आघात से एक सिर समाप्त कर दिया था।

(ङ) पद्म पुराण के अनुसार–एक बार देवताओं को राक्षसों ने बहुत तंग करना प्रारंभ कर दिया था। वे उन्हें पूजा-पाठ तथा यज्ञादि नहीं करने देते थे। देवताओं को राक्षसों से बचने का कोई उपाय न सूझा। ऐसी स्थिति में ब्रह्मा एक महायज्ञ के लिए उपयुक्त स्थान की खोज में निकले। जिस समय वे पुष्कर के निकट वन में विचरण कर रहे थे, वृक्षों ने उन पर पुष्पों की वर्षा कर उनका स्वागत किया। उस वन की सुंदरता पर ब्रह्मा ने मुग्ध होकर उनसे वरदान माँगने को कहा। वृक्षों ने उनसे सदैव वहीं रहने का अनुरोध किया। ब्रह्मा मान गए। एक दिन ब्रह्मा जी ने अपने कर के कमल को भूमि पर छोड़ दिया। उसकी भयंकर आवाज से पृथ्वी में कंपन हो गया। देवताओं द्वारा पूछे जाने पर ब्रह्मा ने बताया कि ब्रजनाभ नामक दैत्य उस क्षेत्र के बालकों को खा रहा था। उन्होंने मंत्र पढ़कर कमल द्वारा उसे मार दिया। जिस स्थान पर कमल गिरा, वह स्थान पुष्कर के नाम से विख्यात हो गया।

(च) अयोध्या के विषय में जनश्रुति है कि आज भी देवतागण इस पुण्यस्थली के दर्शनार्थ आते हैं।

(छ) अयोध्या को साकेत, कोशलनगर, विनीता, इक्ष्वाकु, भूमि, कोशल तथा श्रीरामपुरी जैसे अनेक नामों से पुकारा गया। यह मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामचंद की जन्मस्थली है। अयोध्या स्मृति भवनों के लिए विख्यात है। यहाँ कही न कहीं रामकथा होती रहती है। अयोध्या के अखाड़े देशभर में प्रसिद्ध

हैं। निर्वाणी, निर्मोही, खाकी, दिगंबर, संतोषी, महानिर्वाणी, गूंदड़ आदि अखाड़े आज भी अपने अतीत को यथावत् बनाए हुए हैं।

(ज) अयोध्या परिक्रमाओं के लिए विख्यात है। यहाँ की चौरासी कोस की परिक्रमा प्रसिद्ध है। यह परिक्रमा चैत्र की पूर्णिमा से प्रारंभ होती है तथा वैशाख शुक्ल की नवमी तक चलती है अयोध्या में चौदह कोसी, परिक्रमा भी होती है जो कार्तिक मास में अक्षय नवमी से पूर्णिमा तक और श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया से पूर्णिमा तक संपन्न होती है। इसके अलावा अयोध्या में और भी उत्सव होते हैं। रथयात्रा आषाढ़ में, झूला श्रावण में, सरयू-स्नान परिक्रमा कार्तिक में, राम-विवाह अगहन में और रामनवमी चैत्र में। इन उत्सवों का धर्म लाभ उठाने भक्तजन दूर-दूर से आते हैं।

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) पुष्कर के **यज्ञ** कुंड के निकट अगस्त्य मुनि की तपस्थली है।

(ख) जिस स्थान पर कमल गिरा, वह स्थान **पुष्कर** के नाम से विख्यात हो गया।

(ग) भारत तीर्थों का **घर** है।

(घ) अयोध्या **परिक्रमाओं** के लिए भी विख्यात है।

(ङ) पुष्कर ही भारत का **एकमात्र** ऐसा तीर्थ है, जहाँ ब्रह्माजी का मंदिर है।

5. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

(क) **हम ..... नहीं।**

भाव–विभिन्न तीर्थों का अपना-अपना महत्व है। हम तीर्थ को पवित्र मानकर तीर्थ यात्रा पर जाते हैं, परन्तु तीर्थ स्थानों पर ही सबसे अधिक चोरी और ठगी होती है। आज लोग पवित्र स्थल की पवित्रता को छोड़ धन कमाने का साधन ढूँढ़ने लगे हैं। यदि तीर्थ स्थलों की पवित्रता को देखना है तो प्रत्येक मानव मात्र स्वयं अपने मन को तीर्थ बना ले अर्थात् वह बुरे कार्य छोड़कर अपने हृदय को पवित्र बना ले तभी जीवन सफल हो सकता है। इसमें कोई संदेह नहीं है।

(ख) **धन्य हैं तीर्थ-स्थान, ... महान बना देते हैं।**

भाव–तीर्थ पवित्र स्थल होते हैं इन्हें मानव की मुक्ति का प्रतीक माना जाता है। तीर्थों की परिधि में प्रविष्ट मानव स्वयं को स्वर्ग के द्वार पर पाता है। इन सभी तीर्थ स्थानों की पवित्रता का किसी न किसी पवित्र आत्मा अर्थात ईश्वर का सम्बन्ध रहा है। धन्य हैं वे तीर्थ स्थान जिन्हें ईश्वर ने अपने आगमन या अवतरण से इतना पवित्र और महान बना दिया है कि ये मानव मात्र की मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बन गए हैं।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

दुर्लभ	**दुष्प्राप्य**	वांछित	**इच्छित**	निराश	**दुखी**
सुयोग	**अच्छा अवसर**	योग्य	**लायक**	जग	**संसार**
आहुति	**बलि**	कनिष्ठ	**छोटा**	ज्येष्ठ	**बड़ा**

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

देवता	**दैत्य**	पुण्य	**पाप**	सुंदरता	**कुरूपता**
मुक्ति	**बंधन**	पवित्र	**अपवित्र**	धर्म	**अधर्म**

3. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया के नीचे रेखा खींचिए–

(क) काशी में ईश्वर जी रहते थे।

(ख) मेरे घर में एक मंदिर है।

(ग) उनके पास एक पुस्तक थी।

(घ) हैरानी आँखों की पलकों पर छाई हुई थी।

(ङ) पिंजरे के तोते ने जवाब दिया।

4. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए–

कुंड	**कुंडों**	भवन	**भवनों**	कथा	**कथाएँ**
मेला	**मेले**	मंदिर	**मंदिरों**	वृक्ष	**वृक्षों**

5. उचित शब्द छाँटकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) हम उस **बँगले** में रहते हैं।

(ख) यह सड़क तीस **फीट** चौड़ी है।

(ग) इस **कारखाने** के मालिक आज नहीं आए हैं।

(घ) उसकी **आँखों** से पानी बह रहा है।

(ङ) अध्यापिका जी कक्षा के सारे **लड़कों** को बुला रही हैं।

6. निम्नलिखित वाक्यों में छपे रंगीन पद व्याकरण की दृष्टि से क्या हैं? लिखिए–

(क) जातिवाचक संज्ञा।

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा।

7. निम्नलिखित वाक्यों में छपे रंगीन शब्दों के कारक बताइए–

(क) संबंध कारक (ख) कर्ता कारक

(ग) अधिकरण कारक

8. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

ज्येष्ठ = **राम दशरथ के ज्येष्ठ पुत्र थे।**

जनश्रुति = **जनश्रुति है कि आज भी देवतागण पुण्यस्थली अयोध्या के दर्शनार्थ आते हैं।**

धर्मांध = **मनुष्य को धर्मांध नहीं बनना चाहिए।**

ध्वस्त = **तूफान आने पर कभी-कभी इमारतें तक ध्वस्त हो जाती हैं।**

पुण्य = **हमें हमेशा पुण्य कर्म करने चाहिए।**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

3 महीनों की कहानियाँ

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए–

(क) iii. रोमन (ख) i. अपने काम में शांति या सफलता पाने के लिए

(ग) ii. जुलाई

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

(क) अंग्रेजी महीने मूलतः रोमन भाषा से उत्पन्न हैं। रोमवालों ने ही महीनों की यह गिनती चलाई और इनकी कहानियाँ भी रोमन लोगों और उनके देवों और व्यक्तियों से ही संबंध रखती हैं।

(ख) जेनस एक अजीब सूरत वाला देवता है, जिसके दो सिर हैं और एक ही समय वह आगे और पीछे देख सकता है। इसके बाएँ हाथ में कुंजी है। उसके नाम पर जनवरी महीने का नाम पड़ा।

(ग) फरवरी का नामकरण रोमन लोगों के 'फेब्रुआ' नामक त्योहार पर पड़ा।

(घ) मार्स में अपार शक्ति होने के कारण वह रोमनों का युद्ध देवता था युद्ध देवता होने के कारण रोमन लोग मार्स की पूजा करते थे।

(ङ) अप्रैल का मतलब है 'दरवाजा खोलना'।

(च) कुछ लोगों का कहना है, कि जून का नाम जूनो देवी के नाम पर पड़ा है। कुछ कहते हैं, कि रोम के प्रसिद्ध जूनियस परिवार पर पड़ा।

(छ) औगस्ट्स जूलियस सीजर का पोता था वह अपने बाबा की तरह ही प्रतापी और महान था। पहले इसका नाम ओक्टोवियस था लेकिन इसे खुश करने के लिए रोमनों ने औगस्ट्स महान कहना शुरू किया और आठवें महीने का नाम 'अगस्त' इसी पर रखा। औगस्ट्स का युग स्वर्ण युग था।

(ज) दिसंबर के महीने के साथ प्रसिद्ध संत सांता क्लॉज की मूर्ति की कल्पना की जाती है।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) आज **अंग्रेजी महीने** हिंदुस्तान के गाँव-गाँव में फैल गए हैं।

(ख) जेनस एक ऐसा देवता है, जिसके **दो सिर** हैं।

(ग) जुलूस में **जनवरी** के पीछे फरवरी है।

(घ) यह रोमनों का युद्ध देवता **मार्स** है।

(ङ) जूलियस सीजर के पीछे उसका पोता **औगस्ट्स** आ रहा है।

(च) महीनों के **जुलूस** का यह आखिरी आदमी बच्चों का सबसे **प्यारा** और **पूज्य** है।

4. उदाहरण के अनुसार बारह महीनों के नाम लिखिए तथा प्रत्येक महीने के सामने उसके दिनों की संख्या लिखिए–

(क) जनवरी 31 दिन (ख) फरवरी 28 या 29 दिन

(ग) मार्च 31 दिन (घ) अप्रैल 30 दिन

(ङ) मई 31 दिन (च) जून 30 दिन

(छ) जुलाई 31 दिन (ज) अगस्त 31 दिन

(झ) सितम्बर 30 दिन (ञ) अक्टूबर 31 दिन

(ट) नवम्बर 30 दिन (ठ) दिसंबर 31 दिन

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थक शब्द लिखिए–

आरंभ	=	**शुरू**	विद्यालय	=	**पाठशाला**	माह	=	**महीना**
तुरंग	=	**घोड़ा**	घर	=	**गृह**	मुलायम	=	**नरम**
व्योम	=	**आकाश**	लोकप्रिय	=	**प्रसिद्ध**			

2. उचित क्रिया-शब्दों का प्रयोग करके वाक्य पूरे कीजिए–

(क) रोमवालों ने ही यह गिनती **चलाई**। **(चलना)**

(ख) वह एक ही समय में आगे-पीछे **देख सकता है**। **(देखना, सकना)**

(ग) उसने दोनों की ओर इशारा **किया**। **(करना)**

(घ) अप्रैल के पीछे एक देवी **आ रही है**। **(आना)**

(ङ) यह सातवाँ महीना **कहलाता** था। **(कहलाना)**

3. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग छाँटकर लिखिए–

सुयोग	=	**सु**	नियुक्त	=	**नि**	अनुमान	=	**अनु**
अप्रसन्न	=	**अ**	बेखटके	=	**बे**	अदृश्य	=	**अ**
अतिशय	=	**अति**	प्रतिदिन	=	**प्रति**	अधिकार	=	**अधि**
उपमंत्री	=	**उप**						

4. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाकर लिखिए–

(क) अभ्यर्थना = **मैं आपसे अभ्यर्थना करता हूँ।**

(ख) दिलचस्प = **मुझे यह कहानी बड़ी दिलचस्प लगी।**

(ग) अजीब = **वह कितना अजीब दिखता है।**

(घ) ईर्ष्यालु = **ईर्ष्यालु व्यक्ति सबसे ईर्ष्या करते हैं।**

(ङ) उत्पन्न = **कूड़े के सड़ने से दुर्गंध उत्पन्न होती है।**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

4 हार की जीत

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए–

(क) i. सुलतान (ख) iii. खड्गसिंह (ग) i. हाँ

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

(क) बाबा भारती को अपना घोड़ा देखकर आनंद आता था।

(ख) बाबा भारती सुलतान के बिना नहीं रह सकते थे क्योंकि बाबा भारती को यह भ्रांति सी हो गई थी कि वे सुल्तान के बिना नहीं रह सकते। बाबा भारती सुल्तान की चाल पर लट्टू थे। संध्या समय जब तक वे आठ-दस मील का चक्कर न लगा लेते उन्हें चैन न आता था। भगवान के भजन से जो भी समय बचता था वह उस घोड़े को अर्पण था। अतः वह उसके बिना नहीं रह सकते थे।

(ग) सुलतान को पाने के लिए खड्गसिंह से अपाहिज का वेश धारण किया और बाबा से मदद माँगी जब बाबा ने उसे घोड़े पर बैठाया तो वह बाबा को धोखा देकर सुलतान को ले गया।

(घ) बाबा भारती ने खड्गसिंह से अनुरोध किया कि इस घटना (अपाहिज बनकर धोखे से सुलतान घोड़े को छीन लेना) को किसी के सामने प्रकट न करना क्योंकि यदि "लोगों को इस घटना का पता लग गया तो वे किसी दीन-दुखी पर विश्वास न करेंगे।"

(ङ) बाबा भारती के द्वारा किए गए अनुरोध और उसके उत्तर को सुनकर खड्ग सिंह यह मानने पर मजबूर हो गया कि ऐसा मनुष्य, मनुष्य नहीं देवता ही है जो प्रिय वस्तु को भी त्यागकर दीन दुखियों के विषय में ही सोचता हो। इस प्रकार सोचते हुए खड्गसिंह अपनी आँखों में नेकी के आँसू भरे हुए सुलतान को अस्तबल में ही छोड़ आता है।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) वह घोड़ा बड़ा **सुन्दर** था, बड़ा **बलवान**।

(ख) वे उसकी **चाल** पर लट्टू थे।

(ग) **खड्गसिंह** उस इलाके का प्रसिद्ध **डाकू** था।

(घ) बाबा जी भी **मनुष्य** ही थे।

(ङ) इस समय उसकी आँखों में **नेकी** के **आँसू** थे।

4. निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए–

घोर .....बना दिया।

भाव–बाबा भारती का घोड़ा सुल्तान उनके पास न था परंतु स्नान करते ही वे अस्तबल की तरफ चल पड़े दरवाजे पर पहुँचकर उन्हें भूल प्रतीत हुई और अत्यधिक निराशा ने उनके पाँव वहीं रोक दिए उनके पैर न उठते थे। निराश मन अस्तबल में जाने से रोकते हुए उनके बढ़ते पाँवों को मन-मन भर का भारी बना रहा था।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

सुंदर	=	**कुरुप**	बलवान	=	**निर्बल**	घृणा	=	**प्रेम**
प्रसन्न	=	**अप्रसन्न**	प्रसिद्ध	=	**अप्रसिद्ध**	उत्तर	=	**प्रश्न**
प्रशंसा	=	**निंदा**	पश्चात्	=	**पूर्व**	रात	=	**दिन**
सावधान	=	**असावधान**						

2. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

सहस्र	=	**हजार**	भ्रांति	=	**भ्रम**	छवि	=	**चित्र**
आरंभ	=	**शुरू**	आश्चर्य	=	**अचम्भा**	ख्याल	=	**ध्यान**

3. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

चोथा	=	**चौथा**	अँधकार	=	**अंधकार**
हृदय	=	**हृदय**	भ्राँति	=	**भ्रांति**

4. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

जान छिड़कना = **अत्यधिक चाहना।**

बाबा सुल्तान पर जान छिड़कते थे।

हृदय पर साँप लोटना = **ईर्ष्या होना।**

सपना के घर की सुख शान्ति देखकर कमला के हृदय पर साँप लोटते थे।

आँखों में चमक आना = **बहुत खुशी होना।**

घोड़े को पुनः देखकर बाबा भारती की आँखों में चमक आ गई।

धोखा देना = **छल कपट करना**

डाकू ने अपाहिज का वेश बनाकर बाबा भारती को धोखा दिया।

मुँह न मोड़ना = **पीछे न हटना**

किसी की सहायता के समय मुँह न मोड़ना चाहिए।

5. 'प्रसन्नता' शब्द 'प्रसन्न' में 'ता' प्रत्यय जोड़कर बना है और 'मनुष्यत्व' 'मनुष्य' में 'त्व' प्रत्यय जोड़कर।

'ता' और 'त्व' प्रत्यय जोड़कर पाँच-पाँच शब्द बनाइए–

मनुजता	सफलता	सामाजिकता	सुंदरता	विफलता
व्यक्तित्व	प्रभुत्व	महत्व	अपनत्व	घनत्व

6. वाक्य में मूल क्रिया मुख्य अर्थ देती है और दूसरी क्रिया उस अर्थ को नई अभिव्यक्ति। इस दूसरी क्रिया को 'रंजक क्रिया' कहते हैं।

उदाहरण–रमन चिल्ला उठा। मैंने जाने का मन बना लिया। इन वाक्यों में 'चिल्लाना' और 'बनाना' मूल क्रियाएँ हैं जो मुख्य अर्थ देती हैं। 'उठना' तथा 'लेना' रंजक क्रियाएँ हैं, जो अर्थ को नई अभिव्यक्ति दे रही हैं।

निम्नलिखित वाक्यों में से रंजक क्रियाएँ छाँटिए–

(क)	शोर सुनकर वह जाग उठा।	**उठा**
(ख)	तुमने तो मुझे ही चौंका दिया।	**दिया**
(ग)	उसे भूख लग आई।	**आई**
(घ)	मुझे माँ की याद आने लगी है।	**लगी**
(ङ)	तुम भी बढ़-बढ़कर बोलने लगे।	**लगे**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

5 आया प्रभात

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए–

(क) ii. प्रकाश से (ख) i. रात-दिन

(ग) iii. सूर्य की किरणों की वर्षा (घ) i. मनोहर सुगंध

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

(क) प्रातःकाल होने पर जीवन में नई उमंग भर गई है।

(ख) 'तन-मन तरल होने' का आशय है–सुनहरी किरणों में तन-मन का भीग जाना।

(ग) दिन और रात सौंदर्य में नहाए हुए हैं।

(घ) धरती पर अनेक ऋतुएँ होती हैं। अतः धरती को ऋतुमती अर्थात् ऋतुओं से युक्त कहा गया है।

(ङ) 'परिवर्तन जीवन का नियम है', जिस प्रकार कविता में रात्रि के बाद प्रभात हुआ है और प्रभात होते ही प्रकृति में परिवर्तन होने शुरू हो गए हैं उसी प्रकार जीवन में भी दुख के बाद सुख और सुख के बाद दुख आता है।

(च) प्रभात होने पर सभी दिशाओं में सुगंध फैल गई।

3. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

(क) सज **गया धरातल अंबर** तल
हो गई दृष्टि की गति अपार।

(ख) कंचन-वर्षा **होती अविरल**
तन-मन हो जाता तरल-तरल
सब **दृश्य नवल होते पल-पल**
ऐसा प्रभात।

(ग) उसकी **छवि का नूतन विकास**
नव अलंकार अभिनव सुहास
दिग्दिक **व्यापी मंजुल सुवास।**

4. कविता से निम्नलिखित अर्थों वाली पंक्तियाँ पहचानकर लिखिए–

(क) जिसमें जीवन का लास-हास।

(ख) जिसमें भव की द्युति का प्रसार।

(ग) कंचन-वर्षा होती अविरल।

(घ) दिग्दिक व्यापी मंजुल सुवास।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

आया	=	**गया**	प्रभात	=	**सायं**	प्रकाश	=	**अंधकार**
धरातल	=	**रसातल**	नया	=	**पुराना**	जीवन	=	**मरण**
हास	=	**रुदन**	रात	=	**दिन**	दृश्य	=	**अदृश्य**
नवल	=	**प्राचीन**						

2. दिए गए तत्सम-तद्भव शब्दों को उचित स्थान पर लिखिए–

तत्सम शब्द	**तद्भव शब्द**	**तत्सम शब्द**	**तद्भव शब्द**
सौंदर्य	बारिश	रात्रि	सूरज
नव	दिन	वर्षा	धरती

3. 'अलंकार', 'कंचन' शब्दों में अनुस्वार का प्रयोग ङ्, ञ् नासिक्य ध्वनियों के स्थान पर हुआ है। अनुस्वार के बाद जिस वर्ग का व्यंजन हो, उसी वर्ग का पंचम वर्ण अनुस्वार के रूप में हो जाता है।

निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार के स्थान पर नासिक्य ध्वनि (पंचम वर्ण) लिखिए–

अंबर	**म्**	अंक	**ङ्**	सुंदर	**न्**
ठंडक	**ण्**	मंजन	**ञ्**	सुगंध	**न्**

4. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

सोना	–	**स्वर्ण, कंचन**	पृथ्वी	–	**धरा, भू**
आकाश	–	**अंबर, आसमान**	बिजली	–	**विद्युत, चपला**
रात	–	**रात्रि, निशा**			

5. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए–

मछली – **म् + अ + छ् + अ + ल् + ई**
प्रभात – **प् + र् + अ + भ् + आ + त् + अ**
अभिनव – **अ + भ् + इ + न् + अ + व् + अ**
अंबर – **अ + म् + ब् + अ + र् + अ**

6. निर्देशानुसार सर्वनाम से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) **वे** यहाँ कब पहुँचेंगे।
(ख) अपना गृहकार्य **स्वयं** करो।
(ग) दीवार पर **कुछ** चिपका है।
(घ) तुम लोग अब तक **क्या** कर रहे थे?
(ङ) जिसकी पुस्तक है **उसे** बुलाओ।
(च) **यह** मेरा विद्यालय है।

7. रेखांकित शब्दों का संज्ञा-भेद लिखिए–

हो गई **दृष्टि** की गति अपार	**भाववाचक संज्ञा**
आया **प्रभात** दिन और रात	**भाववाचक संज्ञा**
सौंदर्य-स्नात	**भाववाचक संज्ञा**
उसकी **छवि** का नूतन विकास	**भाववाचक संज्ञा**

8. कविता से कुछ अन्य भाववाचक संज्ञाएँ ढूँढ़कर अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखिए।

प्रकाश, गति, जीवन, प्रसार, दृश्य, परिवर्तन।

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

6 दो महान व्यक्ति

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए–

(क) i. मैदान में (ख) iii. संपन्न (ग) iii. 1945 में

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

(क) इंग्लैंड में सर्दी के मौसम में धरती, मकान और पेड़-पौधों पर बर्फ की पतली चादर-सी बिछ जाती है।

(ख) बचपन में एक बार बर्फ जमे एक तालाब पर विंस्टन चर्चिल अपने मित्रों के साथ खेल रहे थे। अकस्मात् उनके पैरों के नीचे की बर्फ में दरार पड़ गई और वह धीरे-धीरे उसमें डूबने लगे। उन्होंने 'बचाओ, बचाओ' की आवाज लगाई। कुछ दूरी पर खेलता उनका बाल-मित्र आवाज सुनकर दौड़ा आया और उसकी दोनों बाँहें पकड़कर उन्हें ऊपर की ओर खींचने लगा। वह बड़ी कठिनाई से उन्हें ऊपर खींच पाया। इस प्रकार वे आकस्मिक मृत्यु के मुख से निकाल लिए गए।

(ग) फ्लेमिंग के मित्र को उसकी याद के साथ-साथ यह बात भी सता रही थी कि 'उस मित्र के किए गए उपकार का बदला जब तक वह नहीं चुकाएगा तब तक वह स्वयं को एक कृतघ्न ऋणी महसूस करता रहेगा, इसी कारण वह कालांतर में फ्लेमिग की खोज में निकला था।

(घ) फ्लेमिंग की डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करने की इच्छा को उसके मित्र ने पूरा किया।

(ङ) फ्लेमिंग को नोबेल पुरस्कार से सन् 1945 में, पेनिसिलीन के आविष्कार के लिए सम्मानित किया गया।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) कुछ बच्चे आपस में **भाग-दौड़** कर रहे थे।

(ख) उसने **बचाओ-बचाओ** की आवाज लगाई।

(ग) उस **प्राणदायी** मित्र का नाम था, **अलेक्जेंडर** फ्लेमिंग।

(घ) वह तो अकस्मात् **स्वाभाविक प्रतिक्रिया** थी।

(ङ) इसी शोध के फलस्वरूप उसने **पेनिसिलीन** का आविष्कार किया।

(च) **पेनिसिलीन** ही उसके रोग का एकमात्र इलाज है।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

शत्रु	=	**मित्र**	अपकार	=	**उपकार**	कृतज्ञ	=	**कृतघ्न**
उऋण	=	**ऋणी**	पतली	=	**मोटी**	जीवन	=	**मृत्यु**
दुर्भाग्य	=	**सौभाग्य**	विपन्न	=	**संपन्न**	स्वाभाविक	=	**अस्वाभाविक**
प्रारंभ	=	**अन्त**						

2. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थक शब्द लिखिए–

मौसम	=	**ऋतु**	पेड़	=	**तरु**	धरती	=	**धरा**
घर	=	**भवन**	व्यक्ति	=	**नर**	मित्र	=	**सखा**
तालाब	=	**सरोवर**	आवाज	=	**स्वर**	समृद्ध	=	**अमीर**
नवीन	=	**नया**						

3. निम्नलिखित वाक्यों को उचित कारक-चिह्नों द्वारा पूर्ण कीजिए–

(क) इंग्लैंड **में** सर्दी **का** मौसम था।

(ख) पेड़-पौधों **पर** बर्फ **की** चादर-सी बिछ गई थी।

(ग) बच्चे बाहर **के** मैदान **में** खेल रहे थे।

(घ) कुछ दूरी **पर** खेलता उस **का** बाल-मित्र दौड़कर आया और उस **की** दोनों बाँहें

पकड़कर उसे ऊपर **की** ओर खींचने लगा।

(ङ) अपने बचपन **के** मित्र **को** अकस्मात् सामने देखकर उस **की** खुशी **का** ठिकाना न रहा।

(च) इसी दवा **के** उपचार **से** उसका रोग जाता रहा।

4. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

(क)	सर्वोच्च	**सर्व + उच्च**	(ख)	कालांतर	**काल + अंतर**
(ग)	समुचित	**सम् + उचित**	(घ)	देवेश	**देव + ईश**
(ङ)	प्रत्युपकार	**प्रति + उपकार**			

5. नीचे दिए शब्द-युग्मों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) आदि – अभिज्ञान शाकुंतलम्, मेघदूत **आदि** रचनाएँ कालीदास की हैं।
आदी – रमेश सुबह अखबार पढ़ने का **आदी** है।

(ख) अन्न – पक्षी अन्न का दाना देख पेड़ से नीचे आ गया।
अन्य – अन्न के दानों को बिखरा देख कबूतर के साथ-साथ **अन्य** पक्षी भी वहाँ आ गए।

(ग) कुल – एक बाग में आम के **कुल** 25 वृक्ष थे।
कूल – नदी कूले वृक्ष हैं।

(घ) आकर – भारत में सोने के अनेक **आकर** (खान) हैं।
आकार – लड्डू का **आकार** हमेशा गोल ही होता है।

(ङ) प्रसाद – मंदिर में हलुआ-पूड़ी का **प्रसाद** चढ़ा था।
प्रासाद – प्राचीन **प्रासाद** के खण्डर उस के सौन्दर्य का वर्णन स्वयं ही करते हैं।

(च) कर्म – कर्म करना ही मानव का सबसे बड़ा धर्म है।
क्रम – बच्चे संख्याओं को **क्रम** से लिख रहे थे।

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

7 वन : हमारी अमूल्य संपदा

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए–

(क) iii. दोनों रूप में (ख) ii. अशुद्ध वायु (ग) i. जनसंख्या विस्फोट

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

(क) हमारे आस-पास, चारों तरफ जो वातावरण हमें दिखाई देता है उसे पर्यावरण कहते हैं। स्वस्थ और सुखी मानव जीवन के लिए पर्यावरण का संरक्षण आवश्यक है।

(ख) प्राचीन भारतीय ग्रंथों में वनों की महिमा के अनेक उल्लेख उपलब्ध हैं। अथर्ववेद में वनों को समस्त सुखों का स्रोत कहा गया है। गीता में श्रीकृष्ण ने वृक्ष को ईश्वर की विभूति कहकर उसका महत्व स्पष्ट किया है। अग्नि पुराण में वृक्षों

को काटने का निषेध किया गया हैं क्योंकि वे परिवार की सुख-समृद्धि के आधार हैं। मत्स्यपुराण में एक वृक्ष को दस पुत्रों के बराबर बताया गया है।

(ग) प्राचीन काल में वनों में गुरुकुलों की स्थापना इसलिए की जाती थी क्योंकि इसके पीछे यह विचार था कि प्रकृति से संबंध बना रहे।

(घ) कुछ वृक्ष लगाने से मानसिक कष्ट दूर होते हैं। इसी कारण भारतीय संस्कृति में कुछ पेड़-पौधे; जैसे–'पीपल, आँवला, विल्व (बेल), तुलसी, केला आदि पूजनीय माने गए हैं।'

(ङ) हरे पेड़-पौधों को हरा सोना कहते हैं।

(च) वनों में पाए जाने वाले पेड़-पौधे वातावरण की अशुद्ध एवं हानिकारक वायु को स्वयं पचाकर हमें शुद्ध वायु प्रदान करते हैं। ये भूमि को अधिक तप्त होने से रोकते हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि भू-तल पर वृक्ष न होते तो पृथ्वी का तापमान बढ़कर इतना अधिक हो जाता कि ध्रुवीय प्रदेशों पर जमी बर्फ पिघल जाती। उस बर्फ के पिघलने से पृथ्वी पर जल की मात्रा इतनी अधिक हो जाती कि पृथ्वी उसमें समा जाती। तब न पृथ्वी पर मानव रह पाता, न पशु-पक्षी और न वनस्पति-जगत ही।

(छ) वनों से हमें अनेक लाभ होते हैं। वनों में लगे पेड़ वर्षा में सहायक होते हैं। वृक्षों की घूमती हुई शाखाएँ श्याम मेघमालाओं को जलवृष्टि का निमंत्रण देती हैं। वृक्षों की जड़ें पानी के तेज बहाव को रोकती हैं, जिनसे भूमि संरक्षण में सहायता मिलती है। तेज बहाव रुकने से भूमि की उर्वराशक्ति सुरक्षित रहती है।

3. उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

पेड़-पौधे वातावरण की अशुद्ध एवं हानिकारक **वायु** को स्वयं पचाकर हमें शुद्ध वायु प्रदान करते हैं। ये **भूमि** को अधिक तप्त होने से बचाते हैं। वैज्ञानिकों का **अनुमान** है कि यदि **भू-तल** पर वृक्ष न होते तो **पृथ्वी** का तापमान बढ़कर इतना अधिक हो जाता कि **ध्रुवीय** प्रदेशों पर जमी बर्फ पिघल जाती। उस बर्फ के पिघलने से पृथ्वी पर **जल** की मात्रा इतनी अधिक हो जाती कि पूरी पृथ्वी उसमें समा जाती। तब न पृथ्वी पर **मानव** रह पाता, न पशु-पक्षी और न वनस्पति-जगत ही कायम रह पाता।

4. निम्न पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

(क) **पर्यावरण ..... संबंध है।**

भाव : पर्यावरण का मानव जीवन पर अत्यधिक प्रभाव पड़ता है। अपनी समस्त आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मानव पर्यावरण पर निर्भर है। इसी कारण पर्यावरण का मानव जीवन से घनिष्ठ संबंध है।

(ख) **वनों ..... कहा गया है।**

भाव-वनों से प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से लाभ होते हैं। वृक्ष वातावरण की अशुद्ध और हानिकारक वायु को स्वयं ही पचा लेते हैं। और वातावरण को शुद्ध बनाए रखने का उत्तरदायित्व निभाते हैं। इन्हीं से ही वर्षा और मौसम का संतुलन बना रहता है। वन आदिकाल से ही जीवन निर्वाह हेतु आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के प्रमुख साधन रहे हैं। वर्षा करने में तथा भूमि संरक्षण में

वन ही सहायक है। इसलिए वनों को समस्त सुखों का स्त्रोत कहा गया है।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

शीतल	**ठंडा**	विविध	**विभिन्न**	अतिरिक्त	**अलावा**
सुलभ	**आसान**	संकट	**विपत्ति**	निषेध	**मना**

2. शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

प्रोत्साहीत	**प्रोत्साहित**	वृक्षरोपण	**वृक्षारोपण**	वैग्यानिक	**वैज्ञानिक**
अधांधुंध	**अंधाधुंध**	समाजिक	**सामाजिक**	सतुंलन	**संतुलन**

3. निम्नलिखित के साथ उपयुक्त उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए–

सुलभ	**सु**समाचार	**स**जग
उपकप्तान	**आ**जीवन	**स**हित
सुलेख	**स**जीव	

4. निम्नलिखित के विलोम शब्द लिखिए–

(क) शत्रु → **मित्र** (ख) बाहर → **अंदर**

(ग) नापसंद → **पसंद** (घ) नया → **पुराना**

(ङ) अवास्तविक → **वास्तविक**

5. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए–

(क)	जिसमें धैर्य न हो	**अधीर**
(ख)	जिस पर विश्वास न किया जा सके	**अविश्वसनीय**
(ग)	जिसका कोई शत्रु न हो	**अजातशत्रु**
(घ)	दूर की सोचने वाला	**दूरदर्शी**
(ङ)	जिसके पास कुछ भी न हो	**अकिंचन**
(च)	जो क्षमा के योग्य हो	**क्षम्य**
(छ)	जो क्षमा के योग्य न हो	**अक्षम्य**

6. निम्नलिखित के अर्थ लिखकर उनका प्रयोग अपने वाक्यों में कीजिए–

(क) समान **बराबर**

मेरे दोनों पुत्र मेरे लिए एक समान है।

(ख) सुलभ **सरलता से प्राप्त**

वृक्ष लगाने से सभी को शीतल छाया सुलभ होगी।

(ग) व्यापक **दूर तक फैला हुआ।**

सामाजिक वानिकी संपूर्ण देश में वृक्षारोपण का व्यापक कार्यक्रम है।

(घ) संवर्धन **बढ़ोतरी**

वृक्षों के संवर्धन के लिए हमें बहुत अधिक प्रयास करने चाहिए।

(ङ) पर्यावरण **चारों ओर का वातावरण**

पर्यावरण का मानव जीवन से घनिष्ठ संबंध है।

(च) अभाव **कमी**

पेड़-पौधों के अभाव में पर्यावरण संतुलन बिगड़ जाएगा।

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

8 प्रेरक प्रसंग

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए–

(क) i. वह ईश्वर की बनाई हुई है। (ख) ii. निर्धन एवं अनाथों की सेवा में।

(ग) ii. भारत

2. निम्नलिखित कथनों के सामने सत्य अथवा असत्य लिखिए–

(क) असत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) सत्य (ङ) असत्य

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

(क) हमारे भारत देश के प्रथम राष्ट्रपति का नाम डॉ० राजेन्द्र प्रसाद है।

(ख) डॉ० राजेंद्र प्रसाद ने देश की मिट्टी को नियामत कहा क्योंकि मिट्टी से हम बहुत-सी चीजें बना सकते हैं परंतु मिट्टी को हम नहीं बना सकते वह तो ईश्वर ने ही बनाई है।

(ग) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद से मिलने आए विदेशी अतिथि का मन उनकी महानता और प्रशंसा से भर उठा।

(घ) विदेशी अतिथि को जब ईश्वर की नियामत मिट्टी के नाचीज होने के स्थान पर अनमोल होने का पता चला तो उसका सिर शर्म से झुक गया।

(ङ) स्वामी रामतीर्थ के पास आई महिला का पुत्र चल बसा था। वह दुखी थी तथा आनंद की प्राप्ति न होने कारण निराश थी।

(च) स्वामी जी ने महिला को समझाया कि निर्धन और अनाथों की सेवा में ही सच्चा आनंद है।

(छ) विनोबा जी ने छात्रों को समझाया कि देश को जोड़ने के लिए मानव-मानव को जुड़ना जरूरी है। देश में मनुष्यों में मत भेद तो हो पर मन भेद न हो तो देश स्वतः ही उन्नत होगा।

(ज) आचार्य बिनोवा भावे के अनुसार यदि देश को जोड़ना है तो पहले मानव को जोड़ना होगा। मानव-मानव जुड़ेगा तो देश स्वतः ही जुड़ जाएगा।

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) वह विदेशी **डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद** के मित्र थे।

(ख) वह तो **ईश्वर** की बनाई हुई है।

(ग) मैं काफी **हताश** हो गई हूँ।

(घ) **निर्धन** व **अनाथों** की सेवा में ही सच्चा आनंद है।

(ङ) मैंने **मनुष्य** को जोड़ा तो **भारतवर्ष** का चित्र अपने आप बन गया।

5. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए–

(क) **आनंद ..... नहीं चलते।**

भाव–रुपये-पैसे से आनंद या खुशी को नहीं प्राप्त किया जा सकता। आनंद या खुशी प्राप्त करने के लिए तो दीन-दुखियों, निर्धन व अनाथों की सेवा करनी पड़ती है।

(ख) **मानव ..... जुड़ जाएगा।**

भाव–यदि देश को एकता के सूत्र में बाँधना है तो सभी मनुष्यों को भाईचारे से एकजुट होना पड़ेगा। जब देश का मानव-मानव जुड़ जाएगा तो देश अपने आप ही एकजुट हो जाएगा।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए–

विदेशी = **व् + इ + द् + ए + श् + ई**

प्रसन्नता = **प् + र् + अ + स् + अ + न् + न् + अ + त् + आ**

वार्तालाप = **व् + आ + र् + त् + आ + ल् + आ + प् + अ**

महिला = **म् + अ + ह् + इ + ल् + आ**

मानचित्र = **म् + आ + न् + अ + च् + इ + त् + र् + अ**

मानवीय = **म् + आ + न् + अ + व् + ई + य् + अ**

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

विदेशी	=	**स्वदेशी**	प्रथम	=	**अन्तिम**	मित्र	=	**शत्रु**
बाहर	=	**अन्दर**	सज्जन	=	**दुर्जन**	अंदर	=	**बाहर**
शिक्षित	=	**अशिक्षित**	दुखी	=	**सुखी**	आनंद	=	**विषाद**
अनाथ	=	**सनाथ**	जोड़ने	=	**घटाने**	उन्नत	=	**अवनत**

3. निम्नलिखित प्रत्ययों का प्रयोग करके दो-दो शब्द बनाइए–

ता	=	**सफलता**	**मधुरता**	दार	=	**हवादार**	**चौकीदार**
ईय	=	**मानवीय**	**भारतीय**	पन	=	**बचपन**	**लड़कपन**
वान	=	**बलवान**	**धनवान**	आवट	=	**मिलावट**	**लिखावट**
मान	=	**सम्मान**	**शक्तिमान**	आहट	=	**घबराहट**	**सरसराहट**

4. उचित क्रिया-रूप द्वारा वाक्य पूर्ण कीजिए–

(क) थोड़ी देर इंतजार करना **पड़ा**।

(ख) इन सबका प्रयोजन समझ में न **आया**।

(ग) क्या मुझे कभी आनंद **मिलेगा**?

(घ) महिला ने बच्चा स्वीकार **कर लिया**।

(ङ) भारत का मानचित्र **बनाना** है।

5. निम्नलिखित शब्दों के हिंदी रूप लिखकर वाक्य बनाइए–

इंतजार = **प्रतीक्षा**

छात्रों को कक्षा में अध्यापक के आने का इंतजार था।

नियामत = **अमूल्य संपत्ति**

मिट्टी ईश्वर की नियामत है।

मुलाकात = **भेंट**

विदेशी अतिथि की मुलाकात डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद से हो गई थी।

नाचीज = **महत्वहीन**

विदेशी अतिथि मिट्टी को नाचीज समझता था।

हताश = **निराश**

महिला अपने पुत्र की मृत्यु के कारण हताश थी।

6. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

वायु	=	**हवा**	**पवन**	**समीर**
मित्र	=	**सखा**	**दोस्त**	**मीत**
भगवान	=	**प्रभु**	**ईश्वर**	**परमात्मा**

7. 'नाचीज' शब्द में 'ना' उपसर्ग है तथा 'अनमोल' शब्द में 'अन' उपसर्ग है। आप 'ना' और 'अन' उपसर्ग लगाकर तीन-तीन शब्द बनाइए–

ना	**नापसंद**	**नादान**	**नामुमकिन**
अन	**अनमोल**	**अनपढ़**	**अनजान**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

9 जैसी संगति बैठिए

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए–

(क) ii. सामाजिक (ख) i. मातृभाषा (ग) iii. वन अधिकारियों ने

(घ) ii. दया, परोपकार, साहस, विवेक आदि गुण आ जाते हैं

(ङ) ii. पंडित रामचंद्र शुक्ल ने

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

(क) मनुष्य को सामाजिक प्राणी इसलिए कहा जाता है क्योंकि मनुष्य समाज में ही जन्म लेता है, पलता और बढ़ता है। जिस प्रकार के लोगों के बीच वह रहता है उसी का प्रत्यक्ष और परोक्ष प्रभाव उस पर पड़ता है।

(ख) सत्संगति में रहने पर मनुष्य में सद्वृत्तियों का विकास संभव है।

(ग) बुरे लोगों के साथ से मनुष्य के अंदर भी बुरी आदतें पनपने लगती हैं।

(घ) हमें अच्छे लोगों के साथ इसलिए रहना चाहिए क्योंकि ऐसे लोगों के साथ से हमारे अंदर भी अच्छी आदतें आती हैं।

(ङ) मित्र ऐसा होना चाहिए जिसके गुणों का न केवल हम मान करें, अपितु वे सबको लुभाने में समर्थ हों।

(च) बंगाल में एक नन्ही बालिका को भेड़िया उठा ले गया था। कुछ वर्ष बाद वन-अधिकारियों ने उस बालिका को भेड़िए के शिकंजे से मुक्त कराया। परंतु इन कुछ वर्षों में वह बालिका भेड़ियों की भाँति चलना-फिरना, खाना तथा आवाज निकालना सीख गई थी। शुरू-शुरू में तो चिकित्सकों तथा मनोवैज्ञानिकों ने उसे आम मनुष्यों की भाँति रखने का प्रयास किया, परंतु अपने वातावरण के इस बदलाव से या अन्य कारणों से वह अधिक दिन तक जीवित नहीं रह पाई। इस प्रकार यह भेड़िया बालिका इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि मानव मन तथा व्यवहार को प्रभावित करता है।

(छ) 'सत्संगति सुगंध से भरपूर उपवन है।''–इस कथन का तात्पर्य यह है कि सत्संगति एक ऐसे बाग के समान है जिसमें रहकर मनुष्य के अंदर दया, परोपकार, साहस, विवेक आदि गुण ऐसे ही विकसित होते हैं जैसे किसी बाग में विभिन्न प्रकार के पुष्प खिलते हैं।

(ज) संगति के प्रति सतर्क रहना इसलिए आवश्यक है क्योंकि बुरी संगति में पड़कर हमारा आचार-व्यवहार बुरा हो जाता है और ये बुराई जीवन भर स्थाई रहती है।

(झ) इस पंक्ति का यह आशय है कि जिस प्रकार काजल की कोठरी में जाने पर न चाहते हुए भी कालिख लग ही जाती है उसी प्रकार कुसंगति से बुरी आदतें स्वतः ही आ जाती हैं।

भाषा बोध

1. उचित स्थान पर अनुस्वार/अनुनासिक का प्रयोग कीजिए–

जगल	=	**जंगल**	गभीर	=	**गंभीर**	कुसग	=	**कुसंग**
सदेह	=	**संदेह**	आख	=	**आँख**	अधकार	=	**अंधकार**
अधेरा	=	**अँधेरा**	कहा	=	**कहाँ**	अत्यत	=	**अत्यंत**
चदन	=	**चंदन**	बधन	=	**बंधन**	भाति	=	**भाँति**

2. 'न' और 'नहीं' का प्रयोग करते हुए दो-दो वाक्य लिखिए–

न जाने आज मोहन इतना उदास क्यों है।
किसी को बुरा न बोलो।
हमें बुरे लोगों की संगति नहीं करनी चाहिए।
अंधी के पास धन नहीं था।

3. 'ही' निपात का प्रयोग करते हुए दो वाक्य बनाइए–

सत्संगति सुगंध से भरपूर वह उपवन है, जिसकी कल्पना ही हमें तरो-ताजा कर देती है।
कुसंग से व्यक्ति व समाज, दोनों का ही अहित होता है।

4. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी लिखिए–

मनुष्य	=	**मानव**	असर	=	**प्रभाव**	शीघ्र	=	**जल्दी**
अंग	=	**भाग**	पवित्र	=	**पावन**	वर्ष	=	**साल**
सोना	=	**स्वर्ण**	संस्कार	=	**आचार-विचार**	अंधकार	=	**अँधेरा**
भयानक	=	**डरावना**						

5. निम्नलिखित शब्दों में आए श, ष और स के उच्चारण पर ध्यान दीजिए–

स्वयं करें।

6. 'चल, उठ, नाच, दौड़' क्रिया शब्दों का प्रयोग कर अकर्मक क्रिया के वाक्य बनाइए–

चल – **बच्चा चल रहा है।** उठ – **बच्चा सोकर उठ गया।**
नाच – **भालू नाच रहा है।** दौड़ – **मोहन दौड़ रहा है।**

7. इत, इक, ता और ई प्रत्यय वाले शब्द पाठ में से छाँटकर लिखिए–

आकर्षित, प्रभावित, जीवित, दार्शनिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, रचनात्मकता,

यूनानी, नन्ही, काणी, छोटी, विध्वंसकारी।

8. **निम्नलिखित शब्दों के वर्णों को उलटा करके पढ़िए–**

इसी प्रकार के छह अन्य शब्द-युग्म लिखिए–

याद ⟶ **दया**	जाता ⟶ **ताजा**	सहसा ⟶ **साहस**
नशा ⟶ **शान**	हरा ⟶ **राह**	सदा ⟶ **दास**
मरा ⟶ राम	मन ⟶ **नम**	

9. **निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए–**

प्राणी = **मनुष्य को सामाजिक प्राणी कहा गया है।**

प्रभाव = **वातावरण का सीधा प्रभाव मानव जीवन पर पड़ता है।**

संसार = **संसार में नकारात्मक प्रवृत्तियाँ सभी को शीघ्र आकर्षित करती हैं।**

कुसंगत = **कुसंगत का हमारे जीवन पर बुरा असर पड़ता है।**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

10 माँ कह एक कहानी

अभ्यास-कार्य

1. **निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए–**

(क) ii. मैथिलीशरण गुप्त (ख) i. कहानी (ग) iii. सुगंध

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर दीजिए–**

(क) लड़के की माँ उसकी नानी की बेटी है।

(ख) राहुल लेटे ही लेटे कहानी सुनाने की बात अपनी माता से कर रहा है।

(ग) राजा राहुल के पिता थे।

(घ) एक कहानी सुनाने की जिद राहुल कर रहा है।

(ङ) यशोधरा अपने बेटे को उसके पिता सिद्धार्थ की कहानी सुना रही है।

(च) "तू मेरी नानी की बेटी!" पंक्ति से कवि का तात्पर्य है कि राहुल कहता है कि–जिस प्रकार नानी कहानी सुना सकती है उसी प्रकार तुम भी नानी की तरह ही कहानियाँ सुना सकती हो।

(छ) जहाँ गौतम बुद्ध भ्रमण करते थे, वहाँ पर सुगन्धित हवा बह रही थी। रंग-बिरंगे तरह-तरह के फूल खिले हुए थे जिन पर ओस की मोती रूपी बूँद पड़ी हुई थीं हवा के झोंकों से बहता पानी लहरा रहा था। पेड़ों पर पक्षी कलरव करते थे। वहाँ का वातावरण इस प्रकार मन मोहक था।

(ज) हंस को देवदत्त ने अपनी स्वार्थ सिद्धि हेतु मारा था।

(झ) हंस का रक्षक सिद्धार्थ था, उसके घाव पर मरहम पट्टी करके, उसे पानी पिलाकर व न्यायालय से उसे प्राप्त कर उसकी रक्षा की।

(ञ) विवाद बढ़ने पर भी यह निर्णय नहीं हो पा रहा था कि वह हंस मारने वाले का है या बचाने वाले का इसलिए बात न्यायालय तक पहुँच गई।

(ट) दया का दानी सिद्धार्थ था।

3. कविता को पढ़कर उत्तर दीजिए–

- कहानी राहुल की माता यशोधरा सुना रही हैं।
- 'तू मेरी नानी की बेटी', राहुल ने अपनी माँ को कहा।
- माँ कहानी पुत्र राहुल को सुना रही हैं।
- माँ राहुल को उसके पिता सिद्धार्थ (गौतम बुद्ध) की कहानी सुना रही हैं।
- उपवन में भ्रमण राहुल के पिता गौतम बुद्ध करते थे।
- उपवन में फूल खिलते थे।
- उपवन के पास बहने वाला पानी लहराता था।
- बच्चा राजा या रानी की कहानी सुनना चाहता है।
- खग कलरव करते हुए मधुर स्वर में गाते थे।
- ऊपर से एक हंस बाण से घायल होकर गिरा।
- घायल हंस को दया के दानी गौतम बुद्ध ने उठाया।
- नया जीवन हंस को मिला।
- निर्णय करने की बात राहुल की माता ने की।
- निरपराध हंस था।
- न्याय और दया का दानी गौतम बुद्ध थे।
- माता ने ही न्याय पक्ष लेने की बात की।
- आहत पक्षी देवदत्त ने माँगा।
- रक्षक गौतम बुद्ध थे।
- हंस पर किसका अधिकार है इस बात पर विवाद हुआ।
- मारने वाले से बचाने वाले का अधिकार अधिक होता है इसलिए यह कहानी प्रसिद्ध हुई।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

कहानी	= **कथा**	माँ	= **जननी**	बेटा	=	**सुत**
राजा	= **नरेश**	उपवन	= **वाटिका**	सुरभि	=	**खुशबू**
फूल	= **पुष्प**	पानी	= **जल**	खग	=	**पक्षी**
आखेटक	= **शिकारी**	हानि	= **नुकसान**	सहसा	=	**अचानक**

2. वाक्यों में प्रयुक्त विराम-चिह्नों को पहचानकर उनके नाम लिखिए–

''माँ, कह एक कहानी''	**अवतरण चिह्न, अल्प विराम**
राजा था या रानी?	**प्रश्नवाचक चिह्न**
तात भ्रमण करते थे तेरे,	**अल्प विराम**

3. काल के तीन भेद होते हैं–

वर्तमान काल–जिसमें उसी क्षण क्रिया के होने का बोध होता है। इन क्रियाओं के अंत में प्रायः 'है, हैं, हो, हूँ' आदि लगा होता है।

भूतकाल–जिसमें बीते हुए समय में क्रिया के होने का बोध हो। इसमें क्रिया के अंत में 'था, थे, थी' आदि का प्रयोग होता है।

भविष्यत् काल–जिसमें आने वाले समय में क्रिया के पूरा होने का बोध होता है।

इसमें क्रिया के साथ 'गा, गे, गी ' का प्रयोग होता है।

निम्नलिखित क्रियाओं का तीनों कालों में प्रयोग कर वाक्य बनाइए–

	वर्तमान काल	भूतकाल	भविष्यत् काल
पकड़ना =	वह शिकारी हिरन पकड़ता है।	शिकारी ने कल एक हिरन पकड़ा था।	वह शिकारी कल हिरन को पकड़ लेगा/या पकड़ेगा।
उड़ना =	आज पिंजरे से चिड़िया उड़ रही है।	कल पिंजरे से तोता उड़ा था।	कल इस पिंजरे से मैना भी उड़ जाएगी/उड़ेगी।
खेलना =	आज वह खो-खो खेलता है।	कल मैंने खो-खो खेला था।	कल रमेश भी खो-खो खेलेगा।
बैठना =	आज उस पेड़ पर हंस बैठा है।	कल पीपल के पेड़ पर बगुला बैठा था।	कल इसी पेड़ पर देख लेना मोर भी बैठेगा।

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

11 दुःख का अधिकार

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए–

(क) iii. पोशाक (ख) i. बुढ़िया (ग) ii. साँप ने

2. निम्नलिखित कथनों के सामने सत्य अथवा असत्य लिखिए–

(क) सत्य (ख) सत्य (ग) असत्य

(घ) असत्य (ङ) सत्य (च) सत्य

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

(क) लेखक के अनुसार कभी कुछ परिस्थितियों में पोशाक ही हमारा बंधन और बड़प्पन बनकर हमें झुकने से रोक लेती है।

(ख) महिला का पुत्र मरने के कारण उसके घर में सूतक लगा था। इसलिए महिला से कोई भी खरबूजे नहीं खरीद रहा था।

(ग) दुःखी महिला के लिए टीका-टिप्पणी करते हुए कुछ लोग कह रहे थे कि–"जवान लड़के को मरे पूरा दिन नहीं बीता और यह दुकान लगाकर बैठी है।" कुछ लोग कहते थे कि–"जैसी नीयत होती है भगवान वैसी ही बरकत देता है।" कोई कहता था कि "ये लोग रोटी के टुकड़े पर जान देते हैं। इनका ईमान-धर्म सब रोटी का टुकड़ा है।"

(घ) भगवाना खरबूजे बेचने वाली महिला का पुत्र था जो साँप के काटने के कारण परलोक सिधार गया था।

(ङ) संभ्रांत महिला के विषय में लेखक ने लिखा है कि–संभ्रांत महिला पुत्र की मृत्यु के बाद अढ़ाई मास तक पलंग से उठ न सकी थीं। उन्हें पंद्रह-पंद्रह मिनट बाद

पुत्र-वियोग में मूर्च्छा आ जाती थी और मूर्च्छा न आने की अवस्था में आँखों से आँसू न रुकते थे। दो-दो डॉक्टर हरदम सिरहाने बैठे रहते थे। हरदम उनके सिर पर बर्फ रखी जाती थी।

(च) अंत में लेखक कहता है कि शोक करने, गम मनाने के लिए भी सहूलियत चाहिए और दुःखी होने का भी एक अधिकार होता है।

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) मनुष्य की **पोशाकें** उन्हें विभिन्न श्रेणियों में बाँट देती हैं।

(ख) खरबूजों के समीप एक **अधेड़ उम्र** की औरत बैठी रो रही थी।

(ग) ये लोग तो **रोटी के टुकड़े** पर जान देते हैं।

(घ) **साँप** ने लड़के को डस लिया।

(ङ) **दुखी** होने का भी एक अधिकार होता है।

5. निम्नलिखित पंक्तियों की व्याख्या अपने शब्दों में कीजिए–

(क) प्रायः ..... आती है।

भाव–मनुष्य की पोशाक से ही उसकी पहचान हो जाती है। किसी मनुष्य की पोशाक देखकर ही हम यह समझ जाते हैं कि वह व्यक्ति गरीब है या अमीर है नेता है या कलाकार है। वह व्यक्ति किस पद से, किस व्यवसाय से जुड़ा है। मात्र व्यक्ति की पोशाक ही उस व्यक्ति का आधा परिचय दे देती है। अतः कह सकते हैं कि प्रायः पोशाक ही समाज में मनुष्य का अधिकार और उसका दर्जा निश्चित करती है।

(ख) **शोक करने ..... होता है।**

भाव–खरबूजे बेचने वाली महिला का पुत्र मृत्यु को प्राप्त हुआ और संभ्रांत महिला का पुत्र भी मृत्यु को प्राप्त हो गया परन्तु दोनों का दुख समान होते हुए भी दुख को सहन करने का तरीका विपरीत था। संभ्रांत महिला के लिए डॉक्टर तक थे देख भाल के लिए समाज के लोग तैयार थे। महिला को शोक और दुख में द्रवित हो आँसू बहाने की सहुलियत थी जबकि खरबूजा बेचने वाली महिला को अपने परिवार का पेट भरने का उपाय ढूँढ़ने के कारण दुख के आँसू भी समाज के लोगों द्वारा टीका-टिप्पणी सुनकर बहाने पड़ रहे थे। लेखक यह अंतर देख कर कहता है कि–शोक करने, गम मनाने के लिए भी सहूलियत चाहिए और दुःखी होने का भी एक अधिकार होता है। जैसे–संभ्रांत महिला को दुखी होने का अधिकार था परन्तु उस गरीब महिला की परिस्थितियों ने उसका यह अधिकार भी छीन लिया था।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए–

पोशाक	= **पोशाकें**	दरवाजा	= **दरवाजे**	खरबूजे	= **खरबूजा**
परिस्थिति	= **परिस्थितियाँ**	दुकानें	= **दुकान**	डलियाँ	= **डलिया**
माता	= **माताएँ**	पोता	= **पोते**		

2. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

पोशाक	= **वेश-भूषा**	घृणा	= **नफरत**	समय	= **काल**

सहसा	=	**अचानक**	भूमि	=	**धरा**	वायु	=	**पवन**
समीप	=	**पास**	उम्र	=	**आयु**	औरत	=	**महिला**
उपाय	=	**तरकीब**	आदमी	=	**पुरुष**	बेटी	=	**सुता**

3. निम्नलिखित वाक्यों में से कारक छाँटकर लिखिए–

(क) मनुष्य की पोशाकें ही उन्हें विभिन्न श्रेणियों में बाँट देती हैं। **मनुष्य की**

(ख) बाजार में फुटपाथ पर कुछ खरबूजे डलिया में रखे थे। **बाजार में, डलिया में**

(ग) लोग घृणा से उस स्त्री के संबंध में बातें कर रहे थे। **स्त्री के**

(घ) दादी ने उन्हें खाने के लिए खरबूजे दिए। **दादी ने, खाने के लिए**

(ङ) दुःखी होने का भी एक अधिकार होता है। **दुःखी होने का**

4. निम्नलिखित मुहावरों को अर्थ सहित वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) मुँह अँधेरे = **सूर्य उदय से पूर्व अँधेरे में**
महिला का पुत्र मुँह अँधेरे खेत पर गया।

(ख) पत्थर दिल होना = **कठोर होना।**
घर की परिस्थितियों के कारण महिला पत्थर दिल हो गई थी।

(ग) रास्ता न मिलना = **समाधान न मिलना**
घर के भूखे बच्चों को देखकर महिला को खरबूजे बेचने से अलग कोई और रास्ता न मिला।

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

12 यमराज का निमंत्रण

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए–

(क) ii. महामाया (ख) i. राजा का भाट

(ग) iii. यमदूत को (घ) i. नरक में

2. निम्नलिखित कथनों के सामने सत्य अथवा असत्य लिखिए–

(क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ङ) असत्य

3. किसने, किससे कहा?

(क) मंत्री ने, राजा से (ख) राजा ने, रानी से

(ग) पंडित गुणगानी ने, राजा से (घ) यमदूत ने, राजा से

(ङ) राजा ने, यमदूत से (च) मंत्री ने, यमदूत से

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

(क) रानी ने राजा की प्रशंसा इन शब्दों में की–"महाराज, आपके समान कोई दूसरा राजा इस धरती पर नहीं है।"

(ख) राजा ने यमदूत को धमकी दी कि मेरे पहरेदार तुम्हारे हाथों में हथकड़ी पहनाकर तुम्हें कालकोठरी में डाल देंगे।

(ग) राजा ने यमदूत से कहा, मैं आपके साथ चलने को तैयार हूँ पर सच मानिए,

मेरे न रहने से राज्य का सारा काम-काज बिगड़ जाएगा। सब लोग समुद्र में कूदकर प्राण दे देंगे। प्रजा अनाथ हो जाएगी। आप विश्वास कीजिए। लोग मेरे बिना बहुत दुखी होंगे। चाहे तो आप रानी, मंत्री, गुणगानी पंडित से पूछकर इस बात की परीक्षा लेकर देख लीजिए।

(घ) यमदूत ने धर्मराज का रूप इसलिए धारण किया ताकि सब लोग सच बोल सकें।

(ङ) यमदूत ने रानी से पूछा–हे महारानी! यह आपके पति का शव है। क्या आप चाहती हैं कि मैं इन्हें जिंदा कर दूँ? फिर यमदूत ने मंत्री से पूछा, राजा का शव देख रहे हो? क्या इन्हें कुछ दिन और संसार में रहना चाहिए। इसके बाद यमदूत ने भाट से कहा, तुम राजा के भाट थे। अब वह संसार में नहीं रहे। तुम उनकी बड़ाई में दो शब्द कह दो।

(च) राजा की मृत्यु के विषय में जानकर रानी बोली, "मैं तो इनसे बहुत परेशान थी। अच्छा है, अब मेरा बेटा राजा बनेगा और मैं राजमाता कहलाऊँगी।" इसके बाद राजा की मृत्यु के बारे में जानकर भाट बोला, "प्रभु क्या कहें। राजा तो ऐसा घमंडी था कि पूछो मत। अपनी झूठी प्रशंसा से फूला रहता था। हम तो झूठी प्रशंसा करते-करते थक गए। अच्छा हुआ जान छूटी। अब हमें और झूठ तो न बोलना पड़ेगा।"

(छ) राजा को रानी, मंत्री और गुणगानी भाट के विषय में यह भ्रम था कि ये सभी मुझसे बहुत प्रेम करते हैं और मेरे बिना नहीं रह सकते। लेकिन जब उसने यमदूत द्वारा उन तीनों के विचारों को जाना तो राजा का वह भ्रम टूट गया।

(ज) इस एकांकी में यह संदेश अंतर्निहित है कि हमें अपने जीवन में हमेशा अच्छे कार्य करने चाहिए तथा दूसरों से अच्छा व्यवहार करना चाहिए क्योंकि अच्छे कर्म और अच्छा व्यवहार करने से ही दूसरे लोग हमारी प्रशंसा करते हैं, हमारा आदर करते हैं। जबरदस्ती किसी से अपनी प्रशंसा करवाना व्यर्थ है।

भाषा बोध

1. निम्न शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

प्रसंसा	=	**प्रशंसा**	परताप	=	**प्रताप**	जूररत	=	**जरूरत**
प्रथवी	=	**पृथ्वी**	दुत	=	**दूत**	प्राथरना	=	**प्रार्थना**
दुष्ठ	=	**दुष्ट**	पराण	=	**प्राण**	सनसार	=	**संसार**

2. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

प्रशंसा	=	**बड़ाई**	रोज	=	**प्रतिदिन**	पुस्तक	=	**किताब**
सच	=	**सत्य**	लक्ष्मी	=	**नारायणी**	आँख	=	**नेत्र**
पृथ्वी	=	**धरती**	सूर्य	=	**भास्कर**	चंद्र	=	**चाँद**
संसार	=	**जगत**	प्रार्थना	=	**विनती**	राजा	=	**नृप**

3. निम्नलिखित शब्दों को बहुवचन में बदलकर लिखिए–

मंत्री	=	**मंत्रियों**	वीर	=	**वीरों**	नारी	=	**नारियाँ**
महल	=	**महलों**	रानी	=	**रानियाँ**	तलवार	=	**तलवारें**

पुस्तक = **पुस्तकें** द्वारपाल = **द्वारपालों** वर्ष = **वर्षों**
पंडित = **पंडितों**

4. निम्नलिखित शब्दों के समास-विग्रह कीजिए–

अन्नदाता	=	**अन्न का दाता**	कालकोठरी	=	**काल की कोठरी**
द्वारपाल	=	**द्वार का पाल**	चंद्र-सूर्य	=	**चंद्र और सूर्य**
धर्मराज	=	**धर्म का राजा**	राजमाता	=	**राजा की माता**
यमदूत	=	**यम का दूत**	महाप्रभु	=	**महान है जो प्रभु**

5. निम्नलिखित वाक्यों में क्रियापद छाँटकर अकर्मक-सकर्मक लिखिए–

(क) गोली मारी = **सकर्मक** (ख) चलाई = **अकर्मक**
(ग) हूँ = **अकर्मक** (घ) रहते हो = **सकर्मक**
(ङ) हो = **अकर्मक।**

6. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखिए–

अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना	**अपनी प्रशंसा स्वयं करना**
गागर में सागर भरना	**थोड़े में अधिक कहना**
आँखों का तारा होना	**बहुत प्यारा होना**
गाँठ बाँध लेना	**सीख लेना**
आसमान से चाँद चुरा लाना	**दुर्लभ कार्य करना**

7. संधि विच्छेद कीजिए–

योगासन	=	**योग + आसन**	युवावस्था	=	**युवा + अवस्था**
नमस्ते	=	**नमः + ते**	परिच्छेद	=	**परि + छेद**
संकल्प	=	**सम् + कल्प**	मनोरथ	=	**मनः + रथ**
पद्धति	=	**पद् + हति**	तपोवन	=	**तपः + वन**
वागीश	=	**वाक् + ईश**	गायक	=	**गै + अक**
अत्यधिक	=	**अति + अधिक**	स्वागत	=	**सु + आगत**
सज्जन	=	**सत् + जन**	परोपकार	=	**पर + उपकार**

8. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन छपे क्रियाविशेषण के भेद लिखिए–

(क) रीतिवाचक क्रियाविशेषण (ख) रीतिवाचक क्रियाविशेषण
(ग) कालवाचक क्रियाविशेषण
(घ) कालवाचक, परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
(ङ) स्थानवाचक, रीतिवाचक क्रियाविशेषण
(च) रीतिवाचक क्रियाविशेषण (छ) कालवाचक क्रियाविशेषण

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

13 मेरी यात्रा

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए–

(क) iii. नक्शे देखने का (ख) ii. एक कील के कारण राज्य खो जाता है
(ग) iii. हठधर्मिता में

2. निम्नलिखित कथनों के सामने सत्य अथवा असत्य लिखिए–

(क) असत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ङ) सत्य

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

(क) लेखक के अनुसार नक्शों की मदद से दूर दुनिया की सैर का मजा लिया जा सकता है। मन रूपी घोड़े पर सवार होकर स्थान बिना छोड़े कहीं पर भी घूम सकते हैं। कोई रोक-टोक या अड़चन नहीं होती। नक्शों में तरह-तरह के रंगों से भी मदद मिल जाती है।

(ख) अमरकंटक और तिरुकुरंगुडि स्थानों के नाम से लेखक आकर्षित हुए।

(ग) लेखक ने यात्रा करने के दो तरीके बताए हैं। एक तरीका यह है कि आप सोच-समझकर निश्चय कर लें कि कहाँ जाना है, कब जाना है, कहाँ-कहाँ घूमना है, कितना खर्च होगा, फिर उसी के अनुसार छुट्टी लीजिए, टिकट कटाइए और चल पड़िए। यह व्यवस्थित तरीका है।

(घ) हमारे अनुसार लेखक का नया दाँत-ब्रुश लेने सोनारी जाने का निर्णय सही था क्योंकि यदि लेखक दाँत ब्रुश लेने सोनारी न जाते तो वह उस अनोखी यात्रा का आनंद न ले पाते और अहोम राजाओं की पुरानी राजधानी का आकर्षण जो आकर्षित कर रहा था उनके मन में ही दबा रह जाता।

(ङ) लेखक उस स्थान के नाम के आकर्षण से शिव सागर जाना चाहते थे।

(च) लेखक ने अंत में बताया है कि वह जितनी यात्राएँ स्थूल पैरों से करते हैं उससे ज्यादा नक्शे देखकर कल्पना रूपी चरणों से कर लेते हैं। आप भी चलते-फिरते नजर आइए। 'रमता राम' इसलिए कहते हैं कि जो रमता नहीं, वह राम नहीं, टिकना तो अंत है।

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) मुझे बचपन से **नक्शे** देखने का शौक है।

(ख) एक कील की वजह से **राज्य** खो जाता है।

(ग) उनमें कइयों पर **साँप** लटक रहे थे।

(घ) नदी किसी गाँव को **लीलती हुई** आई है।

(ङ) **हठधर्मिता** का अपना अनूठा रस होता है।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

नदी	= **सरिता**	जलन	= **ईर्ष्या**	किनारा	= **तट**
अनजान	= **अजनबी**	जिद	= **हठ**	सफर	= **यात्रा**
कपड़ा	= **वस्त्र**	सागर	= **समुद्र**		

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

दूर	= **पास**	वास्तविक	= **अवास्तविक**	फायदा	= **नुकसान**
अपरिचित	= **परिचित**	पसंद	= **नापसंद**	सफेद	= **काला**
गाँव	= **शहर**	खर्च	= **आमदनी**	सवेरे	= **शाम**

पुराना = **नया** अमृत = **विष** ज्यादा = **कम**

3. शब्दों की वर्तनी सही करके लिखिए–

नकसा = **नक्शा** त्रिप्ती = **तृप्ती** ईर्स्या = **ईर्ष्या**
हीमाल्य = **हिमालय** साप = **साँप** शडक = **सड़क**
अनुठा = **अनूठा** परबन्ध = **प्रबन्ध**

4. सही कारक-चिह्न भरकर वाक्यों को पूर्ण कीजिए–

(क) प्याले **में** चाय थी।
(ख) अमित ने रमन **को** खेलने के लिए बुलाया था।
(ग) हमें बच्चों **के लिए** खिलौने खरीदने हैं।
(घ) अनिल अपने बड़े भाई **से** होशियार है।
(ङ) **अरे!** तुम कब आए?
(च) माँ ने सारा सामान छत **पर** रख दिया।
(छ) वसीम **का** भाई आया था।

5. रिक्त स्थानों में रेखांकित शब्दों के उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द भरिए–

(क) <u>विनम्रता</u> से काम लो, इतनी **उद्दंडता** ठीक नहीं।
(ख) शहरों में सड़कें प्रायः <u>पक्की</u> होती हैं और गाँवों में **कच्ची**।
(ग) रमा को आम <u>पसंद</u> हैं लेकिन अंगूर बिलकुल **नापसंद** हैं।
(घ) ऋषि-मुनि <u>शाश्वत</u> प्रश्नों के उत्तर खोजने में अधिक रुचि लेते आए हैं, जबकि आम व्यक्ति **क्षणिक** प्रश्नों में ही उलझा रह जाता है।
(ङ) मुझे **सूखे** रेगिस्तान में घूमना भी अच्छा लगता है और <u>हरे-भरे</u> पहाड़ों में भी।

6. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए पाठ में प्रयुक्त एक शब्द लिखिए–

(क) जिस काल या समय के प्रारंभ का पता न हो = **अनादिकाल**
(ख) किसी बात पर अड़ जाना = **हठ धर्मिता**
(ग) उसी समय की = **तत्कालिक**
(घ) जो घूमने का शौकीन हो = **घुमक्कड़**
(ङ) रेतीला क्षेत्र = **मरुप्रदेश**
(च) समुद्र से घिरा भू-खंड = **द्वीप**

7. निम्नलिखित वाक्यों में सही स्थानों पर विराम-चिह्न लगाकर पुनः लिखिए–

(क) 'तरंगों वाली बस्ती' यह नाम सुनकर क्या आपके मन में तरंग नहीं उठती कि जाकर देखें?
(ख) 'रमता राम' इसलिए कहते हैं कि जो रमता नहीं, वह राम नहीं, टिकना तो अंत है।
(ग) पहले निश्चय कर लें कि कहाँ जाना है, कब जाना है, कहाँ-कहाँ घूमना है, कितना खर्च होगा, फिर उसी के अनुसार छुट्टी लीजिए, टिकट कटाकर चल पड़िए।
(घ) अंग्रेजी में एक कहावत है–'एक कील की वजह से राज्य खो जाता है।'

8. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए–

(क) शौक = **लेखक को घूमने का शौक था।**
(ख) फायदा = **प्रातः घूमने का फायदा स्वस्थ व्यक्ति बता सकता है।**
(ग) समूह = **समूह के साथ मिलकर कोई भी कार्य शीघ्र हो जाता है।**
(घ) इरादा = **मैंने कक्षा में प्रथम आने का पक्का इरादा कर लिया था।**
(ङ) आकर्षण = **प्राकृतिक दृश्यों का आकर्षण देखते बनता था।**
(च) अंदाज = **हर व्यक्ति के बोलने का अलग-अलग अंदाज होता है।**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

14 भारत कोकिला-सरोजिनी नायडू

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए–

(क) iii. 13 वर्ष (ख) ii. इंग्लैंड
(ग) i. 1930 ई0 में (घ) iii. 2 मार्च 1949 को

2. निम्नलिखित कथनों के सामने सत्य अथवा असत्य लिखिए–

(क) सत्य (ख) सत्य (ग) असत्य
(घ) सत्य (ङ) असत्य (च) सत्य

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

(क) सरोजिनी नायडू का जन्म 13 फरवरी, सन् 1879 ई0 को हैदराबाद में हुआ था।
(ख) सरोजिनी नायडू में काव्य-लेखन की विशेष प्रतिभा थी।
(ग) 'द गोल्डेन थ्रेशहोल्ड' नामक पुस्तक से इंग्लैंड का साहित्य जगत विस्मित रह गया।
(घ) सरोजनी नायडू कवयित्री के साथ-साथ उच्च कोटी की नेता भी थीं। स्वतंत्रता संग्राम के प्रचार-प्रसार के साथ ही वे कई बार जेल भी गईं सन् 1925 ई0 में इन्हें राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया और स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात इन्हें उत्तर प्रदेश के राज्यपाल का पद प्रदान किया गया।
(ङ) नारी-उत्थान के लिए उन्होंने नारी मुक्ति और नारी शिक्षा आन्दोलन प्रारम्भ किया।
(च) गांधी जी की मृत्यु सरोजनी नायडू के लिए घातक साबित हुई।

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) तेरह वर्ष की अवस्था में उन्होंने **1300** पंक्तियों की लंबी कविता लिखी।
(ख) उन्हें **भारत कोकिला** की उपाधि प्रदान की गई।
(ग) उनका विवाह **गोविन्दराजुल नायडू** के साथ हुआ।
(घ) **'द गोल्डेन थ्रेशहोल्ड'** पुस्तक की समालोचकों ने एक स्वर से प्रशंसा की।
(ङ) हम भारतवासी सदैव उनके **ऋणी** रहेंगे।

5. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

मेरे गुरु ..... हो गई।

भाव–गाँधी जीं की मृत्यु के पश्चात पूरे भारतवर्ष के उदास हो जाने पर सरोजनी नायडू ने अपनी श्रद्धांजलि में गांधी जी को सम्बोधित करते हुए कहा कि मेरे गुरु, मेरे नेता और मेरे पिता समान उन गांधी जी की आत्मा शांत भाव से विश्राम न करे वरन् गतिमान होकर भारतवासियों की वास्तविक स्वतंत्रता प्राप्ति में सहायक बन जाए जिससे भारतवर्ष आजादी प्राप्त कर पुनर्जीवित हो जाए। अर्थात गांधी जी के विचारों को भारत का प्रत्येक नागरिक अपने विचार बना ले और उनके अधूरे स्वप्न को पूरा करे।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी सही करके लिखिए–

अंर्तजातीय	= **अंतर्जातीय**	रिणी	=	**ऋणी**	
कवियत्री	= **कवयित्री**	साबाशी	=	**शाबाशी**	
परसिद्ध	= **प्रसिद्ध**	उतसाह	=	**उत्साह**	

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

रुचि	= **अरुचि**	उपस्थित	= **अनुपस्थित**	प्रथम	=	**अन्तिम**	
स्वदेशी	= **विदेशी**	वरदान	= **अभिशाप**	परतंत्र	=	**स्वतंत्र**	

3. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थक शब्द लिखिए–

माँ	= **माता**	आश्चर्य	= **अचम्भा**	सुरीली	=	**मधुर**	
पिता	= **जनक**	बेटी	= **पुत्री**	स्वर	=	**आवाज**	
कार्य	= **कर्म**	बालिका	= **कन्या**	स्वतंत्र	=	**आजाद**	
अभिनंदन	= **स्वागत**						

4. निम्नलिखित शब्दों से प्रत्यय अलग करके लिखिए–

शाबाशी	= **ई**	गंभीरता	= **ता**	भारतीय	=	**ईय**	
वैवाहिक	= **इक**	संबोधित	= **इत**	ज्ञानवती	=	**वती**	
वास्तविक	= **इक**	जोशीला	= **ईला**				

5. अंतर्जातीय की भाँति चार शब्द 'अंतर्' लगाकर लिखिए और वाक्य बनाइए–

अंतरात्मा	**सच्ची अंतरात्मा में ईश्वर बसते हैं।**
अंतर्यामी	**ईश्वर अंतर्यामी होते हैं।**
अंतर्ध्वनि	**व्यक्ति, योग द्वारा अंतर्ध्वनि सुनता है।**
अंतर्राष्ट्रीय	**अंग्रेजी अंतर्राष्ट्रीय भाषा है।**

6. नीचे दिए विशेषण शब्दों में 'तर' और 'तम' जोड़कर शब्द बनाइए–

मूल अवस्था	उत्तर अवस्था तर	उत्तम अवस्था तम
श्रेष्ठ	श्रेष्ठतर	श्रेष्ठतम
उच्च	उच्चतर	उच्चतम
न्यून	न्यूनतर	न्यूनतम
सरल	सरलतर	सरलतम
चतुर	चतुरतर	चतुरतम
कठिन	कठिनतर	कठिनतम

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

15 निबाह ले स्वधर्म को

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए–

(क) iii. मानवता (ख) ii. भला (ग) i. मसीबतों से डरने वाला

(घ) i. स्वार्थी (ङ) iii. अमानवीय

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

(क) प्रस्तुत कविता के रचयिता अनिल कुमार शर्मा हैं।

(ख) स्वधर्म से कवि का तात्पर्य वास्तविक धर्म से है। जिसका अनिवार्य रूप से पालन करना चाहिए।

(ग) कविता में असत्यता को त्यागकर सत्य पर विचार करने को कहा गया है।

(घ) मनुष्यता हेतु दया, करुणा, ममता आदि गुणों की आवश्यकता होती है।

(ङ) वर्तमान युग में कथित धर्म का स्वरूप विकृत पाया जाता है।

3. उपयुक्त दृष्टांत देते हुए भाव स्पष्ट कीजिए–

(क) **आँधियों ..... पहले मरा।**

भाव–उपर्युक्त पंक्ति का आशय यह है कि जो मनुष्य मुसीबतों तथा कठिनाइयों से डर जाता है, वह मृत्यु आने से पहले ही मर जाता है। अतः मनुष्य को कठिनाइयों तथा मुसीबतों का डटकर सामना करना चाहिए।

(ख) **कितने ..... छला।**

भाव–उपर्युक्त पंक्ति में कवि कहना चाहता है कि मनुष्य चाहे जितना भी बलशाली तथा धनवान क्यों न हो जाए लेकिन मौत एक ऐसी अटल सच्चाई है जो सभी को आनी हैं। क्योंकि रावण जैसा राजा भी मौत से नहीं बच पाया।

(ग) **इस अधम ..... क्या मिला?**

भाव–उपर्युक्त पंक्ति में कवि संदेश देना चाहता है कि मनुष्य को केवल अपने बारे में सोचकर स्वार्थी नहीं बनना चाहिए क्योंकि केवल इस अधम शरीर का पालन-पोषण करने से कुछ नहीं बनता। ये जितना दूसरे के काम आ जाए उतना ही अच्छा है।

4. संदर्भ सहित भाव स्पष्ट कीजिए–

(क) **मार्ग ..... भला।।**

संदर्भ–उपर्युक्त पंक्तियाँ अनिल कुमार शर्मा द्वारा रचित 'निबाह ले स्वधर्म को' नामक कविता से ली गई हैं। इनमें कवि ने धैर्य के साथ सभी कठिनाइयों का सामना करने का संदेश दिया है।

भावार्थ–कवि कहता है कि चाहे मार्ग कितने ही काँटों भरा हो अर्थात् मार्ग में चाहे कितनी भी कठिनाइयाँ क्यों न आएँ फिर भी हमें धरती के समान धैर्य को धारण करना चाहिए। क्योंकि धैर्य के साथ आगे बढ़ने से तथा परिश्रम करने से जो पेड़-पौधे सूख चुके हैं वे फिर से हरे हो जाएँगे अर्थात् फिर से अच्छे दिन आएँगे। सूरज ने कितने कष्ट झेले हैं, धरती ने कितने ही कष्टों का सामना

किया है लेकिन सत्य इस पृथ्वी से कभी नहीं जाता अर्थात् सत्य हमेशा सर्वोपरि रहता है। अतः हमें सबका भला ही करना चाहिए क्योंकि दूसरों का भला करने से अपना भी भला होता है।

(ख) **निज ..... हो भला।**

संदर्भ–प्रस्तुत पंक्तियाँ अनिल कुमार शर्मा द्वारा लिखित 'निबाह ले स्वधर्म को' नामक कविता से ली गई हैं। इनमें कवि ने स्वार्थी न बनकर परमार्थी बनने को कहा है।

भावार्थ–कवि कहता है कि जो केवल अपने बारे में ही सोचता है उसको मनुष्य नहीं कहते। जो धर्म की दुहाई देकर अर्थात् धर्म का नाम लेकर अधर्म करते हैं गलत कार्य करते हैं वे मनुष्य की श्रेणी में नहीं आते। और इस शरीर को पालकर अर्थात् इसी की देख-रेख करके क्या मिलेगा। इसलिए हे मनुष्य! तुम्हें भलाई के कार्य करने चाहिए, क्योंकि यदि तुम ऐसा करोगे तो तुम्हारा भला अपने-आप ही हो जाएगा।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

धैर्य	=	**अधैर्य**	धर्म	=	**अधर्म**	मृत्यु	=	**जन्म**
गुण	=	**अवगुण**	मनुष्यता	=	**दानवता**	भला	=	**बुरा**
स्वार्थ	=	**परमार्थ**	नीचता	=	**महानता**	सत्य	=	**असत्य**
कांटे	=	**फूल**						

2. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ स्पष्ट कीजिए–

अधम	=	**नीच/दुष्ट**	मनुष्य	=	**मानव**	तृण	=	**तिनका**
तरु	=	**वृक्ष**	अधर्म	=	**अन्याय**	मनुष्यता	=	**मानवता**
स्वधर्म	=	**अपना धर्म**	मर्म	=	**भेद**			

3. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण शब्द बनाइए–

धर्म	=	**धार्मिक**	कठोर	=	**कठोरता**	धैर्य	=	**धैर्यपूर्वक**
अधर्म	=	**अधर्मी**	स्वार्थ	=	**स्वार्थी**	शत्रु	=	**शत्रुता**

4. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

मार्ग	=	**रास्ता**	**पथ**	**राह**
वृक्ष	=	**तरु**	**पेड़**	**पादप**
धरती	=	**धरा**	**पृथ्वी**	**वसुधा**
सूरज	=	**सूर्य**	**भास्कर**	**दिनकर**

5. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी सही करके लिखिए–

अधरम	=	**अधर्म**	मोत	=	**मौत**	तरीण	=	**तृण**
असतयता	=	**असत्यता**	तरू	=	**तरु**	निरभय	=	**निर्भय**
मारग	=	**मार्ग**	प्रथवी	=	**पृथ्वी**			

6. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उचित उपसर्ग पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क)	स्वधर्म	→	**स्व (✓)**	सु धर्म
(ख)	असत्य	→	अस्	**अ (✓)** त्य

(ग)	स्वार्थ	→	अर्थ	सु	**स्व (✓)**
(घ)	परिपक्व	→	**परि (✓)**	पक्व	पर

7. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए–

मनुष्यता = **हमें मनुष्यता को अपने जीवन का अंग बनाना चाहिए।**

दीपक = **दीपक खुद अँधेरे में रहकर दूसरों को प्रकाश देता है।**

असत्यता = **हमें अपने जीवन से असत्यता को निकालने का प्रयास निरंतर करना चाहिए।**

तृण-तरु = **जल के अभाव में सभी तृण-तरु मुरझा जाते हैं।**

देह = **मनुष्य देह मुश्किल से मिलती है।**

स्वधर्म = **व्यक्ति को स्वधर्म के अनुसार आचरण करना चाहिए।**

8. हिंदी भाषा में अनेक ऐसे शब्द हैं जो एकार्थक प्रतीत होते हैं और एक-दूसरे के पर्याय लगते हैं किंतु उनके अर्थ में सूक्ष्म-सा अंतर होता है। निम्न में से प्रत्येक का अर्थ इस प्रकार लिखिए कि उनका अंतर स्पष्ट हो जाए–

			अर्थ	**वाक्य**
(क)	अस्त्र	–	फेंककर चलाया जाने वाला हथियार	राम ने रावण पर अस्त्र से वार किया।
	शस्त्र	–	हाथ में पकड़कर चलाया जोने वाला हथियार	डाकू ने राजा पर शस्त्र चलाया।
(ख)	अनुरोध	–	आग्रहपूर्ण निवेदन	शिव ने अपने जन्म-दिन पर आने के लिए मित्रों से अनुरोध किया।
	प्रार्थना	–	ईश मनन, याचना	शिवम मंदिर जाकर हमेशा प्रार्थना करता है।
(ग)	अधिक	–	ज्यादा	बच्चों का शोर बहुत अधिक था।
	पर्याप्त	–	संतोषजनक	मेरे लिए इतना भोजन पर्याप्त है।
(घ)	इच्छा	–	चाह	मेरी इच्छा मीठा खाने की है।
	अभिलाषा	–	कामना	पुष्प की अभिलाषा है कि उसे वीरों के पथ पर डाला जाए।
(ङ)	अमूल्य	–	अनमोल	पानी अमूल्य है।
	बहुमूल्य	–	बहुत कीमती	हीरा बहुमूल्य है।

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

16 पिता का पत्र

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए–

(क) i. लड़की होने को कमजोरी नहीं समझना है।

(ख) iii. महिलाओं को महत्त्वपूर्ण भूमिकाओं से अलग रखा गया।

(ग) iii. पिता अपनी दुनिया में ही व्यस्त थे।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

(क) पिता ने पुत्री को पत्र उस अवसर पर लिखा जब पुत्री को कैंसर जैसी असाध्य बीमारी के बारे में शोध करने तथा उपलब्धि हासिल होने पर गोल्ड मेडल मिलना था।

(ख) पिता के लिए दोहरी खुशी यह है कि एक तो पुत्री और पिता दोनों ने मिलकर जो लक्ष्य तय किया था वह पूरा हुआ और दूसरा पिता के मन में जो अपराध-बोध पल रहा था, आज उससे उसे मुक्ति मिली।

(ग) पिता कहते हैं कि जब तुम मास्क लगाकर कैंसर के जानलेवा सैल्स इकट्ठे करने के लिए अस्पताल-अस्पताल घूमती हो तो मुझे तुम पर गर्व होता है।

(घ) पिता ने यह भूल की थी कि अपनी पढ़ने योग्य बहन को एक साधारण लड़की समझकर उस पर ध्यान नहीं दिया जिससे बहन पढ़ नहीं पाई। उन्होंने अपना भूल-सुधार अपनी बेटी को पढ़ाकर किया।

(ङ) पिता ने अपनी पुत्री से कहा है–हमें दो स्तर पर लड़ाई लड़नी है–एक तो पुराने संस्कारों से, दूसरे इस नई उपभोक्ता संस्कृति से जो स्त्री के सम्मान को बार-बार चोट पहुँचाती है।

(च) जैविक सच्चाई का तात्पर्य यह है लड़की होने में औरत का कोई हाथ नहीं है और सामाजिक सच्चाई से तात्पर्य यह है कि हमारे समाज में आज भी लड़कियों को बोझ समझा जाता है तथा लड़की पैदा होने पर एक औरत का निरादर किया जाता है।

(छ) पत्र के आधार पर निरूपमा बुआ का व्यक्तित्व इस प्रकार का था–निरूपमा बुआ हर काम बहुत जल्दी सीख लेती थी तथा पढ़ाई के साथ-साथ माँ के काम में हाथ बँटाती, पिता जी के नहाने के लिए गरम पानी रखती, छत पर कपड़े सूखने डालती। घर के सारे काम करने के साथ-साथ निरूपमा बुआ पढ़ाई में भी बहुत होशियार थी।

(ज) पिता का व्यवहार अपनी बहन के साथ वैसे तो ठीक था लेकिन जब बहन ने उनसे आगे पढ़ने के लिए कहा था तब उन्होंने उनकी बात पर कोई ध्यान नहीं दिया था। अपनी उसी भूल का प्रायश्चित करने के लिए उन्होंने अपनी बेटी को खूब पढ़ाया।

(झ) विज्ञान ने आज सिद्ध कर दिया है कि लड़की होना सिर्फ एक जैविक सच्चाई है।

(ञ) पत्र के अंत में पिता अपनी पुत्री से गोल्ड मेडल लेते हुए एक फोटो अपनी नीरू बुआ को भेजने को कहते हैं क्योंकि बुआ को बहुत अच्छा लगेगा।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) घर में प्यार से सब उसे **छुटकी** पुकारते थे।
(ख) बहुत प्यारी थी मेरी **बहन**।
(ग) तुम तो **विज्ञान की** विद्यार्थी हो।
(घ) **लड़की** होना सिर्फ एक जैविक है।
(ङ) मैं मानता हूँ कि स्त्रियों के लिए आज भी बहुत कुछ नहीं **बदलो**

भाषा बोध

1. समान ध्वनि वाले दो-दो शब्द बनाइए–

सकारात्मक	=	**कथात्मक**	**नकारात्मक**
सजावटी	=	**दिखावटी**	**बनावटी**
बिकाऊ	=	**दिखाऊ**	**टिकाऊ**
गड़गड़ाहट	=	**खड़खड़ाहट**	**बड़बड़ाहट**

2. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

इच्छा	=	**चाह**	**अभिलाषा**
समारोह	=	**उत्सव**	**आयोजन**
बुद्धिमान	=	**अक्लमंद**	**होशियार**
कठिन	=	**दुष्कर**	**मुश्किल**

3. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए–

गूँज	=	**ग् + ऊ + ँ + ज् + अ**
हॉल	=	**ह् + ऑ + ल् + अ**
प्रक्रिया	=	**प् + र् + अ + क् + र् + इ + म् + आ**
उपलब्धि	=	**उ + प् + अ + ल् + अ + ब् + ध् + इ**
मुक्ति	=	**म् + उ + क् + त् + इ**

4. रेखांकित शब्दों के कारक-भेद लिखिए–

(क) करण कारक (ख) संबंध कारक (ग) अपादान कारक
(घ) अधिकरण कारक (ङ) अधिकरण कारक।

5. निम्नलिखित वाक्यों में खाली स्थानों की पूर्ति कि/की लिखकर कीजिए–

(क) क्या तुम विद्यालय **की** पिकनिक पर जाओगी?
(ख) माँ ने बताया **कि** कल मेरी नानी आएँगी।
(ग) पेड़ **की** डाली फूलों से लदी हुई है।
(घ) पिता जी **की** चिट्ठी आई है।
(ङ) उन्होंने लिखा है **कि** उनका तबादला हो गया है।

6. रंगीन शब्दों के अर्थ रिक्त स्थानों में लिखिए–

(क) गांधीजी की आत्मकथा पढ़कर मन में अनेक **भाव** उठने लगे। **भावना**
(ख) आजकल सब्ज़ियों के **भाव** बढ़ गए हैं। **मूल्य**
(ग) बिजली के **तार** को मत छूना। **बिजली का तार**

(घ) पिताजी ने कोलकाता से **तार** भेजा है। **पत्र**

(ङ) रस्सी जल गई पर **बल** नहीं गया। **घमंड**

(च) भारी सामान उठाने के लिए **बल** लगाना होगा। **ऊर्जा**

7. इनमें से किन्हीं चार का वाक्य में प्रयोग कीजिए–

1. भारतीय संस्कृति की छाप **देश-विदेश** तक देखने को मिलती है।
2. राम ने मोहन से पूछा कि आपका घर-परिवार **ठीक-ठाक** है।
3. इस समय मोदी का प्रचार **घर-घर** में है।
4. **बड़े-बूढ़े** अपने अनुभव के अनुसार हमेशा सत्य बोलते हैं।

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

17 मॉरीशस–अद्‌भुत देश

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए–

(क) iii. पोर्ट लुई (ख) i. अंग्रेजी (ग) i. गन्ना

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

(क) अमेरीकी लेखक मार्क ट्‌वेन ने मॉरीशस के बारे में कहा है कि ईश्वर ने स्वर्ग रचने से पहले इस द्‌वीप की रचना की थी।

(ख) मॉरीशस में अफ्रीका, चीन, भारत, यूरोप, पुर्तगाल आदि देशों के निवासी रहते हैं।

(ग) मारीशस दो प्रकार का मौसम होता है, नवंबर से अप्रैल तक गर्मी और मई से अक्टूबर तक सरदी। वर्षा का मौसम अनिश्चित है। इस छोटे-से भूखंड में एक ही समय में भिन्न-भिन्न स्थानों पर अलग-अलग मौसम रहता है।

(घ) पांपलेमुस नामक उद्‌यान यहाँ का एक प्रसिद्‌ध स्थान है जो अद्‌वितीय सौंदर्य से भरपूर है। छायादार वृक्ष, लताओं के सघन कुंज, हरी-हरी घास, पारदर्शी सरोवर, कल-कल करती नहरें, सरोवरों में रंग-बिरंगे परात जैसे बड़े-बड़े पत्तों वाले कमल पुष्प भरे पड़े हैं। पक्षियों का मधुर कलरव जैसे पर्यटकों का स्वागत गीत गाता प्रतीत होता है।

(ङ) मॉरीशस के सागर-तट विश्व में प्रसिद्‌ध हैं। क्योंकि यहाँ बारहों मास तैराकी, गोताखोरी और मछली पकड़ सकते हैं। दूर-दूर तक फैला समुद्री पानी का झाग दूधिया नदी-सा प्रतीत होता है। प्रकृति का ऐसा दुर्लभ और अनूठा रूप देखकर मन ठगा-सा रह जाता है।

(च) यहाँ की मुख्य फसल गन्ना है। यहाँ की सरकार को इससे तथा पर्यटन से आय होती है।

(छ) यहाँ सरकार की ओर से प्रत्येक नागरिक के लिए दवा और इंटरमीडिएट तक की शिक्षा निःशुल्क है। उच्च शिक्षा भी सस्ती है।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) यहाँ की कुल आबादी लगभग **13 लाख** है।

(ख) **अंग्रेजी** यहाँ की राजभाषा है।

(ग) **पांपलेमुस** यहाँ का एक प्रसिद्ध उद्यान है।

(घ) इस द्वीप का समुद्री तट **177 किलोमीटर** लंबा है।

(ङ) मॉरीशस एक **साफ-सुथरा** देश है।

(च) भारत और मॉरीशस में **आत्मीयता** और **एकरूपता** दिखाई देती है।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

स्वर्ग	=	**नकर**	पहले	=	**बाद में**	धरती	=	**आकाश**
प्राचीन	=	**नवीन**	रात्रि	=	**दिवस**	प्राकृतिक	=	**कृत्रिम**
दाएँ	=	**बाएँ**	कम	=	**ज्यादा**	मधुर	=	**कटु**
सरदी	=	**गरमी**						

2. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

समुद्र	=	**सागर**	तालाब	=	**सरोवर**	विश्व	=	**संसार**
पानी	=	**जल**	भूमि	=	**धरा**	त्योहार	=	**उत्सव**
प्रातः	=	**भोर**	ईश्वर	=	**भगवान**	सघन	=	**घनी**
लोकप्रिय	=	**प्रसिद्ध**	मधुर	=	**सुरीली**	कलरव	=	**चहचहाना**

3. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए–

लेखक	=	**लेखकों**	विमान	=	**विमानों**	तरंगों	=	**तरंग**
सड़कें	=	**सड़क**	भाषा	=	**भाषाएँ**	संस्कृतियों	=	**संस्कृति**
गन्ना	=	**गन्ने**	त्योहार	=	**त्योहारों**			

4. निम्नलिखित शब्दों के लिंग निर्धारित कीजिए–

किसान	=	**पुल्लिग**	पर्यटक	=	**पुल्लिग**	संस्कृति	=	**स्त्रीलिंग**
स्थान	=	**पुल्लिग**	सरोवर	=	**पुल्लिग**	राजधानी	=	**स्त्रीलिंग**
हवा	=	**स्त्रीलिंग**	भोजपुरी	=	**स्त्रीलिंग**	प्रकृति	=	**स्त्रीलिंग**
भारत	=	**पुल्लिग**						

5. सही विकल्प चुनिए–

(क) i. सौंदर्य (ख) ii. अद्‌वितीय

(ग) ii. अंतरिक्ष (घ) iii. रहन-सहन

6. 'इक' प्रत्यय जोड़कर बने तीन शब्द पाठ में से ढूँढ़कर लिखिए और वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

प्राकृतिक = हवा, जल, फल, अन्न आदि मानव के लिए प्राकृतिक उपहार हैं।

नागरिक = प्रत्येक नागरिक को स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

साहित्यिक = साहित्यिक एवं कलात्मक गतिविधियाँ हमारे देश में होती रहती हैं।

7. अब जातिवाचक संज्ञा, विशेषण, क्रिया और सर्वनाम से दो-दो भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए–

मित्र = मित्रता/पशु = पशुता
शिष्ट = शिष्टता/ऊँचा = ऊँचाई
भूलना = भूल/चलना = चाल
सर्व = सर्वस्व/मम = ममता

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

18 छोटा जादूगर

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए–

(क) ii. कार्निवल मैदान में
(ख) i. छोटा जादूगर
(ग) i. बीमार
(घ) ii. स्वाभिमान

2. निम्नलिखित कथनों के सामने सत्य अथवा असत्य लिखिए–

(क) असत्य
(ख) असत्य
(ग) सत्य
(घ) असत्य
(ङ) सत्य
(च) सत्य

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

(क) कार्निवल के मैदान में लेखक को छोटा जादूगर मिला।
(ख) माँ की दवाई, पथ्य और अपना पेट भरने के लिए लड़का खेल दिखाता था।
(ग) लेखक की पत्नी से प्राप्त एक रुपए का लड़के ने अपनी माँ के लिए एक सूती कंबल खरीदा।
(घ) लेखक लड़के के साथ पहले शरबत की दुकान पर शरबत पीने तथा निशाना लगाने वाली दुकान पर गया। अंत में लड़के की झोपड़ी पर गया।
(ङ) लेखक द्वारा 'लड़के' शब्द कहे जाने पर उस लड़के ने कहा "छोटा जादूगर कहिए, यह मेरा नाम है; इसी से मेरी जीविका चलती है।" इस प्रसंग से लड़के के स्वाभिमानी होने का पता चलता है।

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) **कार्निवाल** के मैदान में बिजली जगमगा रही थी।
(ख) हँसी और विनोद का **कलनाद** गूँज रहा था।
(ग) जादूगर तो बिलकुल **निकम्मा** है।
(घ) उसकी **वाणी** में कहीं बनावट न थी।
(ङ) बालक को आवश्यकता ने कितना शीघ्र **चतुर** बना दिया।

5. किसने, किससे कहा–

(क) **लेखक ने छोटे जादूगर से**
(ख) **छोटे जादूगर ने लेखक से**
(ग) **लेखक ने छोटे जादूगर से**
(घ) **लेखक की पत्नी ने छोटे जादूगर से**
(ङ) **लेखक की पत्नी ने छोटे जादूगर से**
(च) **लेखक ने छोटे जादूगर से**

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए–

स्फूर्ति = **स् + फ् + ऊ + र् + त् + इ**
प्रगति = **प् + र् + अ + ग् + अ + त् + इ**
जादूगर = **ज् + आ + द् + ऊ + ग् + अ + र् + अ**
रुपया = **र् + उ + प् + अ + य् + आ**
समाप्त = **स् + अ + म् + आ + प् + त् + अ**

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उपयोगी =	**अनुपयोगी**	खड़ा =	**बैठा**	मोटी =	**पतली**
विषाद =	**हर्ष**	आकर्षित =	**अनाकर्षित**	विश्वास =	**अविश्वास**
बड़ा =	**छोटा**	अच्छा =	**बुरा**	मित्र =	**शत्रु**
स्वीकार =	**अस्वीकार**	प्रातः =	**सायं**	प्रसन्नता =	**अप्रसन्नता**
बीमार =	**तंदरुस्त**	छाया =	**धूप**		

3. निम्नलिखित द्वित्व व्यंजनों से तीन-तीन शब्द बनाकर लिखिए–

त्त	=	**छत्ता**	**सत्ता**	**पत्ता**
क्क	=	**मक्का**	**चक्की**	**पक्का**
प्प	=	**गोलगप्पा**	**पप्पू**	**चप्पू**
च्च	=	**बच्चा**	**कच्चा**	**सच्चा**
द्द	=	**गद्दा**	**भद्दा**	**उद्देश्य**

4. निम्नलिखित वाक्यों में से उद्देश्य एवं विधेय छाँटिए–

(क) एक जादूगर — पास जाकर देखा तो वहाँ था।
(ख) वह — स्वयं पत्ते फैलाकर खेल दिखाता।
(ग) मैंने — खेल देखकर उसे एक रुपया
(घ) वह — जब आया उसकी माँ मर चुकी थी।

5. निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए–

(क) उस (ख) क्यों, तुमने, इसमें, क्या (ग) तुम्हीं
(घ) वही (ङ) उससे

6. निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय लगाकर दोबारा लिखिए–

स्फूर्ति	=	**स्फूर्तिमान**	आवश्यक	=	**आवश्यकता**
लाभ	=	**लाभदायक**	बल	=	**बलवान**
प्रसन्न	=	**प्रसन्नता**	धैर्य	=	**धैर्यवान**
जाति	=	**जातिवाद**	रंग	=	**रंगीन**
बेल	=	**बेलदार**	ईमान	=	**ईमानदार**
अपमान	=	**अपमानित**	व्यग्र	=	**व्यग्रता**

7. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

बिजली	=	**विद्युत**	**चपला**	**दामनी**
पंकज	=	**कमल**	**नीरज**	**अंबुज**
वृक्ष	=	**तरु**	**पेड़**	**विटप**
पक्षी	=	**खग**	**चिड़िया**	**विहग**
पानी	=	**जल**	**नीर**	**तोय**
आँख	=	**नयन**	**नेत्र**	**लोचन**

8. अपूर्ण भूतकाल के पाँच वाक्य लिखिए–

(क) कल मैदान में प्रतियोगिता हो रही थी। (ख) वहाँ भोजन बँट रहा था।
(ग) रमेश कल से पढ़ रहा था। (घ) सरोवर पर हंस आ रहे थे।
(ङ) वहाँ मोर नाच रहे थे।

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

19 चाँद खिलौना

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए–

(क) i. बीमार पड़ गई (ख) iii. एक चाँद
(ग) ii. जोकर ने (घ) ii. अपने अँगूठे के नाखून जितना
(ङ) i. उसे जंजीर में डालकर गले में लटका लिया

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

(क) राजा इसलिए उदास था क्योंकि बीमारी राजकुमारी की हालत में किसी भी प्रकार का सुधार नहीं हो रहा था।
(ख) राजा ने प्रधानमंत्री, प्रधान सेनापति, खंजाची और जोकर को बुलाकर उनसे चाँद लाने के लिए कहा।
(ग) जोकर ने राजकुमारी से पूछा, बताओ चाँद कितना बड़ा है, किस चीज का बना है और कितनी ऊँचाई पर है।
(घ) राजकुमारी ने जोकर को बताया, चाँद मेरे अँगूठे के नाखून के बराबर है, सोने का बना है, और पेड़ के बराबर ऊँचाई पर है।
(ङ) जोकर और राजा ने योजना बनाई कि सुनार से एक सोने का चाँद बनवाकर राजकुमारी को दे दिया जाए।
(च) सोने का बना चाँद पाकर राजकुमारी की तबियत ठीक हो गई।
(छ) राजा को यह चिंता खाए जा रही थी कि जब राजकुमारी खिड़की से चाँद देखेगी तो सोचेगी कि उसके पिता ने उससे झूठा वादा किया था।
(ज) अंत में जोकर ने राजकुमारी से सवाल किया, "अच्छा राजकुमारी, जरा यह तो बताओ कि जब चाँद तुम्हारे गले में लटका है तो फिर आसमान में कैसे निकल आया।" राजकुमारी ने हँसकर उत्तर दिया, "तुम मूर्ख हो। जब मेरा एक दाँत टूट जाता है तो दूसरा निकल आता है। उसी तरह दूसरा चाँद निकला है।"

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) एक बार **राजकुमारी** बीमार पड़ गई।
(ख) मैं उससे **खेलूँगी** तो मेरी **तबियत** ठीक हो जाएगी।
(ग) राजा के दरबार में बहुत से **योग्य** व्यक्ति थे।

(घ) मैं कल तक **राजकुमारी** के लिए **चाँद खिलौना** ले आऊँगा।

(ङ) जब मेरा एक **दाँत** टूट जाता है तो दूसरा **निकल** आता है।

4. किसने, किससे कहा?

(क) राजकुमारी ने, राजा से। (ख) राजा ने, राजकुमारी से।

(ग) राजा ने, प्रधानमंत्री से। (घ) राजा ने, खंजाची से।

(ङ) जोकर ने, राजा से। (च) राजकुमारी ने, जोकर से।

भाषा बोध

1. निम्नलिचिखत शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

प्यार = **नफरत** मूर्ख = **चतुर** योग्य = **अयोग्य**

ऊँचाई = **निचाई** प्रबंध = **कुप्रबंध** झूठा = **सच्चा**

2. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार और अनुनासिक लगाकर लिखिए–

प्रबध = **प्रबंध** आख = **आँख** चाद = **चाँद**

जजीर = **जंजीर** प्रधानमत्री = **प्रधानमंत्री** दात = **दाँत**

3. 'न' और 'नहीं' का प्रयोग करते हुए वाक्य लिखिए–

- मुझे मना करने की आदत नहीं है।
- तुम यहाँ न आना।
- ये फूल न तोड़ना।
- मुझे तुम्हारा अहसान नहीं चाहिए।
- जो आज हुआ, वह आगे नहीं होना चाहिए।
- अभी नहीं, लेकिन जल्दी ला दूँगा।

4. निम्नलिखित वाक्यों में करण कारक और अपादान कारक की पहचान कीजिए–

(क) अपादान (ख) करण (ग) अपादान

(घ) अपादान (ङ) आपदान

5. अनेक मुहावरे मानव अंगों के नाम पर आधारित हैं। जैसे–
इसी प्रकार नीचे लिखे अंगों से संबंधित मुहावरे लिखिए–

आँख	**आँख लगना**
दाँत	**दाँत खट्टे करना**
होंठ	**होंठों पर लाली छाना**
कान	**कान खड़े होना (लज्जित होना)**
पैर	**पैर उखड़ जाना**
उँगली	**उँगली उठाना**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

20 एक तिनका

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए–

(क) i. अहंकार (ख) iii. रात (ग) iii. अकड़

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

(क) प्रस्तुत कविता के रचयिता अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' जी हैं।

(ख) कविता में कवि ने अपने आप को घमंडी कहा है।

(ग) अचानक कवि की आँख में एक छोटा सा तिनका आकर गिर गया। इस घटना से कवि की समझ में यह आ गया कि एक छोटा सा तिनका ही घमंडी व्यक्ति के घमंड को चूर कर सकता है। इसलिए ऐंठ और घमंड से दूर रहना चाहिए। इस प्रकार कवि अपनी अकड़ को भूल गया।

(घ) काफी प्रयत्न करने के बाद कवि की आँख से तिनका निकल गया।

(ङ) तिनका निकलने पर कवि की समझ में आ गया कि घमंड नहीं करना चाहिए क्योंकि छोटा सा एक तिनका ही घमंड नष्ट करने के लिए या परेशान करने के लिए बहुत है।

(च) कवि इस कविता के माध्यम से यह कहना चाहते हैं कि मनुष्य को कभी घमंड और ऐंठ नहीं दिखानी चाहिए। सभी को समान दृष्टि से देखना चाहिए। छोटे-बड़े का भेद-भाव नहीं करना चाहिए।

(छ) प्रस्तुत कविता से हमें शिक्षा मिलती है कि इस संसार में न कोई छोटा है और न कोई बड़ा। मानव का व्यवहार ही मानव-मानव में परिवर्तन लाता है। इसलिए कभी घमंड नहीं करना चाहिए। सब को समान दृष्टि से देखना चाहिए।

3. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

(क) मैं **घमंडों में भरा** ऐंठा हुआ,
एक दिन जब था मुँडेर पर खड़ा।
आ **अचानक दूर से उड़ता हुआ**,
एक तिनका आँख में मेरी पड़ा।

(ख) जब **किसी ढब से निकल तिनका गया**,
तब 'समझ' ने यों मुझे ताने दिए।
ऐंठता **तू किसलिए इतना रहा**,
एक तिनका है बहुत तेरे लिए।

4. निम्नलिखित पद्यांश का भावार्थ लिखिए–

जब किसी ढब ..... बहुत तेरे लिए।

भावार्थ–जब कवि की आँख से तिनका उसे परेशान करके निकल गया तब उसकी समझ में आ गया कि वह इतना घमंड क्यों कर रहा था। उसका घमंड तो एक छोटे से तिनके ने ही तोड़ दिया था। अर्थात एक छोटा सा तिनका ही उसका घमंड तोड़ने के लिए बहुत था।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के उचित समानार्थक शब्दों पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

घमंड	–	**अहंकार**	**घमंडी**	ऐंठ	–	**अकड़न**	**अकड़**
मुँडेर	–	**दरवाजा**	**छज्जा**	पाँव	–	**पैर**	**माथा**

2. निम्नलिखित शब्दों के तुकांत शब्द लिखिए–

खड़ा	=	**पड़ा**		भरा	=	**हरा**

भगी = **लगी** दिए = **लिए**

3. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए–

समझ = **पुस्तक को पढ़कर अपनी समझ बढ़ानी चाहिए।**

घमंड = **घमंड करना बुरी आदत है।**

अचानक = **आज सुबह अचानक तेज वर्षा हुई।**

झिझक = **सुबह माँ के उठाने पर राहुल झिझक उठा।**

तिनका = **चिड़िया तिनका-तिनका लाकर घोंसला बनाती है।**

4. निम्नलिखित को पढ़िए और इनके सामने कविता की वह पंक्ति लिखिए जिसमें इनका प्रयोग हुआ है–

ऐंठना = **मैं घमंड़ों में भरा ऐंठा हुआ,**

दबे पाँव भाग जाना = **ऐंठ बेचारी दबे पाँवों भगी।**

ताने देना = **तब 'समझ' ने यों मुझे ताने दिए।**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

21 पिता का न्याय

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित पंक्तियाँ पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए–

(क) i. देश-विदेश में (ख) ii. आत्मा के ज्ञान को प्रधानता देगी

(ग) ii. घोषणा करवा दी (घ) i. प्रधान + ता

(ङ) i. राजा की कुमारी

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

(क) पांचाल देश की राजकुमारी रूप तथा गुण में अद्‌वितीय थी।

(ख) ऋषिकुमार सुधन्य से केशनी ने विवाह करने का निश्चय इसलिए किया क्योंकि सुधन्य को आत्मज्ञान था।

(ग) केशनी और सुधन्य के विवाह की बात पर सभी को आश्चर्य इसलिए हुआ क्योंकि केशनी एक राजकुमारी थी और सुधन्य एक निर्धन ऋषिकुमार था।

(घ) केशनी ने विरोचन के सामने शर्त रखी कि वाद-विवाद में आप दोनों (सुधन्य और विरोचन) में जो विजयी होगा, मैं उसी के साथ विवाह करूँगी, पर जो हार जाएगा, उसे दूसरे के चरण पखारने पड़ेंगे।

(ङ) सुधन्य के साथ विवाह की बात सुनकर विरोचन ने केशनी से कहा, "राजकुमारी, मैंने सुना है कि तुम ऋषिकुमार सुधन्य के साथ विवाह करने जा रही हो। उसके साथ विवाह करने से तुम्हें कौन सा सुख मिलेगा। वह तो निर्धन है। तुम मुझसे विवाह कर लो। मेरे साथ विवाह करने से तुम्हें अपार सुख प्राप्त होगा, तुम आजीवन सुखी रहेगी।"

(च) विरोचन इसलिए जल्दी पहुँच गया क्योंकि वह तीव्रगामी घोड़ों वाले रथ पर आया था और सुधन्य को पहुँचने में देर इसलिए हो गई क्योंकि वह पैदल

चलकर आया था।

(छ) वाद-विवाद में विरोचन धन को महत्व दे रहा था और सुधन्य ज्ञान को महत्व दे रहा था।

(ज) विरोचन के पिता की दृष्टि में विरोचन और सुधन्य में से सुधन्य श्रेष्ठ था। वे पुत्र-मोह के कारण निर्णय नहीं ले पा रहे थे।

(झ) इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि धन तो धीरे-धीरे खत्म हो जाता है परंतु ज्ञान रूपी धन कभी भी खत्म नहीं होता है अतः हमें ज्ञान-रूपी धन इकट्ठा करने का प्रयत्न करना चाहिए।

3. निम्नलिखित वाक्य किसने और किससे कहे?

(क) केशनी ने, विरोचन से। (ख) सुधन्य ने, विरोचन से।

4. निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए–

(क) **धन नाशवान ..... नहीं है।**

भाव–उपर्युक्त पंक्तियों का आशय है कि धन नाश होने वाली वस्तु है। अतः हमें ऐसी वस्तु को इकट्ठा नहीं करना चाहिए जो नष्ट होने वाली हो। बल्कि हमें ऐसी वस्तु का संग्रह करना चाहिए जो कभी नष्ट न हो और ऐसी वस्तु ज्ञान के अलावा और कोई नहीं है।

(ख) **आप राजा ..... होती है।**

भाव–प्रस्तुत पंक्तियों में जब विरोचन ने सुधन्य को अपने बराबर में बैठने को कहा, तो सुधन्य बोला, दो समान व्यक्ति ही एक-दूसरे के बराबर में बैठ सकते हैं और मुझमें और आपमें कोई समानता नहीं है। क्योंकि आप एक राजा हैं और मैं एक मामूली सा ऋषिपुत्र हूँ। आपके पास बहुत सारी धन संपदा है और मेरे पास विद्या के अलावा कुछ भी नहीं है।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

तीव्र	=	**मन्द**	विनाश	=	**निर्माण**
देश	=	**विदेश**	निश्चित	=	**अनिश्चित**
पिता	=	**माता**	पुत्री	=	**पुत्र**
निर्धन	=	**धनी**	उत्तर	=	**प्रश्न**
दानव	=	**देव**	राजा	=	**रंक**

2. निम्नलिखित उपसर्गों से बने एक-एक शब्द पाठ में से चुनकर लिखिए और एक-एक अन्य भी लिखिए–

अ	–	**अद्वितीय**	**अविश्वास**
वि	–	**विदेश**	**विज्ञान**
निः	–	**निश्चय**	**निःसंदेह**
आ	–	**आजीवन**	**आमरण**

3. निम्नलिखित समस्तपदों का समास-भेद पहचानिए–

(क) ऋषिकुमार – **तत्पुरुष समास**

(ख) वाद-विवाद – **द्वंद्व समास**

(ग) रूप-गुण – **द्वंद्व समास**

(घ) घुड़सवार – **तत्पुरुष समास**
(ङ) राजभवन – **तत्पुरुष समास**
(च) आदर-सत्कार – **द्वंद्व समास**
(छ) धन-संपदा – **द्वंद्व समास**

4. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए

विवाह	=	**शादी**	**पाणिग्रहण**	धन	=	**रुपया**	**मुद्रा**
निर्धन	=	**गरीब**	**धनहीन**	सुंदर	=	**रमणीय**	**सुरम्य**
मनुष्य	=	**मानव**	**मनुज**	पति	=	**स्वामी**	**नाथ**
विश्वास	=	**भरोसा**	**यकीन**	सत्य	=	**सच**	**सही**
पुत्र	=	**बेटा**	**सुत**	उत्तर	=	**जवाब**	**हल**
पृथ्वी	=	**धरती**	**धरा**				

5. पाठ से तीनों प्रकार की दो-दो संज्ञाएँ ढूँढ़कर लिखिए–

व्यक्तिवाचक संज्ञा	–	**विरोचन**	**सुधन्य**
जातिवाचक संज्ञा	–	**राजकुमारी**	**देश**
भाववाचक संज्ञा	–	**ज्ञान**	**गुण**

6. अब आप अर्थ लिखकर वाक्य द्वारा अंतर स्पष्ट कीजिए–

(क) दिन – **गरमियों के दिन बड़े होते हैं।**
दीन – **उस भिखारी की बड़ी ही दीन अवस्था थी।**
(ख) अन्न – **सुबह से अन्न का एक दाना भी मुँह में नहीं गया।**
अन्य – **रमा प्रभा से बोली, फिल्मों के अलावा कोई अन्य बात करो।**
(ग) कोश – **मैंने एक हिंदी का शब्द-कोश खरीदा है।**
कोष – **राजकोष में बहुत सारी स्वर्ण मुद्राएँ थीं।**
(घ) कपट – **रावण छल-कपट से सीताजी को ले गया।**
कपाट – **ग्रहण पड़ने से पहले मंदिरों के कपाट बंद हो जाते हैं।**
(ङ) सुना – **रोहित ने पूरा पाठ याद करके मुझे सुना दिया।**
सूना – **बेटे के पढ़ने के लिए विदेश जाने पर दीपा का घर सूना हो गया।**

7. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए–

(क) ख्याति – **राजकुमारी के रूप और गुण की ख्याति चारों तरफ फैल गई थी।**
(ख) निर्धन – **ऋषिकुमार बहुत निर्धन था।**
(ग) तीव्रगामी – **विरोचन के पास तीव्रगामी घोड़ों वाला एक रथ था।**
(घ) निर्णायक – **विरोचन ने अपने पिता को निर्णायक बनाए जाने पर अपनी सहमति दे दी।**
(ङ) शर्त – **राजकुमारी की शर्त के अनुसार ऋषिकुमार से उसका विवाह हो गया।**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

1 इतने ऊँचे उठो

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) iii. दोनों (ख) ii. वसुधा का (ग) i. विकल (घ) ii. ठंडा

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) नदी का जल हिमगिरि के हिम (बर्फ) से निकलता है।

(ख) जल ऊँचे शिखरों से उतरकर पहाड़ की चट्टानों पर गिरता हुआ बहता है।

(ग) हिम-पत्थर पिघलकर धरती का स्वच्छ जल बन गए हैं।

(घ) नदी का जल लगातार बहता रहता है।

3. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए-

(क) कितना **शीतल, कितना निर्मल,**
हिमगिरि के हिम से निकल-निकल।
यह विमल **दूध-सा हिम का जल,**
कर-कर **निनाद कल-कल, छल-छल**।

(ख) **कितना कोमल, कितना** वत्सल,
रे **जननी का वह अंतस्तल**।
जिसका यह शीतल करुणा जल,
बहता **रहता युग-युग अविरल**।

4. कविता के सही तुकांत शब्दों का मिलान कीजिए-

(क)	जल	(i)	विमल
(ख)	विह्वल	(ii)	जीवन-भर
(ग)	दिन-भर	(iii)	अविरल
(घ)	पिघल	(iv)	विकल
(ङ)	अंतस्तल	(v)	कल

5. सही कथन के सामने (✓) का व गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए-

(क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए-

लघू	=	**लघु**	सीतल	=	**शीतल**
निरमल	=	**निर्मल**	नीनाद	=	**निनाद**
चटठान	=	**चट्टान**	ककड़	=	**कंकड़**
वसूधा	=	**वसुधा**	अँजलि	=	**अंजलि**

2. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-

जल	=	पानी	सरिता	=	नदी
दिन	=	दिवस	गिरि	=	पहाड़

शिखर	=	चोटी	वसुधा	=	पृथ्वी
नित	=	रोजाना	मृदु	=	कोमल
दूध	=	दुग्ध	कोमल	=	मुलायम
निर्मल	=	स्वच्छ	जननी	=	माता

3. निम्नलिखित को पढ़िए और जानिए-

स्वयं करें।

4. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

लघु	=	**लघु** सरिता का जल निर्मल और शीतल है
विमल	=	गंगा का जल बहुत ही कोमल और **विमल** है।
विह्वल	=	वह भूख से **विह्वल** है।
चंचल	=	**चंचल** तितली फूल-फूल पर जाती है
मृदु	=	सरिता का **मृदु** जल पीकर पार्थक ने प्यास बुझाई।
कोमल	=	फूल बहुत **कोमल** होते हैं।
अविरल	=	नदियों का जल **अविरल** बहता रहता है।

5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

लघु	=	**दीर्घ**	ठंडा	=	**गर्म**
दिन	=	**रात**	कोमल	=	**कठोर**
धरती	=	**आकाश**	शुद्ध	=	**अशुद्ध**

6. रंगीन छपे शब्दों के वचन बदलकर लिखिए-

(क) **सैनिकों** ने कदम-ताल की।
(ख) **कारखाने** बंद हो गए।
(ग) **बच्चा** बारिश में नहा रहा है।
(घ) मैंने अतिथिगण से कुछ नहीं कहा।
(ङ) **छात्राएँ** पढ़ रही हैं।
(च) **पक्षियों** को मत सताओ।
(छ) डाल पर **कली** खिल रही है।
(ज) चर्च में **मोमबत्तियाँ** जल रही हैं।

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

2 बाबा आमनाथ की अमराई

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

उत्तर- (क) i. सिरमौर राज्य के नाहन नगर में
(ख) iii. भिक्षा और आम का अचार
(ग) iii. कुछ धनी-मानी लोग
(घ) ii. आम के अधिक से अधिक पेड़ लगाने का

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-

(क) बाबा आमनाथ अपने शिष्यों के साथ इधर-उधर घूमा करते थे। भिक्षा माँग कर खाते और योगाभ्यास करते थे। जो जगह ठीक लगती वहाँ जम जाते। मन उचट जाने पर डेरा उठाकर आगे बढ़ जाते थे।

(ख) बाबा ने अपने एक शिष्य को यह आदेश दिया कि वह राजा के यहाँ से भिक्षा माँग लाए। साथ ही शिष्य को उन्होंने विशेष रूप से यह भी बताया कि वह भोजन सामग्री के साथ आम का अचार लाना न भूले।

(ग) आम केवल धनी वर्ग के कुछ लोग ही खरीद पाते थे क्योंकि आम की फसल खराब हो जाने के कारण कुछ वर्षों से वहाँ आम का अकाल पड़ गया था और महँगे आम मँगवाने की हैसियत धनी वर्ग की ही थी।

(घ) राजभंडारी ने शिष्य को आम का अचार बहुत कम होने के कारण नहीं दिया मंत्री ने शिष्य से कहा कि अपने गुरु से जाकर कहना कि रोज-रोज आम का अचार नहीं मिलेगा। आम का आचार यदि इतना ही अच्छा लगता है, तो क्यों नहीं कहीं अमराई लगाकर बैठ जाते हैं निठल्ले घूमते रहने से क्या फायदा।

3. सही वाक्य के सामने (✓) का तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का चिह्न लगाइए-

(क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓

4. सही जोड़े बनाइए-

(क)	राजमहल में पहुँचकर	(i)	आम का अचार लेकर पहुँचा।
(ख)	शिष्य, भोजन सामग्री के साथ	(ii)	किसी इच्छा की पूर्ति नहीं की जा सकती।
(ग)	राजभंडारी ने	(iii)	शिष्य ने आवाज लगाई।
(घ)	निठल्ले रहकर	(iv)	आम का अचार देने से मना कर दिया।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

उत्तर-

समय	**काल**	**वक्त**	राजा	**नृप**	**महीप**
पेड़	**तरु**	**वृक्ष**	गुरु	**अध्यापक**	**शिक्षक**
शिष्य	**चेला**	**शिक्षार्थी**	नियम	**रीति**	**परंपरा**

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

उत्तर- (क) उपवाक्य तीन प्रकार के होते हैं।

(ख) ऐसे दो उपवाक्य जो आपस में स्वतंत्र होते हैं परस्पर आश्रित नहीं होते, उन्हें संयुक्त वाक्य कहते हैं।

(ग) जब किसी वाक्य में एक से अधिक उपवाक्य हों और एक उपवाक्य में मुख्य उद्देश्य तथा मुख्य विधेय हो तो वह प्रधान उपवाक्य होता है।

(घ) प्रधान उपवाक्य में कही गई बात का संबंध जिस उपवाक्य से होता है, वह आश्रित उपवाक्य होता है।

3. स्वतंत्र, प्रधान तथा आश्रित उपवाक्य के दो-दो उदाहरण लिखिए-

उत्तर- (क) स्वतंत्र उपवाक्य-(i) हमने भोजन किया और अंत्याक्षरी शुरू कर दी।

(ii) हम कक्षा में पहुँचे और पढ़ना शुरू कर दिया।

(ख) प्रधान उपवाक्य-(i) पकड़े हुए लड़के ने बताया कि वह एक भिखारी है और यहाँ भीख माँगने आया हैं।

(ii) हमारे नए पड़ोसी ने बताया कि उनका तबादला यहाँ हुआ है, और वे यहाँ रहने आए हैं।

(ग) आश्रित उपवाक्य-(i) नीम का एक पेड़ था, जिसके कोटर में एक अजगर रहता था।

(ii) पीपल का एक वृक्ष था, जिस पर दो कौए रहते थे।

4. निम्नलिखित वाक्याशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए-

उत्तर-	**तपस्वी**	**यात्री**	**दूरदर्शी**
	अनुज	**अग्रज**	**साप्ताहिक**
	मासिक	**दैनिक**	**चिकित्सक**
	वाचाल	**पुलिसकर्मी**	**ज्योतिषी**

5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

उत्तर-	प्रदान	=	**आदान**	अनिवार्य	=	**ऐच्छिक**
	महँगा	=	**सस्ता**	विनम्र	=	**उद्दंड**
	इधर	=	**उधर**	संतुष्ट	=	**असंतुष्ट**

क्रियात्क-कार्य

3 एक कुत्ता और एक मैना

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) ii. श्रीनिकेतन (ख) i. दर्शन (ग) ii. मैना में

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) गुरुदेव ने स्वास्थ्य अच्छा न होने के कारण शांतिनिकेतन छोड़कर श्रीनिकेतन में रहने का फैसला किया।

(ख) गुरुदेव कुत्ते की स्वामिभक्ति का वर्णन करते हुए कहते हैं कि "प्रतिदिन प्रातःकाल यह भक्त कुत्ता स्तब्ध होकर आसन के पास तब तक बैठा रहता है, जब तक अपने हाथों के स्पर्श से मैं इसका संग नहीं स्वीकार करता। इतनी-सी स्वीकृति पाकर ही इसके अंग-अंग में आनंद का प्रवाह बह उठता है। इस वाक्यहीन प्राणीलोक में सिर्फ यही एक जीव अच्छा-बुरा सबको भेदकर संपूर्ण मनुष्य को देख सका है, जिसे प्राण दिया जा सकता है, जिसमें अहैतुक (स्वार्थ-रहित) प्रेम ढाल दिया जा सकता है। जिसकी चेतना असीम चैतन्य लोक में राह दिखा सकती है।

(ग) जब गुरुदेव की चिताभस्म कोलकाता से आश्रम में लाई गई, उस समय भी न

जाने किस सहज बोध के बल पर वह कुत्ता आश्रम के द्वार तक आया और चिताभस्म के साथ अन्य आश्रमवासियों के साथ शांत-गंभीर भाव से उत्तरायण तक गया। आचार्य क्षितिमोहन सबके आगे थे। उन्होंने मुझे बताया है कि वह चिताभस्म के कलश के पास थोड़ी देर चुपचाप बैठा भी रहा।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) वे सबसे ऊपर की **मंजिल** में रहने लगे।
(ख) आश्रम के **अधिकांश लोग** बाहर चले गए थे।
(ग) गुरुदेव यहाँ बड़े **आनंद** में थे।
(घ) उस समय एक **लँगड़ी मैना** फुदक रही थी।
(ङ) **सायंकाल** कवि ने उसे नहीं देखा।

4. सही वाक्य के सामने (✓) का तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का चिह्न लगाइए-

(क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✗

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए-

(क) श्रीनिकेतन में गुरुदेव आश्रम के लोगों के साथ रहते थे।
(ख) कुत्ते को देखकर गुरुदेव को आश्चर्य हुआ?
(ग) मनुष्य, मनुष्य के अंदर मानव-सत्य नहीं देख पाता?
(घ) गुरुदेव की चिताभस्म कोलकाता से आश्रम लाई गई?
(ङ) गुरुदेव को मैना की चाल में वैराग्य का गर्व दिखता था?
(च) लेखक के सामने मैना की करुण मूर्ति तब साकार होती है जब लेखक रविन्द्रनाथ द्वारा मैना पर लिखी कविता पढ़ते हैं।

6. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए-

भावार्थ- प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से लेखक बताना चाहता है कि किसी कवि की मर्म भेदी दृष्टि भाषा हीन जीव को कि जब वह उस भाषा हीन मूक हृदय वाले प्राण अर्थात कुत्ते के द्वारा किया गया प्राणों से प्रिया आत्म निवेदन देखते हैं। जिसमें वह अपनी दीन को दिखाता है तब वे समझ नहीं पाते हैं कि कुत्ते ने अपनी सहज सी बुद्धि से मानव के किस स्वरूप की किस कल्पना की होगी उस भाषा हीन दृष्टी वाले की करूण व्याकुलता मनुष्य के विषय में जो कुछ समझती है उसे न बोल सकने के कारण समझा नहीं पाती है परंतु कवि यह समझ जाता है कि मानव का सच्चा परिचय क्या है।

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में दीजिए-

(क) गुरुदेव (ख) रवींद्रनाथ टैगोर (ग) एक कुत्ते पर

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए और वाक्य में प्रयोग कीजिए-

स्तब्ध = हैरान
रामू शेर को देखकर **स्तब्ध** रह गया।
सर्वव्यापक = सब जगह व्याप्त
ईश्वर **सर्वव्यापक** हैं।
प्रगल्भ = निर्लज्ज

मनीष आलसी और **प्रगल्भ** बालक है।

अस्तगामी = छिपता हुआ

वे **अस्तगामी** सूर्य की ओर एकटक देख रहे थे।

2. हिंदी में कुछ शब्दों के दो-दो रूप प्रचलित और मान्य हैं। निम्नलिखित शब्दों का दूसरा प्रचलित रूप लिखिए।

गरम	=	**गर्म**	बरफ	=	**बर्फ**
गरदन	=	**गर्दन**	सरदी	=	**सर्दी**
बरतन	=	**बर्तन**	कुरसी	=	**कुर्सी**
बिलकुल	=	**बिल्कुल**	मरजी	=	**मर्जी**

3. निम्नलिखित शब्दों में 'सु', 'कु' या 'स' उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए और वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

पात्र = **सुपात्र** – वे इस कहानी के **सुपात्र** हैं।

परिवार = **सपरिवार** – हम इस कार्यक्रम में **सपरिवार** आएँगे।

रस = **सरस** – कबीर के **सरस** पदों को सुनने के लिए लोग उत्सुक रहते थे।

दर्शन = **सुदर्शन** – कृष्ण के चक्र को **सुदर्शन** चक्र हैं।

पुत्र = **कुपुत्र** – **कुपुत्र** अपने माता-पिता का अनादर करत हैं।

फल = **सफल** – पांडव अपनी योजना में **सफल** हुए थे।

चाल = **कुचाल** – सभी जानवर लोमड़ी की **कुचाल** को समझ गए।

4. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए-

जो-जो = **जो-जो** तुमने कहा मैंने वह सब सुन लिया।

कोई = बाहर **कोई** खड़ा है।

किस = यह दवा **किस** काम आती है?

अपना = वह **अपना** काम स्वयं करता है।

जो कुछ = तुमने **जो कुछ** कहा अच्छा नहीं कहा।

5. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन लिखिए-

कुरसी	=	**कुर्सियाँ**	कविता	=	**कविताएँ**
भाषा	=	**भाषाएँ**	चिड़िया	=	**चिड़ियाँ**
मंजिल	=	**मंजिलें**	छुट्टी	=	**छुट्टियाँ**
मुहावरा	=	**मुहावरे**	कमरा	=	**कमरे**
आँख	=	**आँखें**	सीढ़ी	=	**सीढ़ियाँ**

6. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए-

हँसना	=	**हँसी**	बोलना	=	**बोल**
गुरु	=	**गुरुत्व**	मुस्कराना	=	**मुस्कराहट**
अच्छा	=	**अच्छाई**	एक	=	**एकत्व**
जीना	=	**जीवन**	देव	=	**देवत्व**

7. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए-

विद्यार्थी = **विद्या** + **अर्थी**

काव्यांश = **काव्य** + **अंश**

गणेश = **गण** + **ईश**

उद्योग = **उत्** + **योग**

8. निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्दों को छाँटकर लिखिए-

(क) वे (ख) हमने, उनके (ग) मेरी, यह

(घ) उसी, उनका (ङ) वह, अपनी (च) मैं, उनके

9. निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण छाँटकर लिखिए-

हरी कमीज	=	**हरी**	मीठा आम	=	**मीठा**
लंबा लड़का	=	**लंबा**	चार पुस्तकें	=	**चार**
पाँचवीं मंजिल	=	**पाँचवीं**	थोड़ा पानी	=	**थोड़ा**

10. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी सही करके लिखिए-

गुरूदेव	=	**गुरुदेव**	कठिनाइ	=	**कठिनाई**
अस्तगामि	=	**अस्तगामी**	संपुर्ण	=	**संपूर्ण**
प्राणिलोक	=	**प्राणीलोक**	उपस्थीत	=	**उपस्थित**
तृप्ती	=	**तृप्ति**	मनुश्य	=	**मनुष्य**
आस्चर्य	=	**आश्चर्य**	चेतन्य	=	**चैतन्य**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

4 सुभागी

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) i. बेटी (ख) iii. कामचोर

(ग) i. वह छोटी उम्र में ही विधवा हो गई थी

(घ) i. तीन हजार

(ङ) ii. अपने बेटे से शादी करने के लिए

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर दीजिए-

उत्तर- (क) रामू तुलसी महतो का बेटा तथा सुभागी का भाई था।

(ख) सारा गाँव सुभागी की बड़ाई इसलिए करता था क्योंकि एक तो वह दो आदमियों जितना काम करती थी, दूसरे वह माँ-बाप की सेवा भी करती थी।

(ग) तुलसी ने रामू के जन्मोत्सव में कर्ज लेकर जलसा किया और सुभागी पैदा हुई तो घर में रुपये होते हुए भी एक कौड़ी खर्च नहीं की। अंत समय में तुलसी ने महसूस किया कि पुत्र को रत्न समझा था, पुत्री को पूर्वजन्म के पापों का दंड। वह रत्न कितना कठोर निकला और यह दंड कितना मंगलमय।

(घ) सजनसिंह ने सुभागी से अपने बेटे की बहू बनने की प्रार्थना की।

(ङ) सुभागी एक सहनशील, मेहनती तथा ईमानदार लड़की थी।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) तुलसी ने सुभागी और **रामू** दोनों की शादी कर दी।

(ख) उसने **घर** का सारा काम सँभाल लिया।

(ग) गाँव के मुखिया सजनसिंह बड़े **सज्जन** पुरुष थे।

(घ) पति के **देहांत** के बाद से ही लक्ष्मी का दाना-पानी छूट गया।

4. किसने, किससे कहा?

उत्तर- (क) रामू ने मुखिया से (ख) सुभागी ने रामू ने

(ग) लक्ष्मी ने सुभागी से (घ) मुखिया ने सुभागी से

(ङ) सुभागी ने मुखिया से

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए और संधि का नाम भी लिखिए-

उत्तर-

उद्धार	=	**उत्**	+	**धार**	–	**व्यंजन संधि**
रवींद्र	=	**रवि**	+	**इंद्र**	–	**स्वर संधि**
दुश्शासन	=	**दुः**	+	**शासन**	–	**विसर्ग संधि**

2. निम्नलिखित वाक्यों में काल के उचित भेद पर सही (✓) का चिह्न लगाइए-

उत्तर- (क) (iii) भविष्यत् काल (ख) (i) वर्तमान काल

3. पाठ में प्रयुक्त मुहावरों का अर्थ लिखकर स्वरचित वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तर- (क) आपे से बाहर हो जाना = **(अत्यधिक क्रोधित होना)**

अपने दुश्मन सोहनलाल को देखकर अशर्फीलाल **आपे से बाहर हो गया।**

(ख) जीवन पहाड़ लगना = **(जीवन बड़ा लगना)**

छोटी उम्र में ही विधवा हो जाने पर सुभागी को अपना **जीवन पहाड़ लगने लगा।**

(ग) दाँतों तले अँगुली दबाना = **(हैरान हो जाना)**

सुभागी को दिन-रात काम करते देख गाँव के लोग **दाँतों तले अँगुली दबा लेते थे।**

(घ) चलने की बेला होना = **(अंतिम समय आना)**

जब लक्ष्मी बहुत बीमार हो गई तो सुभागी समझ गई कि उनके **चलने की बेला हो गई है।**

क्रियात्मक-कार्य

उत्तर-छात्र स्वयं करें।

5 गिल्लू

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) ii. सोनजूही में (ख) ii. कौवे (ग) iii. दो वर्ष का

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) सोनजूही की कली को देखकर लेखिका को 'गिल्लू गिलहरी' की याद आई, क्योंकि वह उससे बहुत स्नेह करती थी।

(ख) गिल्लू एक समझदार प्राणी था क्योंकि लेखिका के दुर्घटना में घायल होकर

अस्पताल में रहने पर गिल्लू ने दुख में अपना प्रिय खाद्य पदार्थ काजू भी नहीं खाया था।

(ग) हमारे पूर्वजों को पितरपक्ष में हमसे कुछ पाने के लिए कौआ बनकर ही उपस्थित होना पड़ता है इसलिए कौए को लेखिका ने समादरित कहा। कौए की कर्कश ध्वनि के कारण सब उसे भगाते हैं इसलिए कौए को लेखिका ने अनादरित कहा। कौआ हमारे दूरस्थ प्रियजनों के आने का संदेश देता है इसलिए लेखिका ने उसे अतिसम्मानित कहा। कौए के काँव-काँव करने के कारण लेखिका ने उसे अवमानित कहा।

(घ) गल्लू स्वयं खिड़की पर लटकी डलिया को हिलाकर अपने घर में झूलता और अपनी काँच के मनकों-सी आँखों से कमरे के भीतर और खिड़की से बाहर न जाने क्या देखता-समझता रहता था। जब लेखिका लिखने बैठती तब अपनी ओर उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए- वह लेखिका के पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरता। उसका यह दौड़ने का क्रम तब तक चलता, जब तक लेखिका उसे पकड़ने के लिए न उठती।

कभी-कभी घंटों मेज पर दीवार के सहारे खड़ा रहकर वह अपनी चमकीली आँखों से लेखिका का क्रियाकलाप देखता रहता।

भूख लगने पर चिक्-चिक् करके मानो वह लेखिका को सूचना देता और काजू या बिस्कुट मिल जाने पर उसी स्थिति में लिफाफे से बाहर वाले पंजों से पकड़कर कुतरता रहता।

लेखिका के कमरे से बाहर जाने पर वह खिड़की की खुली जाली की राह बाहर चला जाता और दिनभर गिलहरियों के झुंड का नेता बना, हर डाल पर उछलता-कूदता रहता और ठीक चार बजे वह खिड़की से भीतर अपने झूले से झूलने लगता। वह लेखिका के साथ बैठकर खाना खाता।

(ङ) गिल्लू लेखिका के साथ उसकी थाली में से खाना खाता था। इसलिए गिल्लू लेखिका के घर के पशु-पक्षियों में अपवाद था।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) सोनजूही में आज एक **पीली कली** लगी है।

(ख) मेरे **काकपुराण** के विवेचन में अचानक बाधा आ पड़ी।

(ग) वही **दो वर्ष** गिल्लू का घर रहा।

(घ) फिर गिल्लू के जीवन का **प्रथम बसंत** आया।

(ङ) सोनजूही की लता के नीचे गिल्लू को **समाधि** दी गई।

4. सही कथन के सामने (✓) का तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए-

(क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✓

5. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) **आशय-**लेखिका ने गिलहरी के बच्चे का विशेष नाम गिल्लू रखकर उसकी जतिवाचक संज्ञा को व्यक्तिवाचक संज्ञा का रूप दे दिया अर्थात उस लघु प्राण को गिलहरी (जातिवाचक) से गिल्लू (व्यक्तिवाचक) बना दिया।

(ख) लेखिका कहती है कि सुबह की पहली किरण पड़ते ही गिल्लू की मृत्यु हो गई।

भाषा बोध

1. **निम्नलिखित शब्दों के अर्थ समान प्रतीत होते हुए भी प्रयोग में सूक्ष्म अंतर लिए हुए हैं। इसी अंतर को स्पष्ट करते हुए इन शब्द-युग्मों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

अवमानित = कौआ मनुष्य से **अवमानित** होता रहा है।
अपमानित = **अपमानित** राजा बदला लेने को आतुर हो रहा था।
आश्वस्त = वह अपनी सफलता के प्रति **आश्वस्त** था।
विश्वस्त = रमन रवि का **विश्वस्त** मित्र था।
आयु = उसकी **आयु** अधिक हो गई है।
अवस्था = वह अब **युवा-अवस्था** में आ गया है।
जननी = हम भारत की धरती को **जननी** मानते हैं।
माता = **माता** कभी अपनी संतान का बुरा नहीं चाहती।

2. **निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग, मूल शब्द व प्रत्यय अलग-अलग कीजिए-**

शब्द		**उपसर्ग**	**मूल शब्द**	**प्रत्यय**
दुर्गंधित	=	**दुर्**	**गंध**	**इत**
सुगंधित	=	**सु**	**गंध**	**इत**
सम्मानित	=	**सम्**	**मान**	**इत**
अवमानित	=	**अव**	**मान**	**इत**
अस्वस्थता	=	**अ**	**स्वस्थ**	**ता**
समादरित	=	**सम्**	**आदर**	**इत**
अनादरित	=	**अन्**	**आदर**	**इत**
नीरोगी	=	**नी**	**रोग**	**ई**

3. **'उसका दौड़ने का क्रम तब तक चलता रहता जब तक मैं उसे पकड़ने के लिए न उठती।' रेखांकित शब्द-समूह कालबोधक क्रियाविशेषण हैं।**
इसी प्रकार के क्रियाविशेषणों का प्रयोग करते हुए तीन वाक्य बनाइए-
1. जब तक मैं न आऊँ तब तक तुम यहीं रहना।
2. वह तब तक लड़ता रहा जब तक उसके प्राण न निकल गए।
3. हमें तब तक परिश्रम करते रहना चाहिए जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।

4. **निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-**

सोनजूही = स् + ओ + न् + अ + ज् + ऊ + ह् + ई
हरीतिमा = ह् + अ + र् + ई + त् + इ + म् + आ
स्वर्णिम = स् + व् + अ + र् + ण् + इ + म् + अ
अवमानित = अ + व् + अ + म् + आ + न् + इ + त् + अ
विवेचन = व् + इ + व् + ए + च् + अ + न् + अ
पीताभ = प् + ई + त् + आ + भ् + अ

5. निम्नलिखित प्राणियों की बोलियों के नाम लिखिए-

मोर	=	पिहु-पिहु	मुरगा	=	कुकड़ूँ-कूँ
गधा	=	ढेंचूँ-ढेंचूँ	कबूतर	=	गुटर-गूँ
कौवा	=	काँव-काँव	तोता	=	टें-टें
कोयल	=	कुहू-कुहू	कुत्ता	=	भौं-भौं

6. निम्नलिखित जातिवाचक संज्ञाओं को व्यक्तिवाचक संज्ञाओ का रूप दीजिए-

गिलहरी	=	**गिल्लू**	कौवा	=	**काकभुशुंडि**
अभिनेत्री	=	**करीना कपूर**	नेता	=	**सरदार पटेल**
पर्वत	=	**हिमालय**	मीनार	=	**कुतुबमीनार**
अभिनेता	=	**मनोज कुमार**	इमारत	=	**राष्ट्रपति भवन**

7. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

लघु	=	**दीर्घ**	बच्चा	=	**बूढ़ा**
सम्मानित	=	**अपमानित**	सवेरा	=	**शाम**
उपरांत	=	**पूर्व**	सिर	=	**पैर**
तीव्र	=	**मंद**	अर्थ	=	**अनर्थ**
भीतर	=	**बाहर**	मधुर	=	**कटु**
हलकी	=	**भारी**	इच्छा	=	**अनिच्छा**
संतोष	=	**असंतोष**	बंद	=	**खुला/खुली**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

6 देश के प्रति हमारे कर्त्तव्य

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) iii. प्लेटफॉर्म पर (ख) ii. अपनी पत्नी को (ग) i. तुर्की

(घ) i. पावभर शहद

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

उत्तर- (क) जापानी युवक के यह कहने पर कि "आप इनका मूल्य देना ही चाहते हैं तो वह यह है कि आप अपने देश में जाकर किसी से यह न कहिएगा कि जापान में फल नहीं मिलते।" स्वामी रामतीर्थ मुग्ध हो गए।

(ख) जापान में शिक्षा लेने वाले विदेशी युवक ने जापान के सरकारी पुस्तकालय से एक पुस्तक ली और उसमें से कुछ दुर्लभ चित्र निकालकर पुस्तक पुस्तकालय में वापस कर दी। किसी के शिकायत करने पर पुलिस ने वे चित्र उसके कमरे से बरामद कर लिए। उस विद्यार्थी को जापान से निकाल दिया गया तथा साथ ही उस पुस्तकालय के बाहर बोर्ड पर लिख दिया गया कि उस देश का (जिसका वह विद्यार्थी था) कोई निवासी इस पुस्तकालय में प्रवेश नहीं कर सकता। इस प्रकार विदेशी युवक ने इस कार्य से अपने देश को लांछित किया।

(ग) प्रधानमंत्री नेहरू ने किसान को अपना दस्तखती फोटो इसलिए दिया क्योंकि वह किसान बहुत प्यार और सम्मान से नेहरू जी के लिए अपने द्वारा बनाया हुआ उपहार (खाट) लाया था। अतः नेहरू जी ने अपना दस्तखती फोटो देकर उसकी भावना का सम्मान किया।

(घ) यदि हम किसी सार्वजनिक स्थल पर अपने देश की बुराई करते हैं। अपने देश की तुलना दूसरे देशों से करके अपने देश को हीन तथा दूसरे देशों को श्रेष्ठ सिद्ध करते हैं तो हम अपने देश के शक्तिबोध को चोट पहुचाते हैं और यदि हम देश में किसी भी स्थान पर किसी भी प्रकार की गंदगी फैलाते हैं तथा किसी को समय देकर लेट पहुँचते हैं या किसी को समय देकर घर पर नहीं मिलते हैं तो हम अपने देश के सौंदर्य बोध का अपमान कर रहे होते हैं।

(ङ) हमारे देश को इन दो बातों की सबसे ज्यादा जरूरत है-एक शक्ति बोध और दूसरी सौंदर्य-बोध।

(च) अपने देश के प्रति हमारे ये कर्त्तव्य हैं-हम अपने मन, वचन और कर्म से कोई भी ऐसा कार्य न करें जिससे देश के शक्ति-बोध और सौंदर्य-बोध को कोई हानि पहुँचे। दूसरे यदि अनुचित कार्य कर रहे हैं तो हमें उनका अनुसरण नहीं करना चाहिए और न ही यह सोचना चाहिए कि केवल हमारे ही अनुचित काम न करने से स्थिति में कोई सुधार आने वाला नहीं है। यदि आपके किसी गलत कार्य का अनुसरण करने वाले पचास लोग हो सकते हैं तो आपके उचित कार्य का अनुसरण करने वाला भी कोई-न-कोई अवश्य होगा। यदि आपके उचित कार्य का अनुसरण एक व्यक्ति भी कर रहा है तो वह पर्याप्त है।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) स्वामी रामतीर्थ एक बार **जापान** गए।

(ख) एक जापानी युवक **प्लेटफार्म** पर खड़ा था।

(ग) अपराधी को **दंड** मिलना ही चाहिए।

(घ) प्रत्येक नागरिक अपने **देश** के साथ बँधा हुआ है।

(ङ) कमालपाशा **विश्राम** के लिए कपड़े बदल चुके थे।

4. सही कथन के सामने (✓) का तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए-

(क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✓

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

उत्तर-

अजेय	=	जेय	अधिकार	=	अनाधिकार
उच्च	=	निम्न	विश्वास	=	अविश्वास
सुलभ	=	दुर्लभ	सघन	=	बिरल
स्पष्ट	=	अस्पष्ट	श्रेष्ठ	=	निकृष्ट/अधम

2. सही वर्तनी वाले शब्दों पर (✓) का चिह्न लगाइए-

उत्तर- इंसाफ ✓ कर्त्तव्य ✓ परिस्थिति ✓
निश्चित ✓ अनुशासन ✓

3. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए-

उत्तर- न्यायाधीश ऋणी ऋणदाता अपराधी निरपराध

4. निम्नलिखित शब्दों में गण, लोग, दल या जन लगाकर बहुवचन बनाइए-

उत्तर-

दोस्त	=	**दोस्त लोग**	लेखक	=	**लेखकगण**
गरीब	=	**गरीब लोग**	विद्वान	=	**विद्वान लोग**
मित्र	=	**मित्रगण**	गुरु	=	**गुरुजन**
यूनानी	=	**यूनानी लोग**	हाथी	=	**हाथी, दल**

5. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए-

घटना = यह **घटना** बहुत पुरानी है।
शिक्षा = हमें अच्छी **शिक्षा** ग्रहण करनी चाहिए।
भेंट = आपकी यह **भेंट** मुझे स्वीकार है।
मूल्य = मैं इस अहसान का **मूल्य** नहीं चुका सकता।

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

7 खिलौना

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) i. सियाराम शरण गुप्त (ख) iii. खिलौने के लिए
(ग) ii. राजपुत्र ने

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) 'दीना का लाल' का अभिप्राय 'गरीब का पुत्र' है।
(ख) माँ बच्चे को बहलाती है कि यह मिट्टी का खिलौना तो राजा के घर भी नहीं है इसलिए बेटा तू इसी खिलौने से खेल।
(ग) राजकुमार के रूठने पर सब दास-दासियाँ उसे मनाने के लिए दौड़ पड़े।
(घ) इस पंक्ति का अर्थ यह है कि राजकुमार ने मिट्टी के खिलौने लेने की जिद में अपने सारे सोने-चाँदी के खिलौने फेंक दिए।

3. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए-

(क) व्यथित **हो उठी माँ बेचारी,**
था **स्वर्ण-निर्मित वह तो**
खेल इसी से लाल, नहीं है,
राजा **के घर भी यह तो**!

(ख) मैं तो **वही खिलौना लूँगा**
मचल गया शिशु राजकुमार-
वह **बालक पुचकार रहा था**
पथ में जिसको बारंबार।

भाषा बोध

1. कविता में से सही तुकांत शब्द छाँटकर लिखिए-

लाल	=	उछाल	पुचकार	=	बारंबार
सोने	=	रोने	मचल	=	अचल

2. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

मिट्टी	=	इस **मिट्टी** का रंग पीला है।
लाल	=	दीनानाथ का **लाल** (बेटा) खिलौना माँगता है।
स्वर्ण	=	यह मंदिर **स्वर्ण** निर्मित है।
व्यथित	=	उसका दुःख देखकर वह **व्यथित** हो उठा।
राजपुत्र	=	वह **राजपुत्र** बहुत महान है।

3. दिए गए शब्दों से मूल शब्द व प्रत्यय अलग कीजिए-

व्यथित	=	**व्यथा**	**इत**
निर्मित	=	**निर्माण**	**इत**
राजहठी	=	**राजहठ**	**ई**
राजकुमार	=	**राज**	**कुमार**

4. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

माँ	=	**जननी**	**अंबा**	मिट्टी	=	मृदा	धूल
राजा	=	**नृप**	**नरेश**	शिशु	=	नवजात	बच्चा
स्वर्ण	=	**सोना**	**कनक**	लाल	=	पुत्र	सुत

5. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-

खिलौना	=	ख् + इ + ल् + औ + न् + आ
व्यथित	=	व् + य् + अ + थ् + इ + त् + अ
राजपुत्र	=	र् + आ + ज् + अ + प् + उ + त् + र् + अ
शिशु	=	श् + इ + श् + उ
उपहार	=	उ + प् + अ + ह् + आ + र् + अ

6. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए-

राजपुत्र	=	**राजा का पुत्र**	व्यथित	=	**दुःखी**
तत्काल	=	**तुरंत**	उपहार	=	**भेंट**
रजत	=	**चाँदी**	स्वर्ण	=	**सोना**
दासी	=	**सेविका**	हेम	=	**सोना**

7. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी सही करके लिखिए-

खिलोना	=	खिलौना	व्यथीत	=	व्यथित
र्निमित	=	निर्मित	मिट्टि	=	मिट्टी

गुडडा	=	**गुड्डा**	शिशू	=	**शिशु**
बारँबार	=	**बारंबार**	दासियां	=	**दासियाँ**
वेसा	=	**वैसा**	फेकना	=	**फेंकना**
हैम	=	**हेम**	ऊपहार	=	**उपहार**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

8 जुलूस

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

उत्तर- (क) iii. राजनेता (ख) ii. चापलूसी

(ग) i. भूमि की समस्या (घ) ii. सात रुपये

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

उत्तर- (क) चमन लाल की समस्या यह है कि उसने सरकारी जमीन पर कब्जा कर लिया था और सरकार उससे वह जमीन खाली करवाना चाहती थी।

(ख) चमन लाल नेताजी से चाहता है कि नेताजी उसकी समस्या के लिए सत्याग्रह करवाएँ, धरने करवाएँ, हड़ताल की अपीलें करें तथा कड़ी कार्यवाही करके उसका सरकारी जमीन पर कब्जा रहने दें।

(ग) श्याम लाल चमन लाल की समस्या का यह हल बताता है कि आपके केस को एक जुलूस और दो पब्लिक मीटिंगों से शुरू करना चाहिए। इसके पीछे उसकी चाल पैसा कमाना है।

(घ) जुलूस की रूपरेखा तैयार करने में बुद्धू अपनी भूमिका एक होशियार तथा चतुर जिम्मेदार व्यक्ति की तरह निभाता है।

(ङ) श्याम लाल जुलूस से पहले परेड ग्राउंड में लोगों की भीड़ के साथ इस प्रकार की मीटिंग करवाने की योजना बनाता है जिससे चमन लाल की समस्या को लोगों का समर्थन मिल जाए।

(च) 'आप जरा खर्चा सँभालिए और फिर देखो हमारी शोमैनशिप'-यह कथन श्यामलाल का वह चरित्र स्पष्ट करता है जिससे पता चलता है कि -श्यामलाल एक धूर्त तथा लालची किस्म का एक राजनैतिक नेता है। वह पब्लिक के पैसे से अपने काम निकालता है। दंगे करवाना, जुलूस निकालना, धरने प्रदर्शन आदि करना ही उसका प्रमुख काम है।

3. किसने, किससे कहा?

उत्तर- (क) श्यामलाल ने चमन लाल से (ख) चमनलाल ने श्यामलाल से

(ग) बुद्धू ने श्यामलाल से (घ) श्यामलाल ने चमनलाल ने

(ङ) चमनलाल ने श्यामलाल से (च) श्यामलाल ने चमनलाल से

भाषा बोध

1. निम्नलिखित वाक्यों को कर्म वाच्य में बदलिए-

उत्तर- (क) मेरे द्वारा लोगों का इंतजाम कर दिया जाएगा।

(ख) फोटोग्राफर द्वारा फोटो खींचा जा सकता है।
(ग) तुम्हारे द्वारा रुपयों का इंतजाम किया जाएगा।
(घ) हमारे द्वारा जुलूस के आदमी किराए पर लिए जाते हैं।
(ङ) तुम्हारे द्वारा काम कब शुरू किया जा रहा है।

2. रंगीन शब्दों को बहुवचन में बदलकर पुनः वाक्य लिखिए।

उत्तर- (क) औरतों को छह रुपये देने पड़ते हैं।
(ख) झंडे पकड़े हुए लड़कियाँ।
(ग) औरतों की गोद में बच्चे।
(घ) गरीबों की कौन सुनता है?
(ङ) नेता हमारी कठिनाइयों को समझ जाएगा।

3. रंगीन शब्दों में कारक बताइए-

उत्तर- (क) कर्म कारक (ख) कर्ता कारक (ग) संप्रदान कारक
(घ) अधिकरण कारक (ङ) अधिकरण कारक।

4. इस अध्याय में अंग्रेजी के अनेक शब्दों का प्रयोग हुआ है; उन्हें छाँटकर लिखिए-

उत्तर- ड्राइंग रूम, परेड ग्राउंड, लेक्चर, पब्लिक, मेन रोड, नौटिसों, कॉलोनी, मील, नेशनल, वर्कस, कंसेरनल, रेट, फोटोग्राफर, क्री, साइड, लीडर, पुलिस, इंपार्टेंस, क्लब, फोटो, स्पीकर्स, पब्लिकमेन, केस, डिमांस्ट्रेट, ओपिनियन, वर्नेकुलर पेपर्स, एडिटोरियल शोमैनशिप, एडवांस, फाइल, बिजनिस, ग्रुप, गवर्नमेंट, मीटिंग, एडवरटाइजमेंट, वॉलंटियर, इंचार्ज, पार्लियामेंट, ऑडियंस।

5. निर्देशानुसार वाक्य बदलकर लिखिए-

उत्तर- (क) क्या कल से आप हमारा काम शुरू कर रहे हैं?
(ख) हम सब इंतजाम खुद कर लेंगे लेकिन आपको खर्चा ज्यादा पड़ेगा।

6. तद्भव शब्दों के तत्सम रूप लिखिए-

उत्तर-

मुँह	=	मुख	दाँत	=	दंत
आँख	=	अक्षि	रात	=	रात्रि
कान	=	कर्ण	आग	=	अग्नि

क्रियात्मक-कार्य

उत्तर-छात्र स्वयं करें।

9 नीम का पेड़

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) ii. नीम का पेड़ (ख) i. तेजा ने (ग) iii. फौज में

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) मनोहर सिंह को अपने नीम के पेड़ से गहरा लगाव था क्योंकि वह उसके पिता की निशानी था तथा उसने अपनी छाया देकर उनकी सदा निःस्वार्थ भाव से सेवा की थी।

(ख) तेजा ने ठाकुर शिवपाल सिंह को पच्चीस रुपये देकर मनोहर सिंह के गिरवी रखे नीम के पेड़ को मुक्त कराया जिससे मनोहर सिंह का प्रिय नीम का पेड़ कटने से बच गया।

(ग) ठाकुर शिवपाल सिंह ने सोचा कि मनोहर सिंह मेरे रुपये नहीं दे पाएँगे तो उन्होंने लोगों के सामने वादा कर दिया कि यदि मनोहर सिंह मुझे रुपये दे देंगे तो मैं पेड़ नहीं काटूँगा। जब तेजा के पिता ने उन्हें 25 रुपये देते हुए उनके वादे की याद दिलाई तो उन्हें रुपये स्वीकार करने पड़े। इस प्रकार पेड़ कटने से बच गया और वे अपने ही शब्दों में फँस गए।

(घ) इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि पेड़ हमारी अनेक आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। इसलिए हमें न तो पेड़ों को काटना चाहिए, और न ही पेड़ों को कटने देना चाहिए।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) **ऋण** का पाप तो देने से ही कटेगा।

(ख) इतना **पुराना पेड़ गाँव** भर में दूसरा नहीं।

(ग) तेजा गाँव के एक **प्रतिष्ठित** किसान का बेटा था।

(घ) सब लड़के की बात सुनकर **दंग रह गए**।

(ङ) ठाकुर साहब के **चेहरे** का रंग उड़ गया।

4. सही वाक्य के सामने (✓) का तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का चिह्न लगाइए-

(क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓

5. तुकांत शब्दों का मिलान कीजिए-

(क)	भाव	(i)	हर्ष
(ख)	गाँव	(ii)	खाना
(ग)	सठिया	(iii)	मेवा
(घ)	सेवा	(iv)	चाव
(ङ)	वर्ष	(v)	छाँव
(च)	दाना	(vi)	गठिया

6. निम्नलिखित पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए-

ऋण का पाप तो देने से ही कटेगा।

आशय-ऋण चुकाने पर ही व्यक्ति को मानसिक व आत्मिक शांति प्राप्ति होती है।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए-

(क) हम हमारे देश की रक्षा करेंगे।

हम अपने देश की रक्षा करेंगे।

(ख) तेरे को क्या हुआ है?

तुझे क्या हुआ है?

(ग) मैं आपको मेरा पता दूँगा।
मैं आपको अपना पता दूँगा।
(घ) तुम मुझे तुम्हारा पता दो।
तुम मुझे अपना पता दो।

2. **'अकेला' का शब्द-परिवार होगा-अकेला, अकेलापन, अकेले।**
इसी प्रकार निम्नलिखित के शब्द-परिवार बनाइए-

उपयोग	=	उपयोगी, उपयोगिता
अवश्य	=	आवश्यक, आवश्यकता
कार्य	=	कार्यकारी, कार्यरत
कथन	=	कथनीय, कथानक

3. **निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए-**

रुपया	=	रुपये	गाँववाले	=	गाँववाला
बातें	=	बात	निबोली	=	निबोलियाँ
झोंपड़ी	=	झोंपड़ियाँ	बुड्ढे	=	बुड्ढा
अँगूठियाँ	=	अँगूठी	लड़के	=	लड़का

4. **निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए और इनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

अंधेर करना = **अन्याय करना।**
रामलाल ने निर्दोख मजदूर को दंड देकर **अंधेर कर दिया।**
नाक कटना = **बेइज्जती होना**
परेश को जेल हो जाने पर उसके परिवार की **नाक कट गई**।
समय का फेर होना = **समय का बदलाव**
पहले मोहन राहुल के यहाँ नौकरी करता था, अब राहुल उसी से रुपये उधार माँगकर जीवन व्यतीत करता है। इसे कहते हैं **समय का फेर होना**।
राह देखना = **इंतजार करना**
शकुंतला कई वर्षों तक दुष्यंत की **राह देखती रही**।
रंग उड़ना = **लज्जा से चेहरे का तेज कम होना**
बच्चे द्वारा मनोहर सिंह की सहायता करने पर शिवपाल सिंह के चेहरे का रंग **उड़ गया**।

5. **निम्नलिखित शब्दों को उचित प्रत्यय लगाकर लिखिए-**

ऋण	=	ऋणी	उदार	=	उदारता
सप्ताह	=	साप्ताहिक	मीठा	=	मिठाई
प्रतिष्ठा	=	प्रतिष्ठित	जंगल	=	जंगली
बच्चा	=	बचपन	मधुर	=	मधुरता

क्रियात्मक-कार्य
स्वयं करें।

10 परिंदे की फरियाद

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) iii. उसे कैद कर लिया गया है (ख) iii. जब पक्षी आजाद हों

(ग) i. फूलों की कलियाँ (घ) iii. बगीचे के लिए

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

उत्तर- (क) परिंदे को अपने आजादी के दिन याद आते हैं।

(ख) परिंदे को पिंजरे में कैद कर लिया गया है।

(ग) कैदी परिंदे को गुजरे जमाने की सभी बातें याद आ रही हैं। अपने-अपने घोंसले की आजादी सब पक्षियों का चहचहाना आदि बातें याद आ रही हैं।

(घ) कैदी परिंदे को यह डर है कि कहीं वह इस कैद में ही न मर जाए तथा उसको ये दुख है कि उसका घर छूट गया है तब से अकेलेपन उसे खाए जा रहा है।

(ङ) कैदी परिंदे की कैद करने वाले से ये फरियाद है कि ओ कैद करने वाले! मुझ बेजुबान कैदी को आजाद कर दे और मुझे छोड़कर मेरे दिल की दुआएँ लें।

(च) 'परिंदे की फरियाद' इस कविता का सार्थक शीर्षक है क्योंकि आजादी सभी को अच्छी लगती है और हमें पक्षियों को भी कैद करके नहीं रखना चाहिए।

3. निम्नलिखित वाक्यांशों के सही जोड़े बनाइए-

(क)	लगती है चोट दिल पे,	(i)	दुखड़ा किसे सुनाऊँ?
(ख)	साथी तो हैं वतन में,	(ii)	ओ कैद करनेवाले!
(ग)	इस कैद का इलाही!	(iii)	आता है याद जिस दम,
(घ)	जब से चमन छुटा है	(iv)	खुश हों न सुननेवाले,
(ङ)	आजाद मुझको कर दे,	(v)	मैं कैद में पड़ा हूँ।
(च)	गाना इसे समझ के,	(vi)	यह हाल हो गया है,

4. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए-

(क) आता है याद मुझको गुजरा हुआ जमाना,
वह बाग की बहारें, वह सबका चहचहाना।
आजादियाँ कहाँ वह, अपने घोंसले की,
अपनी खुशी से आना, अपनी खुशी से जाना।

(ख) वह प्यारी-प्यारी सूरत, वह कामिनी-सी मूरत,
आबाद जिसके दम से, था मेरा आशियाना।
आती नहीं सदाएँ उसकी, मेरी कफस में,
होती मेरी रिहाई ऐ काश! मेरे बस में।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए-

उत्तर-

शबनम	=	**ओस**	किस्मत	=	**भाग्य**
घोंसला	=	**नीड़**	चमन	=	**बगीचा**
आजादी	=	**स्वतंत्रता**	गम	=	**दुख**

2. रिक्त स्थानों में आए विशेषण से भाववाचक संज्ञा तथा भाववाचक संज्ञा से विशेषण शब्द बनाइए-

उत्तर-

विशेषण	भाववाचक संज्ञा	विशेषण	भाववाचक संज्ञा
खुश	**खुशी**	आजाद	**आजादी**
बदनसीब	बदनसीबी	**प्रसन्न**	प्रसन्नता
प्यारी	**प्यार**	**गरीब**	गरीबी

3. रंगीन शब्दों का लिंग पहचानकर लिखिए-

उत्तर- (क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) पुल्लिग (घ) पुल्लिग (ङ) स्त्रीलिंग

4. रंगीन पदों का कारक भेद लिखिए-

उत्तर- (क) संबंध कारक (ख) करण कारक (ग) अधिकरण कारक
(घ) करण कारक (ङ) कर्म कारक (च) अधिकरण कारक
(छ) संप्रदान कारक (ज) अधिकरण कारक

5. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए-

शबनम	=	ओस	इलाही	=	प्रभु
चमन	=	बगीचा	आबाद	=	बसा हुआ
आशियाना	=	घर	सदाएँ	=	आवाजें

6. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन बनाइए-

घोंसला	=	घोंसले	खुशी	=	खुशियाँ
कली	=	कलियाँ	दुखड़ा	=	दुखड़े
गाना	=	गाने	बात	=	बातें
आजादी	=	आजादियाँ	सदा	=	सदाएँ

7. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तर-प्यारी-प्यारी = रमेश ने पिंजरे में दाना डाल दिया और उसमें दो **प्यारी-प्यारी** चिड़िया आ गईं।

आशियाना = नीम के पेड़ पर पक्षियों का **आशियाना** था।

क्रियात्मक-कार्य

उत्तर-छात्र स्वयं करें।

11 भीमा

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) ii. पास में क्लिनिक था (ख) i. वह उसे पढ़ाना चाहते थे
(ग) iii. बाल-श्रम

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) मालिक हजारी द्वारा बनाई गई सुबह की चाय को भीमा ग्राहकों को दे आता। फिर अपनी नन्ही अंगुलियों के बीच चार-पाँच गिलासों को उठाकर टंकी पर धोने ले जाता। धुले गिलासों को टेबल पर रखे छींके में पंजों के बल खड़ा होकर जमा देता। यह क्रम उसकी नियति बन गया था।

(ख) होटल का मालिक भीमा के साथ बुरा व्यवहार करता था उसे छोटी-छोटी बातों पर डाँटता था। उसकी जरूरतों का ध्यान नहीं रखता था। उसे खाने को पर्याप्त व अच्छा भोजन नहीं देता था।

(ग) लेखक को भीमा के बारे में जानकारी मिली कि उसकी माता ने उसके भरण-पोषण के दायित्व से मुक्त होने के लिए उसे हजारी को बेच दिया था। वह पढ़ना-लिखना चाहता था परंतु उसका पिता उसे स्कूल नहीं भेजता था।

(घ) भीमा ने लेखक के साथ जाने का निर्णय लेकर सही किया क्योंकि उनके साथ रहकर वह पढ़-लिखकर योग्य व्यक्ति बन जाएगा।

(ङ) जब लेखक को भीमा ने बताया कि वह प्रतिदिन दो घंटे हजारी के पाँव दबाता था तो यह सुनकर उसकी आँखें भर आईं।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) एक छींका जिसमें **आठ-दस** गिलास रखे हैं।

(ख) भीमा का रंग **गेहुँआ** था।

(ग) भीमा **निराश** हो गया।

(घ) भीमा की सारी दुनिया हजारी के **होटल** में सिमट आई थी।

(ङ) भीमा के चेहरे से **प्रसन्नता** झलकने लगी।

4. किसने, किससे कहा?

(क) हजारी ने भीमा से (ख) भीमा ने हजारी से

(ग) भीमा ने हजारी से (घ) अध्यापक लेखक ने भीमा से

(ङ) भीमा के पिता ने अध्यापक (लेखक) से

5. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) **आशय-भीमा बहुत छोटी आयु में ही आजीविका कमाने का कार्य करने लगा।**

(ख) **आशय-भारत देश में भीमा की तरह अनेकों बच्चे बचपन में ही रोजगार करने में लग जाते हैं और अशिक्षित व श्रमिक बनकर ही रह जाते हैं।**

भाषा बोध

1. 'बे' उर्दू का उपसर्ग है, जिसका अर्थ है 'बिना'। निम्नलिखित शब्दों में 'बे' उपसर्ग लगाकर इनका अर्थ लिखिए-

				निर्मित शब्द	अर्थ
बे	+	रोजगार	=	**बेरोजगार**	
बे	+	सहारा	=	**बेसहारा**	
बे	+	खौफ	=	**बेखौफ**	
बे	+	वजह	=	**बेवजह**	
बे	+	वक्त	=	**बेवक्त**	
बे	+	मतलब	=	**बेमतलब**	

2. निम्नलिखित वाक्यों में से कारक-चिह्न छाँटकर लिखिए-

(क) के, पर (ख) के, की, से (ग) के, से (घ) की, के, में

(ङ) के, ने, से

3. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए-

मालिक = **मालकिन** बालक = **बालिका**

रानी	=	**राजा**	मामी	=	**मामा**
काकी	=	**काका**	लेखिका	=	**लेखक**
अध्यापक	=	**अध्यापिका**	शेरनी	=	**शेर**

4. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए-

अस्थायी	=	**स्थायी**	मालिक	=	**नौकर**
पास	=	**दूर**	झूठ	=	**सच**
निराशा	=	**आशा**	उदास	=	**प्रसन्न**
क्रोध	=	**शांति**	जीवन	=	**मृत्यु**

5. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

दूध	=	क्षीर	पय
हवा	=	समीर	पवन
शाम	=	सायं	संध्या
दुनिया	=	संसार	जगत
बाप	=	पिता	जनक
विद्यालय	=	पाठ शाला	शिक्षालय
हाथ	=	कर	पाणि

6. शब्दों को सही क्रम में रखकर सार्थक वाक्य बनाइए-

(क) जिसमें हैं गिलास दस-आठ रखे में एक छींका।
एक छींका जिसमें आठ-दस गिलास रखे हैं।

(ख) उसकी बन गया नियति था क्रम यह।
यह क्रम उसकी नियति बन गया था।

(ग) हजारी खाने रोटी काम निपटाकर बैठा।
काम निपटाकर हजारी रोटी खाने बैठा।

(घ) इन बेखबर अपने सबसे भीमा रहता लगा में काम।
इन सबसे बेखबर भीमा अपने काम में लगा रहता है।

(ङ) संतोष की उसके पर चेहरे लकीरें उभर आईं।
उसके चेहरे पर संतोष की लकीरें उभर आईं।

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

12 उपहार

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

उत्तर- (क) i. पिंजरे में चिड़िया कैसे फँसती है (ख) i. खाना खाने
(ग) i. पिंजरे में नन्ही-सी चिड़िया (घ) i. दो दिन
(ङ) ii. मर गई

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

उत्तर- (क) शेरोजा को जन्मदिन पर ढेर सारे उपहारों के साथ उसके चाचा द्वारा उपहार में एक पिंजरा मिला।

(ख) चिड़िया को फँसाने के लिए शेरोजा ने घर के आँगन में पिंजरा रखकर उसमें दाने बिखेर दिए।

(ग) शेरोजा ने दो दिनों तक लगातार चिड़िया की अच्छी देखभाल की।

(घ) पिंजरे का दरवाजा खुला देखकर माँ ने शेरोजा से कहा, "शेरोजा, पिंजरे का दरवाजा बंद कर दो वरना चिड़िया उड़ जाएगी। उसे चोट भी पहुँच सकती है।"

(ङ) चिड़िया की मौत हो जाने के कारण शेरोजा कई रातों तक नहीं सो पाया जब भी वह आँखें बंद करता, उसे पिंजरे में कैद फड़फड़ाती और आजादी के लिए संघर्ष करती वह नन्हीं-सी चिड़िया ही दिखाई देती। इस घटना से उसे यह सबक मिला कि आजादी हर जीव को बहुत प्यारी होती है।

(च) इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें कभी भी जीवों को सताना या कैद करके नहीं रखना चाहिए।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) शेरोजा को उसके जन्मदिन के अवसर पर ढेर सारे **उपहार** मिले।

(ख) नन्ही चिड़िया बार-बार **पिंजरे** की दीवार पर चोंच मार रही थी।

(ग) शेरोजा ने पिंजरे की **सफाई** शुरू कर दी।

(घ) सुबह होने पर शेरोजा ने देखा कि पिंजरे में चिड़िया **पेट** के बल लेटी हुई है।

4. सही वाक्य के सामने (✓) का तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का चिह्न लगाइए-

(क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✓

5. किसने, किससे कहा?

उत्तर- (क) शेरोजा ने माँ से (ख) माँ ने शेरोजा से

(ग) माँ ने शेरोजा से (घ) माँ ने शेरोजा से

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

उपस्थिति	=	**अनुपस्थिति**	अंतिम	=	**प्रथम**
बदसूरत	=	**खूबसूरत**	मूल्यहीन	=	**मूल्यवान**
सही	=	**गलत**	गंदगी	=	**सफाई**

2. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन सर्वनामों के भेद लिखिए-

उत्तर- (क) निश्चयवाचक सर्वनाम' (ख) अनिश्चयवाचक सर्वनाम

(ग) अनिश्चयवाचक सर्वनाम (घ) प्रश्नवाचक सर्वनाम

(ङ) प्रश्नवाचक सर्वनाम (च) निश्चयवाचक सर्वनाम।

3. निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण और विशेष्य छाँटकर अलग-अलग लिखिए।

उत्तर-

	विशेषण	**विशेष्य**		**विशेषण**	**विशेष्य**
(क)	सुंदर	चिड़िया	(ख)	मीठे	सुरों
(ग)	खूबसूरत	चिड़िया	(घ)	नन्हीं	चिड़िया
(ङ)	अंतिम	साँसें			

4. निम्नलिखित विशेषण शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए-

उत्तर-

सुंदर	**सुंदरता**	साफ	**सफाई**
भूखा	**भूख**	आजाद	**आजादी**
खूबसूरत	**खूबसूरती**	गंदा	**गंदगी**

5. निम्न शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तर-

उपहार = मैंने अपने दोस्त को **उपहार** में घड़ी दी।

चोट = सड़क पर गिर जाने के कारण गीता के पैर में **चोट** लग गई।

धड़कन = अचानक अपने सामने बस को आता देख मेरी **धड़कन** तेज हो गई।

सबक = मैंने अपने दुश्मन को गलती करने के कारण **सबक** सिखाया।

सदमा = सुशील के फेल होने की खबर सुनकर मुकेश को बहुत **सदमा** लगा।

6. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

पानी	=	**जल**	**नीर**
चिड़िया	=	**पक्षी**	**खग**
पैर	=	**चरण**	**पाँव**
रात	=	**निशा**	**रात्रि**
माँ	=	**जननी**	**माता**

क्रियात्मक-कार्य

उत्तर-छात्र स्वयं करों।

13 अपराजिता

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) ii. अपराजिता (ख) iii. पोलियो (ग) i. प्रोफेसर सेठना के

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) जब लेखिका ने देखा धीरे-धीरे बिना किसी सहारे के, कार से डॉ0 चंद्रा ने अपने निर्जीव निचले धड़ को बड़ी दक्षता से नीचे उतारा, फिर बैसाखियों से ही व्हील चेयर तक पहुँच उसमें बैठ गईं और बड़ी तत्परता से उसे स्वयं चलाती कोठी के भीतर चली गईं।

(ख) लेखिका ने लखनऊ के उस मेधावी युवक से कहानी पढ़ने का आग्रह किया है जो रेल से एक भुजा विच्छिन्न होने के कारण उसके दुख में नशे का आदी हो गया है, लेखिका ने यह आग्रह इसलिए किया है क्योंकि डॉ चंद्रा के शरीर की अक्षमताओं को जानकर उसे अहसास हो जाएगा कि उसकी तो केवल एक भुजा ही शरीर से अलग हुई है शरीर के शेष अंग तो सभी कार्य करने में सक्षम हैं इससे उसमें जीवन के प्रति नई आशा व उत्साह का संचार होगा और

वह जीवन सुखपूर्वक बिताएगा।

(ग) डॉ0 चंद्रा की शिक्षा-दीक्षा बंगलौर में उनकी माता की सहायता से हुई।

(घ) मिसेज सुब्रह्मण्यम् ने अपनी पुत्री की शिक्षा प्राप्ति में प्रारंभ से लेकर डॉक्टरेट करने तक पूरी सहायता की। इसलिए उन्हें 'वीर जननी' का पुरस्कार मिला?

(ङ) डॉ0 चंद्रा ने प्राणीशास्त्र में एम0एस0सी0 में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जर्मन भाषा में विशेष योग्यता प्राप्त की, गर्ल गाइड में राष्ट्रपति का स्वर्ण कार्ड पाने वाली प्रथम अपंग बालिका बनीं, डॉक्टरेट की डिग्री ग्रहण की।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) अपनी **शानदार** कोठी में उसे पहली बार देखा।

(ख) मैं फिर नित्य **नियत** समय पर उसका यह विचित्र **आवागमन** देखती।

(ग) कहानी सुनी तो **दंग रह गई**।

(घ) एक वर्ष तक **कष्टसाध्य** उपचार चला।

(ङ) मैं एक सफल **शल्य चिकित्सक** नहीं बन पाऊँगी।

4. निम्नलिखित वाक्यांशों के सही जोड़े बनाइए-

(क)	उसकी कोठी का अहाता	(i)	मैं डॉक्टर बनूँ।
(ख)	धीरे-धीरे मेरा	(ii)	तो आँखें भर आईं।
(ग)	मेरी बड़ी इच्छा थी,	(iii)	हमारे बँगले के अहाते से जुड़ा था।
(घ)	मैंने जब ये कविताएँ देखीं	(iv)	दोनों में उसकी समान रुचि थी।
(ङ)	भारतीय और पाश्चात्य संगीत	(v)	उससे परिचय हुआ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में दीजिए-

(क) डॉ0 चंद्रा के (ख) डॉ0 चंद्रा को (ग) मन की बात

6. निम्नलिखित पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए-

''ईश्वर सब द्वार एक साथ बंद नहीं करता। यदि एक द्वार बंद करता भी है, तो दूसरा द्वार खोल देता है।''

व्यक्ति को जीवन में अनेक बार ऐसा लगता है कि सब कुछ समाप्त हो चुका है और वह हताश होकर अपना कार्य छोड़ देता है परंतु जीवन में हार न मानने वाले व्यक्ति निरंतर अपने कार्य में लगे रहते हैं तो वे सफलता प्राप्त कर लेते हैं तब यह सिद्ध हो जाता है कि सफलता के मार्ग हमेशा खुले रहे हैं।

भाषा बोध

1. 'उपसर्ग' लगाकर नए शब्द बनाइए-

उत्साह	=	**निरुत्साह**	साहस	=	**दुसाहस**
दीर्घ	=	**सुदीर्घ**	रुचि	=	**सुरुचि**
रुद्ध	=	**अवरुद्ध**	चल	=	**अचल**

2. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-

विधाता	=	**भगवान**	विलक्षण	=	**असाधारण**
विच्छिन्न	=	**विभवत**	उत्कृष्ट	=	**उत्तम**

सामान्य	=	**साधारण**	साधना	=	**तपस्या**
शक्ति	=	**ताकत**	व्यर्थ	=	**बेकार**

3. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

विधाता = रमेश आत्म विश्वासी होने के कारण विपत्ति के समय **विधाता** को दोषी नहीं ठहराता है।

रिक्तता = श्रेया को अपने जीवन की **रिक्तता** बहुत छोटी लगती है।

नतमस्तक = राम गुरु के आगे **नतमस्तक** हो गया।

आश्चर्य = ममता मुझे **आश्चर्य** से देख रही थी।

दक्षता = सीमा को सिलाई कला में **दक्षता** प्राप्त थी।

आवागमन = मयंक के घर उसका रोज **आवागमन** होता रहता था।

4. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए-

देवांगना	=	देव + अंगना	निर्जीव	=	निः + जीव
सहानुभूति	=	सह + अनुभूति	पक्षाघात	=	पक्ष + आघात
सज्जन	=	सत् + जन	विद्यालय	=	विद्या + आलय

5. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए-

पिछली	=	**अगली**	कठोर	=	**कोमल**
निर्जीव	=	**सजीव**	सुगम	=	**दुर्गम**
साहसी	=	**दुस्साहसी**	मृत्यु	=	**जीवन**
दुःख	=	**सुख**	कठिन	=	**सरल**

6. निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्दों को छाँटकर लिखिए-

(क) मैंने (ख) उसकी, हमारे (ग) वह, उसे, स्वयं

(घ) आप, उन्हें मेरा (ङ) वे, मुझे

7. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए-

द्वार	=	**दरवाजा**	काया	=	**शरीर**
कठोरतम	=	**सबसे कठोर**	स्वयं	=	**अपने आप**
विषाद	=	**दुःख**	पुरस्कार	=	**इनाम**
प्रगति	=	**उन्नति**	बुद्धि	=	**अक्ल**
अंतिम	=	**आखिरी**	विशेष	=	**खास**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

14 मनभावन सावन

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) i. झम-झम (ख) ii. तड़-तड़ (ग) ii. बेला और हारसिंगार

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित लिखिए-

उत्तर- (क) नीम के पेड़ की डाली झूम-झूमकर सिर हिला रही है।

(ख) आकाश में बादल घिरकर घुमड़-घुमड़ कर गरजा है।
(ग) कविता में कवि सबको इंद्रधनुष के झूले में झूलने का संदेश दे रहा है।
(घ) वर्षा होने पर मेढक टर-टर की ध्वनि करते हैं।

3. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए-

उत्तर- (क) झम-झम-**झम-झम मेघ बरसते हैं सावन के**,
छम-छम-छम गिरती बूँदें तरुओं से छन के,
चम-चम बिजली चमक रही रे उर में घन के,
थम-**थम दिन के तम में सपने जगते मन के**।।

(ख) रिमझिम-**रिमझिम क्या कुछ कहते बूँदों के स्वर**,
रोम **सिहर उठते, छूते वे भीतर अंतर**,
धाराओं पर धाराएँ झरतीं धरती पर,
रज **के कण-कण में तृण-तृण की पुलकावलि भर**।।

भाषा बोध

1. उचित शब्द छाँटकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तर- (क) हम उस **बँगले** में रहते हैं।
(ख) यह सड़क तीस **फुट** चौड़ी है।
(ग) इस **कारखाने** के मालिक आज नहीं आए हैं।
(घ) उसकी **आँखों** से पानी बह रहा है।
(ङ) अध्यापिका जी कक्षा के सारे **लड़कों** को बुला रही हैं।

2. निम्नलिखित वाक्यों को पहचानकर उनके नाम प्रकार लिखिए-

उत्तर- (क) विधानवाचक वाक्य (ख) प्रश्नवाचक वाक्य
(ग) निषेधवाचक वाक्य (घ) विधानवाचक वाक्य
(ङ) आज्ञाधवाचक वाक्य (च) प्रश्नवाचक वाक्य

3. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम तथा तद्भव शब्द छाँटकर लिखिए-

उत्तर- **तत्सम**	**तद्भव**	**तत्सम**	**तद्भव**
मुख	**मुँह**	तृण	**तिनका**
श्रावण	**सावन**	स्वप्न	**सपना**
शीश	**सिर**	पक्ष	**पंख**

4. निम्नलिखित शब्दों में अंतर स्पष्ट करते हुए वाक्य बनाइए-

उत्तर- (क) वश = आज समय पर मेरा **वश** नहीं है।
वंश = रामचंद्रजी **सूर्यवंश** के राजा थे।
(ख) सत = सत से भरा जीवन ही वास्तविक जीवन होता है।
संत = हमें **संत** जनों की संगति में रहना चाहिए।
(ग) चिता = चिंता **चिता** से बढ़कर होती है।
चिंता = चिंतित होने पर मोहन ने राम से कहा-तुम **चिंता** मत करो, सब-कुछ मुझ पर छोड़ दो।
(घ) पथ = हमें हमेशा सच्चाई के **पथ** पर चलना चाहिए।

पंथ = मैं बाजार सब्जी खरीदने गई थी, साथ ही कपड़े भी ले आई। इसे कहते हैं एक **पंथ** दो काज।

5. निम्नलिखित शब्दों के लिंग निर्धारित कीजिए-

ताँबा	=	**पुल्लिग**	कैलाश	=	**पुल्लिग**
रविवार	=	**पुल्लिग**	लुटिया	=	**स्त्रीलिंग**
गंगा	=	**स्त्रीलिंग**	लड़की	=	**स्त्रीलिंग**
नेपाली	=	**पुल्लिंग**	मंगल	=	**पुल्लिग**
एकादशी	=	**स्त्रीलिंग**	पृथ्वी	=	**स्त्रीलिंग**

6. निम्नलिखित शब्दों के वचन निर्धारित कीजिए-

धातु	=	**एकवचन**	डाली	=	**एकवचन**
मक्खियाँ	=	**बहुवचन**	पत्तियाँ	=	**बहुवचन**
कथाएँ	=	**बहुवचन**	चींटी	=	**एकवचन**
सड़क	=	**एकवचन**	लड़की	=	**एकवचन**
गुरु	=	**एकवचन**	पुस्तकें	=	**बहुवचन**
कुरते	=	**बहुवचन**	महिलाएँ	=	**बहुवचन**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

15 गौरा

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) iii. गाय (ख) i. ग्वाले का दूध बिक सके (ग) ii. दुख में

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) गौरा पूर्ण स्वस्थ थी। इसके पुष्ट लचीले पैर, चिकनी भरी हुई पीठ, लंबी सुडौल गरदन, निकलते हुए छोटे-छोटे सींग, भीतर की लालिमा की झलक देते हुए कमल की दो अधखुली पंखुड़ियों जैसे कान, लंबी और अंतिम छोर पर काले सघन चामर का स्मरण दिलाने वाली पूँछ थी उकस सब कुछ साँचे में ढला हुआ-सा था।

(ख) गाय के नेत्रों में एक आत्मीय विश्वास रहता है। गाय को मनुष्य से यातनाएँ मिलती हैं परंतु उसकी आँखों के विश्वास का स्थान न विस्मय ले पाता है, न आतंक। इसलिए गाय को 'करुणा की कविता' कहा है।

(ग) इस पंक्ति का अर्थ है कि गौरा की अंतिम विदाई के समय लेखिका बहुत भावुक व दुखी थीं।

(घ) गौरा के उपचार के लिए लेखिका ने उसे कई सेर सेब का रस पिलवाया, शक्ति के लिए अनेक इंजेक्शन लगवाए, पशु विशेषज्ञों तथा स्थानीय पशु चिकित्सकों से कई बार गौरा की जाँच कराई।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) उस दिन मैंने **ध्यानपूर्वक** गौरा को देखा।

(ख) उसका नामकरण हुआ **गौरागिनी** या **गौरा**।

(ग) पर अब **दुग्ध** दोहन की समस्या कोई स्थायी **समाधान** चाहती थी।

(घ) कदाचित सूई ने **हृदय** को बेधकर बंद कर दिया।

(ङ) "आह! मेरा **गोपालक** देश।"

4. निम्नलिखित पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए-

आशय-गौरा के सुबह-शाम अधिक मात्रा में दूध देने के कारण हमारे घर में सबके (मानव, पशु-पक्षी) लिए पर्याप्त दूध उपलब्ध हो गया।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो समानार्थी शब्द लिखिए-

स्नेह	=	**प्रेम**	**अनुराग**	प्रशंसा	=	**तारीफ**	**स्तुति**
रोग	=	**बीमारी**	**व्याधि**	पशु	=	**जानवर**	**जंतु**
गाय	=	**धेनु**	**गौ**	समीर	=	**पवन**	**हवा**

2. निम्नलिखित शब्दों से मूल शब्द व प्रत्यय अलग-अलग करके लिखिए-

प्रतिक्षित	=	**प्रतीक्षा**	**इत**	निकटता	=	**निकट**	**ता**
नागरिक	=	**नगर**	**इक**	चिकित्सक	=	**चिकित्सा**	**अक**
रंगीन	=	**रंग**	**ईन**	चमकीला	=	**चमक**	**ईला**

3. निम्नलिखित द्वित्व व्यंजनों से शब्द बनाइए-

च्च	=	**बच्चा**	त्त	=	**पत्ता**
ल्ल	=	**बिल्ली**	ट्ट	=	**मिट्टी**
क्क	=	**पक्का**	स्स	=	**रस्सी**

4. रेखांकित शब्दों का कारक पहचानकर सामने लिखिए-

(क) अधिकरण कारक (ख) कर्ता कारक (ग) अधिकरण कारक

(घ) कर्ता कारक (ङ) संबंधकारक (च) अधिकरण कारक

(छ) कार्त कारक

क्रियात्मक-कार्य

16 अंडमान-निकोबार द्वीप समूह

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) i. आर्कीबाल्ड ब्लेयर (ख) iii. 572

(ग) ii. सुभाषचंद्र बोस ने (घ) iii. 8-10

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) पाठानुसार सेल्युलर जेल के बारे में लिखा है कि–आज भी सेल्युलर जेल की इमारत, जिसमें देश के दीवानों ने अपने रक्त से आजादी का इतिहास लिखा था, समुद्र तटवर्ती एक बहुत ऊँचे टीले पर खड़ी है। इस इमारत की सात

भुजाएँ थीं, अब केवल तीन भुजाएँ तथा बीच का टावर रह गया है। इस टावर में राजनीतिक कैदियों के नाम की सूची लगी है। जो भुजाएँ गिरा दी गई थीं, उस भूमि पर अस्पताल की भव्य इमारत बनी हुई है।

(ख) अंडमान की प्रधान फसल नारियल, सुपारी और रबड़ हैं। आजकल धान की पैदावार बढ़ाने के प्रयत्न किए जा रहे हैं। यहाँ की आय का मुख्य साधन इमारती लकड़ी और मछली है। यहाँ के निवासी खेती के अतिरिक्त मछली पालन, पशु पालन और नारियल के पेड़ उगाने का धंधा करते हैं। यहाँ प्लाईवुड और माचिस के लघु उद्योग भी चलते हैं। फलों में यहाँ आम, कटहल, केले, अमरूद, अनानास, खरबूजा और तरबूज होते हैं।

अब यहाँ पर निरंतर स्कूल खोले जा रहे हैं। इस समय यहाँ पर सात उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, एक डिग्री कॉलेज तथा अनेक माध्यमिक विद्यालय और प्राइमरी विद्यालय हैं।

(ग) निकोबार के लोग प्रायः मंगोल जैसे होते हैं। ये रोमन लिपि में निकोबारी पढ़ते हैं।

अंडमान में हिंदू, मुस्लिम, सिख, बौद्ध सभी हैं। इनकी कामकाज की भाषा हिंदी है।

(घ) निकोबारियों का घर कुछ-कुछ अंडे जैसा गोल होता हैं। फर्श जमीन से 6-7 फुट ऊँचाई पर होता है। पूरा घर एक कमरे के रूप में होता है जिसमें कोई खिड़की नहीं होती। हवा फर्श के तख्तों के छेदों से होकर ही आती है। इनके घरों की बनावट बहुत ही सुंदर होती है। एक गाँव में 8-10 घर होते हैं। उनका एक मुखिया होता है, जिसे कैप्टन कहते हैं। यही आपसी झगड़ों का निबटारा करता है। सरल और परिश्रमशील ये लोग झूठ और बेईमानी से दूर रहते हैं। ये अतिथि-सत्कार करना खूब जानते हैं और अपने त्योहार भी अत्यंत उल्लास के साथ मनाते हैं। पहले लेन-देन के रूप में नारियल का इस्तेमाल किया जाता था किंतु अब ये लोग रुपये-पैसे को पहचानने लगे हैं। नारियल, लकड़ी, शंख तथा सीप की बनी सुंदर चीजें बनाकर बेचते हैं।

(ङ) दक्षिण और मध्य अंडमान में 'जरावा' जाति के लोग रहते हैं। निकोबार में 'निकोबारी' और ग्रेट निकोबार में 'शोम्पेन' जाति के लोग रहते हैं।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) क्रांतिकारियों को यहाँ भयंकर **यातनाएँ** भोगनी पड़ती थीं।

(ख) यहाँ के आदिवासियों को **नरभक्षी** बताया गया है।

(ग) **अंडमान द्वीप समूह** में कुल 572 द्वीप हैं।

(घ) निकोबार द्वीप समूह के मूल निवासी प्रायः **मंगोल जैसे** होते हैं।

(ङ) **सामरिक दृष्टि** से इन द्वीपों का बहुत महत्त्व है।

4. निम्नलिखित पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए-

आशय-संस्कृति, परंपरा, धर्म की विभिन्नता होने पर लोग एक-दूसरे के धर्म व भावनाओं को सम्मान देते हैं तथा भाईचारे की भावना से परस्पर जुड़ते हैं जो पूरे

राष्ट्र में एकता स्थापित करती है।

भाषा बोध

1. **निम्नलिखित वाक्यों में 'है/हैं, थी/थीं' का सही प्रयोग कीजिए-**
   (क) देशभक्तों को यहाँ फाँसी दी गई **थी**।
   (ख) सेल्युलर जेल में भयंकर यातनाएँ दी जाती **थीं**।
   (ग) प्रकृति का मनोरम रूप हमें लुभाता **है**। ये ऊँचे-ऊँचे पहाड़, हरी-भरी घाटियाँ सभी के मन को अपनी ओर आकर्षित करते **हैं**।
   (घ) इन द्वीपों पर बहुत चहल-पहल हो रही **है**।
   (ङ) अब ये द्वीप बहुत सुंदर दिखाई देते **हैं**।
   (च) सारे सैलानी वहीं घूमते रहते **हैं**।

2. **निम्नलिखित अव्यय शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**
   यथास्थिति = न्यायालय ने **यथास्थिति** बनाए रखने का आदेश दिया।
   यथाशक्ति = पहलवान ने **यथाशक्ति** दूसरे पहलवान का मुकाबला किया
   प्रतिदिन = राजीव **प्रतिदिन** स्कूल जाता है।
   आमरण = दंगों को रोकने के लिए गांधी जी ने **आमरण** अनशन किया।
   आजन्म = कुछ क्रांतिकारियों को **आजन्म** कारावास का दंड मिला।

3. **निम्नलिखित शब्दों में किस विभक्ति का लोप हुआ है? लिखिए। इनके समास-भेद भी लिखिए-**

नरभक्षी	=	**को**	**कर्म तत्पुरुष समास**
राष्ट्रपति	=	**का**	**संबंध तत्पुरुष समास**
आकाशवाणी	=	**से**	**अपादान तत्पुरुष समास**
चरणामृत	=	**का**	**संबंध तत्पुरुष समास**
भारतवासी	=	**का**	**संबंध तत्पुरुष समास**
रसोईघर	=	**के लिए**	**संप्रदान तत्पुरुष समास**
घुड़सवार	=	**पर**	**अधिकरण तत्पुरुष समास**
शरणागत	=	**को**	**कर्म तत्पुरुण समास**

4. **निम्नलिखित वाक्यों को कारक-चिह्नों द्वारा पूर्ण कीजिए-**
   (क) स्वाधीनता **से** पूर्व यहाँ क्रांतिकारियों **को** रखा जाता था।
   (ख) राजा राजनचोल **ने** इन द्वीपों **को** जीत लिया था।
   (ग) इन द्वीपों **की** कहानी अंधकार **के** गर्त **में** छिपी रही।
   (घ) कुछ लोग यहाँ **की** जलवायु **से** पीड़ित होकर चल बसे।
   (ङ) कुछ जातियों **के** लोग अब वनों **से** निकलकर सभ्य संसार में आने लगे हैं।

5. **निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए-**

लकडी	=	**लकड़ी**	दक्षीण	=	**दक्षिण**
प्रशन	=	**प्रश्न**	शभ्य	=	**सभ्य**
हरीयालि	=	**हरियाली**	कमीशनर	=	**कमिश्नर**
स्त्रीयां	=	**स्त्रियाँ**	तबाकु	=	**तंबाकू**

6. **रंगीन शब्दों के सर्वनामों का शुद्ध रूप लिखकर वाक्य पुनः लिखिए-**

(क) दूसरा नाम मुझे मालूम नहीं।

(ख) कमरे में किसका सामान रखा है।

(ग) तुम किससे पूछकर यहाँ आए हो?

(घ) उसने तुम्हें बुलाया है।

(ङ) तुझे क्या चाहिए?

7. **निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए-**

अभिनेता	=	**अभिनेत्री**	युवक	=	**युवती**
सम्राट	=	**सम्राज्ञी**	कवि	=	**कवयित्री**
तपस्वी	=	**तपस्विनी**	निर्माता	=	**निर्मात्री**
ब्राह्मणी	=	**ब्राह्मण**	गुणवती	=	**गुणवान**

8. **निम्नलिखित संबंधबोधक अव्ययों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

से पहले	**मेरे आने से पहले वह चला गया था।**
के बाद	**खाना खाने के बाद रोहन सो गया था।**
के ऊपर	**मोहन छत के ऊपर बैठा है।**
के कारण	**बुखार के कारण वह विद्यालय नहीं जा सका।**
के पीछे	**वह पेड़ के पीछे छिप गया।**
की ओर	**हाथी जंगल की ओर जा रहा था।**
के समान	**कबीर के समान कोई नहीं है।**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

17 चाय और उसकी लोकप्रियता

अभ्यास-कार्य

1. **निम्नलिख्यात बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-**

उत्तर- (क) iii. चाय (ख) ii. ब्रिटेन (ग) ii. सफेद

(घ) ii. चीनी (ङ) i. हानि

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-**

उत्तर- (क) भारतवर्ष में चाय की लोकप्रियता इस सीमा तक है कि इसे हमारा राष्ट्रीय पेय भी कहा जा सकता है। उठते-बैठते, सुबह-शाम चाय पीने की तलब साथ नहीं छोड़ती। लोग इसे स्फूर्तिदायक पेय तो मानते ही हैं, परंतु कुछ लोगों का यह भी मानना है कि गर्मागर्म चाय पीना सिरदर्द का अचूक इलाज है।

(ख) प्रारंभ में अंग्रेजों ने हिंदुस्तानियों में चाय की ललक जगाई। तब रेलवे स्टेशनों, बस-अड्डों आदि सहित भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर नारे लिखे गए-'रोज चाय पियो, ज्यादा दिन जिओ।' और तब से अब तक का चाय का सफर कदम-कदम पर ठहरकर अबाध गति से जारी है।

(ग) तुर्की में प्रतिवर्ष प्रति व्यक्ति सबसे अधिक कप चाय पी जाती है-3.16 किलोग्राम चाय प्रतिवर्ष प्रति व्यक्ति। आयरलैंड में प्रतिवर्ष प्रति व्यक्ति सबसे अधिक कप चाय पी जाती है-2.19 किलोग्राम प्रति व्यक्ति चाय की खपत। दूसरे तीसरे पर है ब्रिटेन, जहाँ प्रतिवर्ष औसत 1.49 किलोग्राम प्रति निवासी चाय पीता है।

(घ) चाय की उत्पत्ति की कहानी भी कम रोचक नहीं है। ऐसा कहा जाता है कि बोधिधर्म नामक एक दाक्षिणात्य बौद्ध भिक्षु धर्म प्रचार के लिए भारत से चीन गया था। एक दिन ध्यान करते समय धर्म को आलस्य ने आ घेरा। आलस्यवश उसके नेत्र निमीलित होने लगे। यह देख उसे क्रोध आ गया और उसने अपनी पलकें नोंचकर फेंक दीं। जहाँ-जहाँ पलकें गिरी, वहाँ पौधे उग आए। उसने उनकी पत्तियों का सेवन किया, जिससे वह पुनः निरलस हो ध्यानमग्न हो गया। ये पौधे ही चाय के पौधे कहलाए।

(ङ) एक बार एक चीनी दूत इंग्लैंड की महारानी के दरबार में गया। वहाँ उसने एक पैकेट चाय भेंट की। कहते हैं, महारानी ने चाय की पत्तियों को उबलवाकर पानी तो फिंकवा दिया और उन्हें मिलाकर रोटी के साथ खाया। इससे समझा जा सकता है कि इंग्लैंडवासी चाय के विषय में कितनी जानकारी रखते थे।
चीन से चाय जापान पहुँची और वहाँ से यूरोप में कदम रखा। पहले जब चाय का यूरोप में प्रचार हुआ, तब यह बहुत महँगी बिका करती थी। धीरे-धीरे चाय के गुणों का प्रचार हुआ और लोगों में सम्मान पाते देख ईस्ट इंडिया कंपनी इसका व्यापार करने लगी। वह चाय को चीन और जावा से आयात कर इंग्लैंड में बेचने लगी। इस कंपनी ने चाय के व्यापार में बहुत धन बटोरा। सन् 1834 ई0 में ईस्ट इंडिया कंपनी की चीन से खटपट हो गई, तब चीन ने ईस्ट इंडिया कंपनी को चाय का निर्यात बंद कर दिया। ऐसी स्थिति में ईस्ट इंडिया कंपनी का ध्यान चाय की खेती की ओर गया।

(च) धरती में चाय का बीज बोया जाता है। चाय के बीजों के लिए सख्त मिट्टी और नम वायु की आवश्यकता होती है। जब पौधे तीन वर्ष के हो जाते हैं, तब इनसे पत्तियाँ चुनी जाती हैं।
तब पत्तियों को उन्हें कारखाने में भेज दिया जाता है।
कारखाने में पहुँचने पर पत्तियों को पहले सुखाया जाता है। फिर रोलर की सहायता से उनका चूर्ण किया जाता है। तत्पश्चात कई वैज्ञानिक यंत्रों और क्रियाओं की मदद से चाय अपनी वर्तमान आकृति तक पहुँचती है। चाय में सुगंध पैदा करने के लिए पत्तियों के चूर्ण में सुगंधित पदार्थ भी डाल दिए जाते हैं। इस प्रकार जब चाय बनकर तैयार हो जाती है, तो छोटे-छोटे डिब्बों और बड़ी-बड़ी पेटियों में भरकर देश-विदेश में बिक्री हेतु भेजी जाती है।

(छ) अधिक चाप पीने से भूख मरना, यकृत में सूजन, आँतों में जलन जैसी तकलीफें होने का अंदेशा रहता है। देखा गया है कि चाय के आदी व्यक्ति इसके गुलाम बन जाते हैं, क्योंकि निकोटीन की अधिक मात्रा दिमाग के लिए जहर है।

3. दिए गए विषयों पर अपने विचार लिखिए-

उत्तर- (क) हमें किसी भी वस्तु का उपयोग एक सीमा के अंदर ही करना चाहिए क्योंकि किसी भी वस्तु के असीमित प्रयोग से वह वस्तु हमारे लिए हानिकारक हो सकती है। इसलिए हमें अपने विवेक से काम लेते हुए वस्तुओं के उपयोग की सीमा निर्धारित कर लेनी चाहिए।

(ख) कहा जाता है कि जल मनुष्य के लिए जीवन है क्योंकि जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। लेकिन चाय पीने से तुरंत स्फूर्ति आती है तथा चाय पीने से सिरदर्द तथा सुस्ती दूर होती है। इसलिए इसको जीवन देने वाली एक अचूक बूटी माना जा सकता है।

भाषा बोध

1. दिए गए शब्दों के मूल शब्द लिखिए-

उत्तर-	आवेशित	**आवेश**	कल्याणकारी	**कल्याण**
	लोकप्रियता	**लोकप्रिय**	कुदरती	**कुदरत**
	जापानी	**जापान**	गुलामी	**गुलाम**
	दैनिक	**दिन**	रचनात्मक	**रचना**
	नवीनतम	**नवीन**		

2. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी सही करके लिखिए-

(ग) वर्तनी सुधारिए-

उत्तर-	कृत्रीम	**कृत्रिम**	स्फूर्ती	**स्फूर्ति**
	आंदौलित	**आंदोलित**	अनुकुल	**अनुकूल**
	हानीकारक	**हानिकारक**	प्रशीक्षीत	**प्रशिक्षित**

3. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तर- जगत = यह संपूर्ण **जगत** मिथ्या है।

अनुकूल = आज समय हमारे **अनुकूल** है।

प्रतिकूल = हमें अपने बड़ों के **प्रतिकूल** होकर कार्य नहीं करने चाहिए।

निर्यात = हमारे देश से अनेक वस्तुओं का **निर्यात** किया जाता है।

आयात = पानी के जहाज के द्वारा अनेक चीजों का **आयात** किया जाता है।

4. रंगीन छपे पदों के कारक बताइए-

उत्तर- (क) संप्रदान कारक (ख) कर्म कारक (ग) संप्रदान कारक

(घ) कर्म कारक (ङ) कर्म कारक

5. निम्नलिखित शब्दों के उत्तरावस्था तथा उत्तमावस्था के रूप लिखिए-

उच्च	=	**उच्चतर**	**उच्चतम**
अधिक	=	**अधिकतर**	**अधिकतम**
प्रिय	=	**प्रियतर**	**प्रियतम**
सुंदर	=	**सुंदरतर**	**सुंदरतम**

6. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियाएँ छाँटकर लिखिए-

(क) सो रहे थे। (ख) गए हैं। (ग) हँसती है

(घ) घूमने जाएँगे (ङ) कर लिया था (च) धुलवाता है

7. निम्नलिखित वाक्यों को दिए गए काल के निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए-

(क) **द्रविड़ आज अच्छा नहीं खेल रहा है।**

(ख) **महात्मा गांधी अमर थे।**

(ग) **मोहन शतरंज खेल रहा है।**

(घ) **शायद आज पत्र मिल रहा है।**

(ङ) **मैं जाऊँगा।**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

18 पिंजरा

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) iii. सोना (ख) i. आजादी

(ग) ii. पिंजरे का पंछी (घ) iii. रबींद्रनाथ ठाकुर

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) पिंजरे का पंछी पिंजर में कैद रहता है, वह स्वयं स्वतंत्रतापूर्वक कहीं आ-जा, खा-पी नहीं सकता। जबकि वन का पंछी स्वतंत्र है वह अपनी इच्छा में कहीं भी आ-जा सकता है, खा-पी सकता है।

(ख) पिंजरे का पंछी अपनी मजबूरी बताता है कि मैं पिंजरे की चारों ओर से घिरी परिपाटी से बाहर नहीं आ सकता।

(ग) दोनों पक्षी अपने-अपने वातावरण में ही जीवन जीने में अभ्यस्त थे इसलिए वे मिलकर नहीं रह पाए।

(घ) इस कविता से हमें यह संदेश मिलता है कि हमें जैसा वातावरण मिलता है हम उसी में रहने के आदी हो जाते हैं, हम उस वातावरण से अलग वातावरण में रहने का साहस ही नहीं कर पाते।

3. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए-

(क) सोने **के पिंजरे में था पिंजरे का पक्षी**,
और वन का पंछी था वन में।
जाने **कैसे एक बार दोनों का मिलन हो गया**,
कौन **जाने उनके मन में क्या था**?

(ख) वन का पंछी **कहता है**,
"नहीं, **मैं वहाँ उड़ूँगा कैसे**?"
पिंजरे **का पंछी कहता है**,
"हाय, **बादलों में बैठने का ठौर** कहाँ है?"

इस तरह दोनों एक-दूसरे को चाहते तो हैं,
किंतु पास-पास नहीं आ पाते।

4. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए-

भावार्थ-पिंजरे का पक्षी कहता है कि मैं पिंजरे की चारों ओर से घिरी परिपाटी से बाहर नहीं आ सकता। वन का पक्षी कहता है कि प्रयास करके "अपने-आपको बादलों के हवाले कर दो।" पिंजरे से बाहर आकर बादलों में उड़ान भरो।

भाषा बोध

1. कुछ शब्द कई शब्दों के संक्षिप्त रूप होते हैं, ऐसे शब्दों को 'अनेक शब्दों के लिए एक शब्द' कहा जाता है।

इसी तरह दिए गए अनेक शब्दों के लिए एक-एक शब्द लिखिए-

गीत गाने वाला	=	**गायक**
रक्षा करने वाला	=	**रक्षक**
जिसमें पंछी को कैद किया जाता है	=	**पिंजरा**
पक्षियों का शिकार करने वाला	=	**बहेलिया**
जंगल में रहने वाला	=	**जंगली**

2. निम्नलिखित वाक्यों को उचित कारक-चिह्नों द्वारा पूर्ण कीजिए-

(क) एक पंछी सोने **के** पिंजरे **में** था।
(ख) वन का पंछी खुली हवाओं में आजाद घूमता था।
(ग) वन के पंछी ने पिंजरे के पंछी से बातें कीं।
(घ) वन के पंछी ने पिंजरे के पंछी को मधुर गीत सुनाए।

3. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-

पक्षी	=	**विहग**	एकांत	=	**अकेलापन**
जंगल	=	**वन**	बादल	=	**मेघ**
आकाश	=	**नभ**	बाधा	=	**रुकावट**

4. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए-

जीवन	=	**मृत्यु**	उच्च	=	**निम्न**
गगन	=	**पृथ्वी**	सभ्य	=	**असभ्य**
सबल	=	**निर्बल**	विशाल	=	**क्षुद्र**

5. निम्नलिखित समुच्चयबोधक शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

और	=	काजल **और** निशा दोनों अच्छी सहेलियाँ हैं।
या	=	तुम्हें टेलीविजन चाहिए **या** कंप्यूटर।
किंतु	=	सौरभ सीधा है **किंतु** उसकी बहन चालाक है।
परंतु	=	विपुल गया **परंतु** राजीव न जा सका।
कि	=	मैं दूध पीऊँगा न **कि** चाय।

6. निम्नलिखित वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय अलग कीजिए-

	उद्देश्य	**विधेय**
(क)	चंद्रशेखर	महान क्रांतिकारी थे।

(ख) सुरेश भाई सब्जी बेचते हैं।
(ग) अजय से अनजाने में कप टूट गया।
(घ) कोयल बाग में कूक रही है।

7. उचित क्रियाविशेषण से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) नरेंद्र **धीरे-धीरे** खिसक गया। (धीरे-धीरे/खूब)
(ख) मलिक ने **खूब** खाया। (लगभग/खूब)
(ग) सुशील **एकाएक** चला गया। (एकाएक/ठीक)

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

19 जुर्माना

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए-

(क) iii. जुर्माना (ख) ii. गीता का (ग) i. बच्ची बीमार थी

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए-

(क) जब गीता अपनी लड़की को डाँटते समय दारोगा सुरेश को बुरा-भला कह रही थी तभी सुरेश उसके सामने आ गया। तब गीता ने सोचा कि शायद सुरेश ने सुन लिया है और वह इस बार उसका आधा वेतन काट लेगा।

(ख) गीता अपनी बीमार लड़की को साथ लाई थी और उस पर ध्यान न देकर सफाई कर रही थी। काम के प्रति लगन का यह दृश्य देखकर सुरेश के मन में गीता के प्रति सहानुभूति पैदा हुई।

(ग) 'सब-कुछ सुनकर भी दारोगा नाराज नहीं हुआ।' यह सोचकर-समझकर गीता इसलिए भयभीत हो उठी क्योंकि गीता ने समझ लिया था कि अब दारोग उसे नौकरी से निकाल देगा और उसका आधा वेतन भी काट लेगा।

(घ) छुट्टी करने तथा दारोगा को गाली देने पर भी दारोगा ने गीता को पूरा वेतन दिया था। इसलिए दारोगा को गाली देने पर गीता को पश्चात्ताप हुआ।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) सुरेश की मातहती में **सैकड़ों** नौकरानियाँ थीं।
(ख) उस दिन उसका मन जैसे **सूलीं पर** टँगा रहता।
(ग) वह **सिर झुकाए** वेतन लेने जाती।
(घ) गीता के चेहरे का रंग उड़ **गया**।
(ङ) खजांची ने पूरे 600 रुपये उसके हाथ पर रख दिए।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

भारी	=	हल्का	ठंड	=	गर्मी
रात	=	दिन	सिर	=	पैर
खूबसूरत	=	बदसूरत	भाग्य	=	दुर्भाग्य
पास	=	दूर	दुआ	=	बद्दुआ

2. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए तथा अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए-

तखमीना करना = **अनुमान लगाना**

परीक्षा देने के बाद राहुल अपने प्राप्तांकों का **तखमीना करने** लगा।

कानाफूसी करना = **कान में धीरे-धीरे कुछ कहना**

मालिक को देखकर कर्मचारी आपस में **कानाफूसी** करने लगे।

फूट-फूटकर रोना = **गहरे दुख के साथ रोना**

अनुत्तीर्ण होने पर रवि **फूट-फूटकर** रोया।

मन सूली पर टँगा रहना = **बहुत बेचैन रहना**

व्यापार में हानि होने पर सेठ का **मन सूली पर टँगा रहता** था।

कलेजा धक्-धक् करना = **बहुत घबरा जाना**

शेर को सामने देखकर उसका **कलेजा धक्-धक्** करने लगा।

3. दिए गए उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए-

(क) वह उठ गया। वह चला गया।

(ख) लड़की चिल्लाई। वह बेहोश हो गई।

(ग) वह घबराया। उसने आँखें मूँद लीं।

(घ) औरतों ने गीता को देखा। वे कानाफूसी करने लगी।

(ङ) गीता ने अपना नाम सुना। वह चौंक पड़ी।

4. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए-

लंबाई	=	**लंबा**	कालिमा	=	**काला**
उदासी	=	**उदास**	एकता	=	**एक**
ठंडक	=	**ठंडा**	भलाई	=	**भला**
भूख	=	**भूखा**	परोपकार	=	**परोपकारी**

5. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए-

वेतन	=	**तनख्वाह**	समय	=	**काल**
परीक्षा	=	**इम्तहान**	मगर	=	**किंतु**
दूध	=	**दुग्ध**	ज्वर	=	**बुखार**
ठंड	=	**शीत**	काम	=	**कार्य**
हाथ	=	**कर**	उपहास	=	**मजाक**

क्रियात्मक-कार्य

स्वयं करें।

Notes

Notes